मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	27.6	25.1
जमशेदपुर	29.7	24.0
डालटनगंज	31.6	24.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 26 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 168 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मंईयां सम्मान यात्रा का प्रथम चरण पूरा, आज से चार दिन कोल्हान में चलेगी यात्रा

सीएम हेमंत लाए हैं मंईयां योजना, किसी और ने नहीं: कल्पना

विशेष संवाददाता। रांची/पलामू

- अंतिम दिन मेदनीनगर से शुरू हुई यात्रा, नौ क्षेत्रों से गुजरती हुई चंदवा में हुआ समापन

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार का झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान यात्रा का प्रथम चरण बुधवार को पलामू प्रमंडल में समाप्त हो गया. अब यह यात्रा का दूसरा चरण गुरुवार से लेकर 29 सितंबर तक कोल्हान में चलेगा. बुधवार को अंतिम दिन मेदनीनगर से यात्रा की शुरुआत हुई. जो सतबरवा, बकोरिया, मनिका, लातेहार, पांकी, हेरहंज, बालूमाथ एवं चंदवा तक गयी.

इस दौरान कई स्थानों पर जनसभा एवं तो कहीं पर रोड शो का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में विधायक कल्पना सोरेन, विभागीय मंत्री बेबी देवी, मिथिलेश ठाकुर, दीपिका सिंह पांडेय सहित इसके पूर्व खामडीह में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष श्रवण कुमार, सचिव श्रीनिवास चौधरी, बाबू खान, मेघनाथ राम, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, झामुमो जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा, सचिव सोनू सिद्दकी, सतबरवा मुखिया रीना साहू, विकास प्रसाद शामिल हुए.

यात्रा के दौरान जगह-जगह महिलाओं को संबोधित करतीं कल्पना सोरेन.

इन अवसरों पर विधायक कल्पना सोरेन ने महिलाओं और लोगों को संबोधित किया. कल्पना ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंईयां का मतलब 'मां, बहन और बेटी' होता है. झारखंड की बेटियां लक्ष्मी का स्वरूप हैं. बेटियां किसी न किसी सरकारी योजना से जुड़ी ही रहेंगी. महिलाओं को उनके जन्म से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक की जरूरतों को पूरा करने की व्यवस्था हेमंत सरकार ने कर दी है. उन्होंने कहा कि यह बरखा सुख-समृद्धि का शुभ संकेत दे रही है. हेमंत सरकार ने महिलाओं के जन्म से लेकर अंतिम पड़ाव तक की व्यवस्था कर दी है. उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाए हैं. किसी और ने नहीं. इनका इशारा पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की ओर था. जिन्होंने बुधवार को कहा कि यह योजना उन्होंने लाई थी, जिस पर सरकार इतरा रही है. उन्होंने जनसभा में उपस्थित हजारों महिलाओं से पूछा कि मंईयां सम्मान योजना का लाभ चाहिए, तो महिलाओं ने दोनों हाथ उठा कर कहा- मिलना चाहिए. वहीं, मंत्री बेबी देवी ने मंईयां सम्मान योजना को झारखंड सरकार की सबसे महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी योजना बताया. उन्होंने हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पुनः एक बार जनता की सरकार बनाने की अपील की. सीएम हेमंत सोरेन झारखंडवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि लाने के लिए दिन-रात लगे हुए हैं. आप सभी उन्हें अपना आशीर्वाद दें.

जस्टिस एमएस रामचंद्र राव बने झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

शपथ लेने के बाद सीएम और विस अध्यक्ष के साथ चीफ जस्टिस. फोटोःरमीज

विधि संवाददाता। रांची

- राजभवन में राज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ
- मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, मंत्री, जज वकील भी रहे मौजूद

जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली. राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन,विस अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, हाईकोर्ट के अन्य जज, महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष, एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता और महाधिवक्ता कार्यालय के सभी अधिवक्ता समेत हाईकोर्ट के कई अधिवक्ता मौजूद रहे.

जस्टिस एमएस रामचंद्र राव झारखंड हाईकोर्ट के 16वें चीफ जस्टिस हैं. उनके पहले के चीफ जस्टिस बीआर सारंगी 19 जुलाई को रिटायर हो गए थे. इसके बाद इस पद का दायित्व एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद संभाल रहे थे.

हिमाचल के भी रहे हैं चीफ जस्टिस : जस्टिस एमएस रामचंद्र राव इससे पहले हिमाचल प्रदेश के चीफ जस्टिस के रूप में कार्यरत थे. उनके झारखंड हाईकोर्ट में तबादले की अधिसूचना, भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्रालय ने 21 सितंबर को जारी की थी. राव को साल 2012 में 29 जून को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का जस्टिस बनाया गया था.

इसके बाद वह 31 अगस्त,2021 को तेलंगाना राज्य के लिए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त हुए और 30 मई 2023 को हिमाचल प्रदेश के हाईकोर्ट में इसी पद पर स्थानांतरित किए गए थे. उनका जन्म सात अगस्त 1966 को हैदराबाद में हुआ था. उन्होंने भवान्स न्यू साइंस कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय से बीएससी गणित ऑनर्स में पढ़ाई की, जहां वे यूनिवर्सिटी टॉपर रहे. उन्होंने 1989 में उस्मानिया विश्वविद्यालय के विधि कॉलेज से एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण की और अंतिम वर्ष में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया.

इसी वर्ष वह अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए. 1991 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उन्होंने एलएलएम की डिग्री प्राप्त की. उन्होंने सिविल लॉ, मीडिएशन, कंपनी लॉ, एडमिनिस्ट्रेटिव एंड कांस्टीट्यूशनल लॉ, लेबर एंड सर्विस लॉ के क्षेत्र में कई वर्षों तक प्रैक्टिस की है. उनकी गिनती काफी प्रतिभाशाली जजों की श्रेणी में की जाती है.

पिता और दादा भी थे जज

जस्टिस राव ऐसे परिवार से आते हैं, जिसके पास कानून एवं न्याय की प्रैक्टिस की समृद्ध विरासत है. उनके पिता जस्टिस एम. जगन्नाथ राव सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे, जबकि उनके दादा भी आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस रहे थे. जस्टिस राव के पिता जस्टिस एम जगन्नाथ राव भारत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारत के विधि आयोग के पूर्व अध्यक्ष थे. जस्टिस राव के दादा एमएस रामचंद्र राव भी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे.

सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र, कहा-

हमारा बकाया दिला दें

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है. उन्होंने अपने पत्र में केंद्रीय कोल कंपनियों पर झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपए दिलाने की मांग की है. सीएम सोरेन ने लिखा है कि जब तक बकाया राशि का भुगतान किस्तों में नहीं हो जाता, कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को ब्याज राशि का भुगतान करना शुरू किया जाए. या भारतीय रिजर्व बैंक में कोल इंडिया के खाते में जमा राशि से झारखंड राज्य को पैसा सीधे डेबिट कराया जाए. जैसा कि झारखंड राज्य बिजली बोर्ड के साथ डीवीसी के बकाया मामले में किया गया था. **बकाया मिलने से गरीबी से लड़ने और लोगों का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी :** सीएम सोरेन ने लिखा है कि बकाया का भुगतान जल्द शुरू कराया जाए, ताकि झारखंड के लोगों को परेशानी न हो और इस गरीब आदिवासी राज्य की बेहतरी के लिए राज्य सरकार सामाजिक, आर्थिक परियोजनाओं की संख्या और गति बढ़ा सके. यदि कोयला कंपनियों द्वारा राज्य के वैध बकाया का समय पर भुगतान कर दिया जाता है, तो झारखंड के लोग सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं. ऐसा होने पर गरीबी से लड़ने और राज्य के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा करने में मदद मिलेगी. -शेष पेज 07 पर

सीएम ने पीएम को दिए दो विकल्प

- जब तक बकाए का भुगतान किस्तों में नहीं हो जाता, तब तक कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को ब्याज भुगतान शुरू किया जाए
- या फिर आरबीआई में कोल इंडिया की जमा राशि को सीधे डेबिट कराया जाए जैसे डीवीसी के बकाए के समय हुआ था

सोरेन ने रॉयल्टी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया

पत्र में हेमंत सोरेन ने खनन रॉयल्टी पर सुप्रीम कोर्ट के पिछले दिनों आए एक फैसले का हवाला भी दिया है, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को खनिज युक्त जमीन पर रॉयल्टी के लिए पिछला बकाया वसूलने का अधिकार है. बकाए के संबंध में कानून में प्रावधान और न्यायिक आदेशों के बावजूद कोयला कंपनियां कोई भुगतान नहीं कर रही हैं. जिसके कारण झारखंड को भारी नुकसान हुआ है. लंबित मांगों का सवाल विभिन्न मंचों प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और अन्य मंचों पर उठाए जाने के बावजूद हमें अभी तक भुगतान मिलना शुरू नहीं हुआ है. मुआवजा अभी तक नहीं दिया गया है.

जो हमारे द्वारा देय हैं और जो हमें देय है की नीति में विरोधाभास: मनमानी

हेमंत ने कहा है कि हमारा एक अविकसित राज्य है और यहां सामाजिक आर्थिक परिस्थितियां बहुत खराब हैं. राज्य की जनता की समस्याओं का समाधान भुगतान नहीं होने से नहीं हो पा रहा है. हमारी न्यायोचित मांगों का समाधान नहीं हो पाया है. परिणामस्वरूप, सबसे समृद्ध खनिज संपन्न राज्य को बहुत कम आय हो रही. भारी नुकसान हुआ है. आखिरी गांव के अंतिम व्यक्ति तक सामाजिक-आर्थिक सुधारों, सड़क-इंफ्रास्टक्चर और नीतियों को पहुंचाने में कठिनाई हो रही. खनिजों का दोहन कर कंपनियां मुनाफा कमा रहीं. जब झारखंड की बिजली कंपनी के स्तर से डीवीसी को बकाया के भुगतान में देरी हुई थी. तब झारखंड के आरबीआई खाते से 12% की दर से ब्याज वसूला गया. इस आधार पर बकाया भुगतान की नीति में अंतर है .और यह अंतर बकाया जो हमारे द्वारा देय हैं और जो हमें देय है में एक विरोधाभास को दर्शाता है. यह मनमानी है, जो राज्य को बहुत ही वंचित स्थिति में डालता है.

ऐसे समझें किस मद में कितनी राशि है बकाया

- प्रावधानों के अनुसार धुले हुए कोयले की रॉयल्टी बकाया के रूप में 2900 करोड़ रुपए बकाया.
- **झारखंड सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम के उल्लंघन के कारण विभिन्न कोयला कंपनियों से लगभग 32,000 करोड़ रुपए बकाए का अभी तक भुगतान नहीं किया गया है.**
- सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा भूमि अधिग्रहण के तहत बकाया राशि से जुड़ा है. भूमि अधिग्रहण के तहत, देय खनिज और बकाया राशि जीएम भूमि के लिए 38,460 करोड़ रुपए और जीएम जेजे भूमि के लिए 2682 करोड़ रुपए हैं, जो इस पहलू में कुल 41,142 करोड़ रुपए हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,200
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

कुएं में कारतूस का मिला जखीरा, हड़कंप

पटना। बिहार के गया जिले में सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) के जिंदा कारतूस का जखीरा मिला है. आंती थाना क्षेत्र के मीठापुर गांव में कुंए से पुलिस को अत्याधुनिक एसएलआर राइफल के 1490 जिंदा कारतूस मिले हैं. कुएं में पानी नहीं है, इसलिए आशंका है कि गांव के आसपास के ही गिरोह या क्रिमिनल ने इसे सूखे कुएं में फेंककर छुपा रखा था. पुलिस ने सूचना मिलने पर इन सभी जिंदा कारतूसों को बरामद कर लिया है.

अब यूपी के रास्ते चलेगा हिमाचल भी

शिमला। यूपी की योगी सरकार की ओर से दुकानों पर नाम लिखने का जो आदेश जारी किया गया है, वह हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार को भी रास आ गया है. हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि उनकी सरकार ने भी यह नियम बनाने का फैसला लिया है. उन्होंने कहा कि लोगों की चिंताओं को ध्यान में रख कर ऐसा किया गया है. जितने भी स्ट्रीट वेंडर्स हैं, जो सामान बेच रहे हैं, उन पर हमको दोनों तरीके से ऐक्शन लेना चाहिए, हाईजैनिक खाना बिकना चाहिए.

पुरानी पेंशन के लिए विरोध प्रदर्शन आज

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार में बड़े कर्मचारी संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर यूपीएस का विरोध जताया है. ये कर्मचारी संगठन, अब विपक्ष को साथ लेकर केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति बना रहे हैं. कर्मचारी संगठनों को उम्मीद है कि केंद्र सरकार, बहुत जल्द दबाव में आ जाएगी. देश में पुरानी पेंशन बहाल करनी पड़ेगी. सरकार के पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है. इस कड़ी में 26 सितंबर को एनएमओपीएस के बैनर तले देश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

राहुल ने पूछा सवाल-सरकार की नीति कौन तय कर रहा?

एजेंसी। नयी दिल्ली

भाजपा की सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के किसानों पर दिए बयान के बाद राजनीतिक बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है. कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि भाजपा फिर से किसानों के खिलाफ तीनों बिल लाने वाली है. इस बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए केंद्र सरकार से पूछा, सरकार की नीति कौन तय कर रहा है? एक भाजपा सांसद या पीएम मोदी?

- वापस लिए गए तीन किसान बिल पर कंगना रनौत के यू-टर्न पर सवाल उठा
- बोले नेता प्रतिपक्ष-पीएम मोदी को किसानों से मांगनी पड़ेगी माफी

भाजपा पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 700 से ज्यादा किसानों, खास कर हरियाणा और पंजाब के किसानों की शहादत ले कर भी भाजपा वालों का मन नहीं भरा. इंडिया गठबंधन हमारे अन्नदाताओं के विरुद्ध भाजपा का कोई भी षडयंत्र कामयाब नहीं होने देगा - अगर किसानों को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई भी कदम उठाया जाएगा, तो मोदी जी को फिर से माफी मांगनी पड़ेगी. अगले महीने हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं. इस लिहाज से कांग्रेस किसानों के मुद्दे को लेकर भाजपा से एक कदम आगे रहना चाहती है. इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने कहा था, इस बार हरियाणा समेत सभी चुनावी राज्यों से किसानों पर खुद पीएम मोदी की ओर से संसद में आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक टिप्पणी का करारा जवाब मिलेगा. -शेष पेज 07 पर

मेरे साथ कोई हादसा हुआ, तो राज्य सरकार होगी जिम्मेदार

चंपाई ने कैबिनेट सचिव को लिखा पत्र

संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कैबिनेट सेक्रेटरी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि भविष्य में मेरे साथ किसी भी तरह की अप्रिय घटना घटित होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी. उन्होंने यह भी लिखा है कि मैंने 28 अगस्त को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद मुझे जेड प्लस की सुरक्षा वाहन सहित दी गई है. इस बीच 24 सितंबर को सार्जेंट मेजर ने कॉल कर कारकेड के तीन वाहन चालकों को सभी वाहन वापस करने को कहा. पूर्व सीएम ने कहा कि अचानक से इस तरह कॉल कर सभी वाहनों को वापस मंगाना कहां से उचित प्रतीत होता है. मैनें 25 सितंबर को सभी वाहन अपने विभाग को पत्र के माध्यम से वापस कर रहा हूं. पूर्व सीएम की तरफ से भेजे गए पत्र को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने भी सफाई दी है और कहा है कि उनकी सुरक्षा में किसी तरह की कोई कमी नहीं की गई है.

कड़ा रुख वक्फ संशोधन बिल पर आए 1 करोड़ से ज्यादा सुझाव, भड़की विहिप, कहा-

ये ईमेल जिहाद! भारत विरोधी टूल किट का इस्तेमाल

एजेंसी । नयी दिल्ली

वक्फ संशोधन बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सुझाव के लिए 1 करोड़ से ज्यादा ईमेल मिले हैं. इसे लेकर विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने किसी साजिश की आशंका जताई है. विनोद बंसल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, इतने जिहाद के बाद अब यह ईमेल जिहाद है.

जाकिर नाईक और अन्य भारत विरोधी कम्युनिस्ट और जिहादी ताकतों का प्रवेश साफ तौर से सक्रिय देखा गया था, जबकि प्रक्रिया चल रही थी. उन्होंने आगे लिखा, जिहादी वक्फ बोर्ड में शामिल जेपीसी को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं. इस जिहादी टूलकिट को उजागर किया जाना चाहिए. विनोद बंसल ने लिखा, जेपीसी को जब सुझाव भेजे जा रहे थे उस समय ज़ाकिर नाईक, कम्युनिस्ट, जिहादी और पाकिस्तानी एजेंट जिस प्रकार भारतीय मुसलमानों को भड़काने में लगे थे, उसी से स्पष्ट हो रहा था कि इसमें कोई ना कोई घपला होने वाला है. अब यदि इतनी बड़ी संख्या में मेल आए हैं तो एक बात तो स्पष्ट है कि ये काम किसी भारत विरोधी टूल किट का ही हो सकता है. जांच व कार्यवाही ज़रूरी है.

जांच की मांग: विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने जेपीसी को इतने बड़े पैमाने पर मिले एक जैसे सुझावों के पीछे एक बड़े षड्यंत्र की आशंका जाहिर करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय को इन सुझावों के जिहादी और देश विरोधी एंगल की जांच करनी चाहिए.

उन्होंने कहा कि जेपीसी द्वारा लोगों और संगठनों के सुझाव आमंत्रित किए जाने के बाद जिस तरह जाकिर नाइक जैसी कट्टरपंथी और विदेशी ताकतें सक्रिय हुईं थी, उसे देखते हुए इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि कहीं किसी भारत विरोधी टूल किट गैंग ने एआई तकनीक का इस्तेमाल करके इतने बड़े पैमाने पर सुझाव भिजवाने का काम तो नहीं किया है. बता दें कि इससे पहले जेपीसी के वरिष्ठ सदस्य निशिकांत दुबे ने बुधवार को बड़ा दावा करते हुए इन सुझावों के पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिश की ओर इशारा करते हुए समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखा है.

क्या मोदी अब हमारे घरों में झांकेंगे: ओवैसी

इस बीच, एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बोर्ड को लेकर भाजपा पर जमकर हमला बोला है. ओवैसी ने कहा है कि वक्फ बोर्ड एक प्राइवेट प्रॉपर्टी है, लेकिन भाजपा तो ऐसे बता रही है जैसे कि वक्त बोर्ड सरकार की संपत्ति है. ओवैसी ने सरकार पर आरोप लगाए हैं कि वह वक्फ बोर्ड को हमेशा-हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहती है. कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए, ओवैसी ने बताया कि वक्फ अधिनियम 1995 उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ की अवधारणा पर आधारित है. यह अनिवार्य करता है कि यदि कोई स्थान प्रार्थना के लिए उपयोग किया जाता है, अनाथालय के रूप में कार्य करता है या कब्रिस्तान के रूप में कार्य करता है तो वह वक्फ संपत्ति बन जाती है, जिसे सरकार अब खत्म करने का इरादा रखती है. ओवैसी ने सवाल किया कि क्या इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति दिन में पांच बार नमाज पढ़ता है, दाढ़ी रखता है, टोपी पहनता है या उसकी कोई गैर-मुस्लिम पत्नी नहीं है? उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म के लोगों पर ऐसा कोई कानून लागू नहीं होता. -शेष पेज 07 पर

राजनीति: सारे आईपीएस की किस्मत बीडी राम, डॉ रामेश्वर उरांव और अजय जैसी नहीं

पांडे, डुंगडुंग और सिंह जैसे कई लोगों को नई पिच पर मिली असफलता

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड की राजनीति में 10 से अधिक आईपीएस अधिकारी अपनी किस्मत आजमा चुके हैं. किसी ने सेवानिवृत्त होने के बाद तो किसी ने वीआरएस लेकर राजनीति में कदम रखा. लेकिन सारे आईपीएस की किस्मत रामेश्वर उरांव, बीडी राम और अजय कुमार जैसी नहीं रही. डीके पांडे, रेजी डुंगडुंग, लक्ष्मण प्रसाद सिंह, स्व. अमिताभ चौधरी और अरुण उरांव जैसे कई आईपीएस अब तक झारखंड की राजनीति में असफल भी हुए हैं. इन अधिकारियों की इच्छा विधायक और सांसद बनने

ये हैं झारखंड के आईपीएस, जिन्होंने राजनीति में रखा कदम

डॉ रामेश्वर उरांव, बीडी राम, डीके पांडे, रेजी डुंगडुंग, अरुण उरांव, अजय कुमार, लक्ष्मण प्रसाद सिंह, सुबोध प्रसाद, राजीव रंजन, संजय रंजन, स्व. अमिताभ चौधरी.

की थी. मगर इनमें से कई आईपीएस को पार्टी से टिकट ही नहीं मिला. वहीं कुछ को मौका मिला तो उन्हें जनता ने ठुकरा दिया.

आईपीएस की नौकरी छोड़ भाजपा में शामिल होने वाले स्व. अमिताभ चौधरी को टिकट नहीं मिला, तो उन्होंने झारखंड विकास मोर्चा के टिकट पर 2014 में चुनाव लड़ा. लेकिन उनको रांची लोकसभा क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद नहीं मिला. वहीं दूसरी तरफ झारखंड की राजनीति में सफल होने वाले प्रमुख आईपीएस अधिकारियों डॉ अजय कुमार, डॉ रामेश्वर उरांव और बीडी राम का नाम आज भी लिया जाता है. लेकिन आईपीएस रहे लक्ष्मण प्रसाद सिंह जैसे भी कई नाम हैं, जिन्हें दो मौका मिला. मगर वो राजनीति में सफल नहीं हो सके. वहीं पूर्व डीजीपी डीके पांडे, अरुण उरांव जैसे कई अधिकारियों को तो किस्मत आजमाने का मौका ही नहीं मिला.

ओ राजा... तोहरे हाड़े हरदिया लागी कि नाहीं कहीं अईसहीं जिया लगाईले न रह जाइब

संजय सिंह

अपने झारखंड ने दलबदलु नेताओं की वजह से नयका -नयका कीतिर्मान बनाइले है. अपने राज्य में तो एगो प्रमंडल अईसन है, जहां ढेरे राजा जी लोग राजनीति में चकल्लस काटले हैं. राज-पाट गिया, मतलब देसी रियासत सभे सरकार के पास चल गईस, तो राज परिवार के लोग के हंफनी धर लीहिस. अब ई लोग के बुझाए लगा कि ढेरे हो गिया राजपाट, अब जनता के सेवा के बहाने राजनीति चमकावल जाए. माने राजपाट चलावे ला दूसर देने से नाक धईल जाए. पलामू देने तो कई गो राजघराना वाला लोग नेतई करे लगीस. पहिले बाबूजी, फिरो बेटाजी नेतई चमकावे लगीस. ई लोगन के नेतागीरी चमकाए के चस्का लग गईस. चूंकि बाबू लोगन राजघराना के साहिबान थे, तो पहिले तो जनता ने ऊ लोग पर ढेरे मेहरबानी कईले रहती थी. एगो के देखादेखी दूसरको राजघराना के सपूत लोग के भी नेतई के चस्का धर लीहिस. फिर वंशवादी परंपरा चल पड़ल. बाबूजी बुढ़ाईलें, नाई रहलें, तो बेटा जी लोगन के भी जनता-जनार्दन माथे पर बईठाईले रहिस. जे राजघराना वाला न थे, उनकरो बेटा जी के लोग अबहियों माथे पर बईठाईले हैं. माने कि ई पलामू में वंश परंपरा ढेरे फल-पूल रहिस है. बाबुजी के बाद बेटाजी. जनतो जनार्दन वईसने है. ई लोग के सिर पर ही बईठाईले रहती है, तो का कहल जाओ. लेकिन जनता भी तुनक मिजाजिए है. थोड़के सा में विदकियो जाती है. एके-दू बेर में उतार कर अईसन फेंकियो देता है कि कोई नाम लेवईया भी नहीं रह जाता है. ईहां के राजाजी और उनकर बेटाजी लोगन के नेतई के कहानी ढेरे है. धीरे-दीरे सभे से रू-ब-रू करावल जाएगा. ई पलामुआ में एगो दलबदलु राजाजी अभी फिरो से लालटेन लेले घूमईत फिर रहे हैं. जोगाड़ लगाईले फिर रहे हैं टिकटवा लगी. लेकिन सीट शेयरिंग में बात न बनल तो फिर केने बिगा जाएंगे, कहल न जा सकता है. ज्यादा चांस बिगाईए जाए के है. सेटी शेयरिंग में राजाजी के फिरो से बिगाए के चांस है, एहीसे ई तनिका ज्यादा ही अकबकाईल हैं, कईसहुं जिया लगाइले हैं. ई राजाजी के बाउजी भी ढेरे दिन राजनीतिवाला राजपाट कईले थे, जनता बाउजी के सिरे पर बईठाइले रहती थी. बाउजी के बाद बेटा जी लालटेन जराईले घूम लगे. लालटेन ब्रांड के बड़का साहिब लाले लाल वाले साहिब से खूबे पटईत था राजाजी के. कहल जाओ तो ऊनकर काफी करीबी रहलें राजाजी जी. ऊ लालटेन ब्रांड पार्टिया में राजाजी खूबे मस्तियों मारले थे. जे चाहते थे, सेही कर लिया करते थे. लेकिन का करें बेचारे, मतिया मराईल था, तो चल दीहिन कमल फूल खिलावे ला एगो पार्टीवाली मैडम जी के साथे. कमल खिलावे गईल थे, लेकिन अईसन धोखा हुईस कि लगे छटपटाए. रघु राज में राजाजी के बुझाईस कि फिरो से राजपाट भेंटाईए जाएगा, तो चऊए पर चले लगे. लेकिन ई का, राजाजी के न तो माया से भेंट हुईस अउर ना रामे जी. दिन दहाड़े राजाजी अईसन ठगी के शिकार हुईन कि मुंहवा से बकारे न निकल रहिस था. चुनाउवा में तो टिकटवा नहींए मिलीस, बाद कमल पार्टिये में अईसन धकिया दीहिस कि पूछिए मत. गम खाईले लजवन पडाईले बेचारे पड़ल थे. लेकिन लोकसभा चुनाउवा के समय राजाजी के फिरो से चुनाव लड़ेवाला कीड़वा काटे लगिस. कमल वाला तो साईडे धकियाईले ही था, तो कमल के मरोड़ कर फेंक दीहिन और दनदनाइले लालटेन धर लीहिन. लेकिन ईहों राजाजी के दाल नई गलिस. राजाजी के दिली इच्छा रहिस थी कि लोकसभा चुनाव लड़ें, माहौलो बनवाईले थे, लेकिन पंजा वाले के चक्कर में फिर चूक गईन. अब राजाजी विधानसभा चुनाव लड़ेला दांत निपोरले घूम रहिन हैं. लेकिन फिर सीट-शेयरिंग धोखाधड़ी के शिकार होवे के चांस तनिका ज्यादा ही है. काहे कि राजाजी जो सीटवा पर नजरिए गड़ाईले हैं, ऊ सीटवा पर तो पहिले से ही तीर-धनुषवा वाला नेताजी कोल्हान से आके निशाना साधिए रहल है. कोल्हान वाले नेताजी तीर-धनुष पार्टी वाले बड़का राजकुमार के करीबी हैं, तो उनकरा से राजाजी टकराईए न पावेंगे. अब देखिए राजाजी लालटेन जरावे में कामयाब होते हैं या आवेवाला दिन में फिरो लालटेनवा तुर-फुर के बिगे के बाद कोनो दोसर ठिकाना में ढुकियाते हैं. वईसी राजाजी के तनिका उम्र भी होई गईस है, लेकिन देखिए भाई तो तो राजनीति है, बड़की पार्टियावाला लोग धोखा दीहिस था, तो राजाजी भी धोखा देवेवाला गुरवा में पांरगत होईए गिये हैं. आगे-आगे देखिए, होता है क्या?

चुनावी चकल्लस

ब्रीफ खबरें

चंपाई ने कारकेड के सभी वाहन वापस किये

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने अपने कारकेड में शामिल सभी वाहनों को वापस कर दिया है. जानकारी के अनुसार, सरकार ने चंपाई सोरेन से तीन गाड़ियां मांगी थी. इस पर चंपाई ने नाराजगी जताते हुए कारकेट की सभी गाड़ियां वापस कर दीं. बताते चलें कि चंपाई सोरेन को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है. चंपाई सोरेन ने कहा कि मेरे साथ सरकार इतना उत्पीड़न कर रही है, तो राज्य की जनता के साथ सरकार का व्यवहार कैसा होगा, आप समझ सकते हैं.

सांसद सरफराज अहमद वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष बने

रांची। राज्यसभा सांसद डॉ सरफराज अहमद झारखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष चुने गए हैं. अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में सरफराज अहमद ने एक वोट से अपने निकटम प्रतिद्वंदी अबरार अहमद को शिकस्त दी. सरफराज को कुल पांच वोट मिले, जबकि अबरार को चार वोट मिले. बताते चलें कि डॉ सरफराज अहमद वर्ष 2019 में झामुमो के टिकट पर गांडेय सीट से विधायक निर्वाचित हुए थे. बाद में उन्होंने इस सीट को छोड़ दिया, जिसके बाद हुए उपचुनाव में इसी सीट से कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की. डॉ सरफराज वर्ष 1980 और 2009 में भी कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं.

रांची सिविल कोर्ट से हत्या के चार आरोपी बरी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के चार आरोपी राजा उर्फ रंगा बिल्ला, मो आकिब, मो बेलाल और मो जिलानी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. चारों आरोपियों पर अरगोड़ा थाना क्षेत्र निवासी दानिश हक की चाकू गोद कर हत्या करने का आरोप था. दानिश की हत्या 17 सितंबर 2019 को हुई थी, जिसके बाद मृतक की पत्नी शहनाज परवीन ने चारों आरोपियों के खिलाफ थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. कोर्ट में ट्रायल के के दौरान सूचक और केस के आईओ गवाही देने नहीं पहुंचे, जिसका लाभ आरोपियों को मिला.

सीबीआई जांच के लिए पीआईएल

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक का मामला पहुंचा कोर्ट

- जनहित याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है

विधि संवाददाता। रांची

इस वर्ष 28 जनवरी को हुई जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के दौरान हुए पेपर लीक की जांच की मांग को लेकर झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है. हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर मांग की गई है कि पेपर लीक मामले की सीबीआई या न्यायिक जांच की जाए. क्योंकि पुलिस की एसआईटी की जांच अब तक सार्वजनिक नहीं हुई और न ही उस जांच में सभी तथ्य सामने आए हैं. अब तक इस जनहित याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है. दरअसल राज्य सरकार ने जनवरी महीने में जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा ली थी, जिसमें पेपर लीक का मामला सामने आया था. जिसके बाद पुलिस ने इस मामले की जांच की थी. पेपर लीक मामले की जांच के लिए तीन डीएसपी समेत सात पुलिस अधिकारियों की एसआईटी गठित की थी. एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट भी कोर्ट में सौंप दी है.

उल्लेखनीय है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से 28 जनवरी को आयोजित कंबाइंड ग्रैजुएट लेवल एग्जाम (एसएससी-सीजीएल) की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था. इसके बाद आयोग ने पहले थर्ड पेपर यानी सामान्य ज्ञान की परीक्षा रद्द कर दी थी. अभ्यर्थियों के हंगामे के बाद आयोग को तीनों पत्रों की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी. एसएससी-सीजीएल की इस परीक्षा के जरिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 2025 पदों पर नियुक्ति की जानी थी. इसके लिए साढ़े छह लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था. रांची पुलिस की एसआईटी ने पेपर लीक के इस केस में झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मो. शमीम और उनके दो बेटों को फरवरी महीने में ही गिरफ्तार किया था. इनके पास से कई अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, कई नामों वाले ब्लैंक चेक और कुछ मोबाइल फोन बरामद किए गए थे.

नागपुरी को 8वीं अनुसूची में शामिल करें : डॉ. कारजी

संवाददाता। रांची

प्रगतिशील नागपुरी समाज केंद्रीय समिति, छोटानागपुर के बैनर तले नागपुरी समाज के लोगों ने राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया. आंदोलन सचिव करमु मुंडा ने कहा कि नागपुरी भाषा को 8वीं अनुसूचित में शामिल करना होगा. आज नागपुरी भाषा रामगढ़, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, रांची समेत अन्य जिलों में भी बोला जा रहा है. इसके बाद भी नागरिक भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है. अध्यक्ष नरेश चंद्र चंद्र कारजी ने कहा कि नागपुरी भाषा संपर्क भाषा है. सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है. झारखंड खनिज संपदा से भरा हुआ है. इसके बाद भी यहां के लोग गरीब हो रहे हैं. झारखंड में खेती योग्य हजारों एकड़ जमीन है. जमीन की सिंचाई के लिए नहर बनाई जानी चाहिए था. लोगों के खेतों में पानी पहुंचाया जाना था. झारखंड बने 24 साल हो रहा है. यहां के पूर्वजों ने सुंदर झारखंड का सपना देखा था. लेकिन आज यहां के लोग काम का तलाश में झारखंड से बाहर जा रहा हैं. पलायन रोकने के लिए कृषि जमीन को उद्योग का दर्जा देना होगा. कोषाध्यक्ष रतन कुमार महतो ने कहा कि आज झारखंड में महिलाओं के साथ अत्याचार बढ़ गया है. क्योंकि आज सोशल मीडिया, यूट्यूब, फेसबुक पर अनावश्यक चीजों को दिखाया जा रहा है. इससे छोटी उम्र के बच्चे देख रहे हैं और उनका भविष्य बिगड़ रहा है. ऐसे अनावश्यक चीजों को जल्द रोकना होगा. मौके पर विजय कुमार,जैसवी कुमारी,बुधनाथ भगत,रतन कुमार महतो,दशरथ बड़ाइक, हरदयाल साहु समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे.

पुलिसकर्मियों के पास 12 जिलों में काम करने का सुनहरा अवसर

करें ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता। रांची

झारखंड के पुलिसकर्मियों के पास 12 जिलों में काम करने का सुनहरा अवसर है. इच्छुक पुलिसकर्मी इन जिलों में काम करने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है. जारी आदेश के मुताबिक, गढ़वा, पलामू, लातेहार, चाईबासा, चतरा, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, गुमला, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा के अलावा जंगल वार फेयर स्कूल नेतरहाट और सीटीसी मुसाबनी में सिपाही और हवलदार को पदस्थापित किया जाना है. जो पुलिसकर्मी इन जगहों पर जाने को इच्छुक हैं वो नीचे दिये गये क्यूआर कोड लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं.

आवेदन के लिए बारकोड स्कैन करें
https://forms.gle/MC6NFPhbmDWc203L9

ऑनलाइन आवेदन में देनी होगी ये जानकारियां

पदनाम और नाम, वर्तमान में पदस्थापित जिला, मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, जेंडर, गृह जिला, नियुक्ति तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि, किस जिले में नियुक्त हुए, पिछली पांच पोस्टिंग की जानकारी, कोई बीमारी हो तो उसकी जानकारी, तबादला के लिए जिला की सूची.

बाबूलाल ने सीएम हेमंत को लिखा पत्र, कहा

झारखंड की बेटी माधुरी खलखो के लिए फीस का प्रबंध शीघ्र कराएं

- लंदन के एसओएएस यूनिवर्सिटी से कर रही है पीएचडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. पत्र में सीएम से आग्रह किया है कि झारखंड की यह बेटी माधुरी खलखो लंदन के एसओएएस यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रही है. राज्य सरकार की स्कॉलरशिप योजना के तहत उन्हें यह अवसर मिल पाया है. माधुरी ने कड़ी मेहनत और समर्पण से अपने पहले दो साल पूरे किए हैं. लेकिन तीसरे साल की फीस राज्य सरकार के स्कॉलरशिप योजना में नीतिगत नियमों के चलते कल्याण विभाग द्वारा स्कॉलरशिप नहीं मिल पा रही है.

समय पर हो फीस का प्रबंध : पत्र में लिखा है कि माधुरी खलखो आज अपनी पीएचडी पूरी करने के लिए संघर्ष कर रही है, अगर समय पर फीस का प्रबंध नहीं हुआ, तो उसके इन दो वर्षों के मेहनत का कोई मूल्य नहीं रह जाएगा. माधुरी ने तीसरे वर्ष के लिए आदिवासी कल्याण विभाग, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से छात्रवृत्ति विस्तार के लिए काफी प्रयास किया. लेकिन बार-बार विभागीय संकल्प में उल्लेखित नियमों का हवाला देकर सहायता राशि प्रदान करने में असमर्थता जाहिर की गई. यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी प्रतिभावान और संघर्षशील छात्रा, जो विदेश में विधि से पीएचडी करने वाली भारत की पहली आदिवासी महिला है, उसे वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. दस्तावेजों के साथ-साथ फीस जमा करने की अंतिम तिथि 4 अक्टूबर है.

नियमों को शिथिल कर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं : आग्रह है कि इस मामले में स्वयं रूचि लेते हुए हुए छात्रा को पीएचडी कोर्स के तीसरे वर्ष की पढ़ाई के लिए विभागीय नियमों को शिथिल करते वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं.

कोर्ट ने डीके सिंह को दी दो साल की सजा, दो लाख का जुर्माना भी

संवाददाता। रांची

रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में मेकॉन के अधिकारी डीके सिंह को दोषी करार देते हुए दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है.इसके साथ ही अदालत ने दोषी डीके सिंह के ऊपर 2 लाख रुपए का जुरमाना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुरमाना की राशि नहीं देने पर दोषी को छह महीने की छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. इस मामले में सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रियांशु सिंह ने बहस की. वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनिल सिंह कंठ ने बहस की. डीके सिंह के खिलाफ सीबीआई ने वर्ष 2008 में अपने पद का दुरूपयोग कर आय से अधिक सम्पति अर्जित करने का केस दर्ज किया था

भवनाथपुर राजपरिवार के दो सदस्य टिकट हासिल करने की दौड़ में !

भानु का होगा उदय या अनंत की होगी जीत

- भानु प्रताप शाही के पक्ष में भाजपा के नेता एकजुट

संवाददाता। रांची

भवनाथपुर विधानसभा सीट चुनाव में एक बार फिर से नगर उंटारी राजपरिवार की प्रतिष्ठा दांव पर होगी. भवनाथपुर सीट से छह बार राजपरिवार के सदस्यों को जीत मिल चुकी है. एक बार फिर से चुनाव मैदान में परिवार के सदस्य अनंत प्रताप देव या राजेंद्र प्रसाद देव के चुनाव मैदान में उतरने की संभावना है. वहीं भानु प्रताप शाही फिर से बीजेपी टिकट पर चुनाव मैदान में उतरने की पूरी तैयारी में हैं. नगर उंटारी राजपरिवार के सदस्य और पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव इस बार झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) टिकट पर चुनाव मैदान में उतर सकते हैं. लेकिन यदि इंडिया गठबंधन में समझौते के तहत यह सीट कांग्रेस के खाते में जाती है, तो राजपरिवार के ही दूसरे सदस्य और अनंत प्रताप देव के बड़े भाई राजेंद्र प्रताव देव चुनाव मैदान में उतर सकते हैं.

एक ओर जहां जेएमएम-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग के मुद्दे पर बातचीत चल रही है. वहीं दूसरी ओर विधायक भानु प्रताप शाही के पक्ष में क्षेत्र के सभी स्थानीय बीजेपी नेता-कार्यकर्ता एकजुट नजर आ रहे हैं. पिछले दिनों बीजेपी की ओर से रायशुमारी के लिए प्रदेश मुख्यालय से पार्टी नेता भवनाथपुर पहुंचे, तो 85 प्रतिशत पार्टी पदाधिकारियों ने फिर से भानु प्रताप शाही को उम्मीदवार बनाने की वकालत की.

वर्ष 1951 से 2019 तक भवनाथपुर से निर्वाचित विधायक

वर्ष	उम्मीदवार का नाम	पार्टी
1952	राजेश्वरी सरोज दास	कांग्रेस
1957	यदुनंदन तिवारी	कांग्रेस
1962	भैया शंकर प्रताप देव	स्वतंत्र पार्टी
1967	भैया शंकर प्रताप देव	कांग्रेस
1969	हेमेंद्र प्रताप देहाती	सोशलिस्ट पार्टी
1972	भैया शंकर प्रताप देव	कांग्रेस
1977	रामचंद्र केसरी	जनता पार्टी
1980	भैया शंकर प्रताप देव	कांग्रेस
1985	राजेंद्र प्रताप देव	कांग्रेस
1990	गिरिवर पांडेय	जनता दल
1995	गिरिवर पांडेय	जनता दल
2000	रामचंद्र केशरी	समता पार्टी
2005	भानु प्रताप शाही	फॉरवर्ड ब्लॉक
2009	अनंत प्रताप देव	कांग्रेस
2014	भानु प्रताप शाही	निर्दलीय
2019	भानु प्रताप शाही	भाजपा

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भानु प्रताप शाही ने पहली बार भवनाथपुर में बीजेपी को सफलता दिलाई. इससे पहले भानु प्रताप शाही 2005 में फॉरवर्ड ब्लॉक टिकट पर जीत हासिल की. जबकि 2014 में भानु प्रताप शाही ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की. 2024 के चुनाव में भानु प्रताप शाही चौथी बार जीत हासिल करने के लिए चुनाव मैदान में उतरेंगे.

वर्ष 2000 में रामचंद्र केसरी ने जीत हासिल की, मंत्री बने : वर्ष 2000 के विधानसभा चुनाव में समता पार्टी के रामचंद्र केसरी ने जीत हासिल की. इसके तुरंत बाद अलग झारखंड राज्य गठन होने पर रामचंद्र केसरी को बाबूलाल मरांडी मरांडी सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला. वहीं 2005 में भानु प्रताप शाही फॉरवर्ड ब्लॉक टिकट पर लड़ कर जीते और पहली बार विधायक बने. 2009 में कांग्रेस प्रत्याशी अनंत प्रताव देव उर्फ छोटे राजा विधायक चुने गए. 2014 में कांग्रेस छोड़ कर अनंत प्रताप ने बीजेपी टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन निर्दलीय भानु प्रताप शाही ने 2661 मतों से उन्हें पराजित कर दिया. 2019 में भानु प्रताप शाही भाजपा में होकर चुनाव लड़े और बीजेपी को पहली बार इस सीट पर दिलाई. 1952 से लेकर 2009 तक भाजपा एक बार भी इस सीट पर जीत हासिल नहीं कर सकती थी.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in जमशेदपुर, गुरुवार 26 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 168 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

महिला विश्वविद्यालय में पोषण माह पर सेमिनार

जमशेदपुर । जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में बुधवार को सभी के लिए पोषण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. विषय प्रवेश कराते हुए गृह विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ रमा सुब्रमण्यम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 की कड़ी में पोषण माह के अंतर्गत अत्यंत ही पौष्टिक मिलेट्स के पौष्टिक लाभों को समुदायों तक ले जाने के उद्देश्य से इस सेमिनार का आयोजन किया गया.

फुटबॉल प्रतियोगिता में विधायक ने बढ़ाया हौसला

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड की धोलाबेड़ा पंचायत अंतर्गत एलडीबीआर क्लब जानेगोड़ा के तत्वावधान में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता दुमहा स्टेडियम में आयोजित किया गया. बुधवार को इसका फाइनल मैच खेला गया. मुख्य अतिथि के रूप मे पोटका के विधायक संजीव सरदार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए हौसला बढ़ाया. विधायक ने कहा कि खेल के साथ साथ पढ़ाई भी करें.

तेज बारिश में गिरा घर गीता मुर्मू ने दिया तिरपाल

घाटशिला। तेज बारिश के कारण जगन्नाथपुर गांव के हेंसलडीह टोला में बुधेश्वर मुर्मू का घर बुधवार को गिर गया. सूचना मिलने पर भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने गांव जाकर स्थिति का जायजा लिया. घर गिर जाने के कारण लोगों को रहने का कोई स्थान नहीं था. गीता मुर्मू ने तत्काल पीड़ित परिवार को तिरपाल उपलब्ध कराया ताकि सर छुपाने के लिए जगह मिल सके.

चार दिवसीय प्रवास के बाद ओडिशा लौटे राज्यपाल

जमशेदपुर । ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास बुधवार को जमशेदपुर एयरपोर्ट से भुवनेश्वर के लिए रवाना हो गये. चार दिन पहले वह शहर पहुंचे थे.एयरपोर्ट पर उनको विदा करने वालों में सूर्य मंदिर कमिटी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, भाजपा नेता कुलवंत सिंह बंटी, सिदगोड़ा सूर्य संदीप शर्मा, सुदीप्तो डे राणा, धर्मेंद्र प्रसाद, गौतम प्रसाद, बोलटू सरकार आदि शामिल रहे.

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में निबंध प्रतियोगिता

घाटशिला । संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में बुधवार को निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई. यह प्रतियोगिता आईसीसी कंपनी मऊभंडार के सौजन्य से हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए रखी गई. निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक ओलंपिक का इतिहास एवं ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन था. जिसमें कक्षा आठवीं और नौवीं के लगभग 50 विद्यार्थी प्रतिभागी रहे.

विद्यापतिनगर में बारिश में सड़क बनाने से लोगों में रोष

जमशेदपुर । बारीडीह के विद्यापतिनगर में ठेकेदार द्वारा बारिश में सड़क बनाने से स्थानीय लोगों में रोष है. बस्तीवासियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार ने सड़क बनाने से पूर्व पुरानी सड़क पर पड़ी धूल को साफ भी नहीं किया. ऊपर से मौसम खराब होने से बारिश होने लगी और उसने बारिश में ही सड़क का कालीकरण कर दिया. इससे सड़क तुरंत उखड़ जाएगी.

मंत्री बन्ना गुप्ता से रांची में मिले पुरेंद्र, दी बधाई

आदित्यपुर । झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह राजद के प्रदेश महासचिव पुरेंद्र नारायण सिंह ने आज रांची स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर जमशेदपुर वासियों को 632 बेड के आधुनिकतम एमजीएम अस्पताल और मानगो फ्लाईओवर ब्रिज की सौगात देने के लिए बधाई दी. पुरेंद्र ने मंईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, सर्वजन पेंशन की राशि 1000 मासिक से बढ़ाकर 2000 किए जाने की मांग की.

जहां-जहां भाजपा की हुई परिवर्तन यात्रा, वहां-वहां कल्पना करेंगी सभा, **कोल्हान में बहरागोड़ा से शुरुआत आज**

भाजपा के 'डाल-डाल' के जवाब में झामुमो का 'पात-पात'

सुनील पांडेय । जमशेदपुर

विधानसभा चुनाव सन्निकट आते ही राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. खासकर भाजपा जहां कोल्हान जीतने की कवायद में जुटी है. वहीं झामुमो कोल्हान बचाने में जुट गया है. दोनों दलों की राजनीति का केंद्र इन दिनों कोल्हान ही है. वर्तमान में कोल्हान की 14 विधानसभा सीटों में इंडिया गठबंधन के पास 12 सीटें हैं. मनोहरपुर विधानसभा की सीट जोबा मांझी के सांसद चुने जाने के कारण रिक्त है. कोल्हान में पार्टी के कद्दावर नेता रहे चंपाई सोरेन के पाला बदल लेने के बावजूद झामुमो अपनी सीटें बरकरार रखने की कवायद में जुटा है. इसलिए भाजपा के डाल-डाल (परिवर्तन यात्रा) के जवाब में झामुमो पात-पात (मंईयां सम्मान यात्रा) निकालकर अपनी जमीन मजबूत कर रहा है. भाजपा ने 23 सितंबर से कोल्हान में बहरागोड़ा से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की तथा तीन विधानसभा क्षेत्रों (बहरागोड़ा, पोटका एवं पटमदा) में सभा की. वहीं उसकी काट के लिए झामुमो ने मंईयां सम्मान यात्रा निकालने का निर्णय लिया. इसकी शुरुआत भी कोल्हान (पूर्वी सिंहभूम) के बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र से की जा रही है. मंईयां सम्मान यात्रा की कमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी सह गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने संभाल रखी है. 26 सितंबर को कल्पना सोरेन की पहली सभा बहरागोड़ा में होगी. वहां से सम्मान यात्रा जादूगोड़ा के रास्ते पोटका पहुंचेगी. जहां नुननुनी टांड में उनकी सभा होगी. जबकि 27 सितंबर को पटमदा के बोड़ाम हाटतोला मैदान में उनकी सभा करायी जाएगी. कल्पना सोरेन की सभा को सफल बनाने के लिए तीनों विधानसभा के विधायक क्रमशः समीर मोहंती, संजीव सरदार तथा मंगल कालिंदी जोरशोर से जुट गए हैं. बहरागोड़ा एवं पोटका में सभामंच का निर्माण शुरू हो गया है. पोटका के विधायक संजीव सरदार ने बताया कि कल्पना सोरेन की सभा के लिए महिलाओं में खासा उत्साह है. सभा में काफी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी. उक्त सभा में कोल्हान के विधायक व सांसद के अलावे हेमंत सरकार में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह व बेबी देवी भी शामिल होंगी.

बोड़ाम में सभास्थल का विधायक व अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जुगसलाई विधानसभा के बोड़ाम हाट तोला मैदान में 27 सितंबर को होने वाली मंईयां सम्मान यात्रा सभा के लिए बुधवार को विधायक मंगल कालिंदी एवं स्थानीय अधिकारियों (बीडीओ-सीओ) ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. पूर्व में चयनित जगह में पानी जमा होने के कारण कार्यक्रम स्थल को बदलकर हाट तोला मैदान में किया गया. विधायक मंगल कालिंदी ने बताया कि कल्पना सोरेन कोल्हान के सभी विधानसभा क्षेत्र में मंईयां सम्मान यात्रा करेंगी. उनके साथ राज्य के मंत्री व विधायक भी शामिल रहेंगे.

मंईयां सम्मान यात्रा की सभा स्थल का प्रशासन ने लिया जायजा

संवाददाता । बहरागोड़ा

नेताजी शिशु उद्यान के समीप अवस्थित शाखा मैदान में गुरुवार को आयोजित मंईयां सम्मान यात्रा में मुख्यमंत्री के धर्मपत्नी व गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन, मंत्री बेबी देवी, विधायक समीर महंती समेत कई विधायक और नेता जनसभा में भाग लेंगे. इसे लेकर बुधवार को जनसभा स्थल का जिला के उप विकास आयुक्त मनीष कुमार , अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र, बहरागोड़ा के प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती, बहरागोड़ा के अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो, एई प्रताप महंती, थाना प्रभारी ईश्वर दयाल मुंडा ने सभा स्थल का निरीक्षण किया. पंडाल निर्माण को लेकर कई सारे दिशा निर्देश दिए गए ,इसके अलावा वीणपानी स्टेडियम में हेलीपैड स्थल का भी जायजा लिया गया. मुख्य बाजार स्थित कला संस्कृति भवन से कल्पना सोरेन के रोड शो के लिए भी जांच की गई. कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर प्रशासन के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता भी जुटे हुए हैं.

सरायकेला पहुंची भाजपा की परिवर्तन यात्रा, हेमंत सरकार पर तीखे हमले

झारखंड के आदिवासी-मूलवासी का अस्तित्व संकट में : चंपाई सोरेन

हेमंत सरकार आदिवासी विरोधी, जनता परिवर्तन के मूड में : अर्जुन मुंडा

संवाददाता। आदित्यपुर

कोल्हान प्रमंडल के सरायकेला विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को भाजपा की परिवर्तन यात्रा सरायकेला गेस्ट हाउस मैदान पहुंची. वहां आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि जिस धरती पर 1855 में सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और हमारे हजारों पूर्वजों ने अपनी कुर्बानी दी थी. आज उसी धरती पर झारखंड के आदिवासी-मूलवासी का अस्तित्व संकट में हैं.

उन्होंने कहा कि यह समस्या बांग्लादेशी घुसपैठ से उत्पन्न हुई है. इस दौरान चंपाई सोरेन ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ एक बार फिर संघर्ष किया जाएगा. यदि बांग्लादेशी घुसपैठ को किसी में रोकने का दम है तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में है. चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार जनता को ठगने का काम कर रही है. यहां शहीदों का अपमान हो रहा है. उन्होंने कहा कि आज बारिश के बावजूद सभा में जनता का जनसैलाब इस बात का सबूत है कि जनता भी परिवर्तन चाहती है और अब झारखंड में भाजपा की सरकार बनकर रहेगी.

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार आदिवासी विरोधी है. सत्ता की लालच में संघर्ष करने वाले नेता चंपई सोरेन का अपमान किया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार आदिवासी की बात करती है, लेकिन आदिवासी को ही बर्दाश्त नहीं कर रही है. उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि चंपाई सोरेन ऊपर से टपके थे क्या. क्या वो आदिवासी के बेटे नहीं थे. उनकी कुर्सी खाली करा कर खुद कुर्सी पर बैठ गए. जनजातीय समाज को ही बेइज्जत करने का काम सरकार कर रही है.

अर्जुन मुंडा ने कहा कि राज्य सरकार को आदिवासियों से मतलब नहीं है. इन्हें सिर्फ निजी स्वार्थ और अवैध कमाई से मतलब है तो बाकी का क्या सोचेगी. उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन सिर्फ सत्ता का परिवर्तन नहीं है, बल्कि जनता के अधिकारों का परिवर्तन है. ये जनता के सपनों, उनके बच्चों के भविष्य को कैसे बेहतर बनाएं इस बात का परिवर्तन है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व वादा किया था कि पांच लाख नौकरी देंगे. लेकिन 600 बहाली निकाल कर पांच लाख लोगों को मैदान में दौड़ाया. जिसमें 17 लोग मारे गए. सरकार युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है मां-बाप के सपनों को चकनाचूर कर रही है.

सरायकेला में मंच पर एकजुटता प्रदर्शित करते भाजपा के वरिष्ठ नेता.

बीडीओ-सीओ ऑफिस में बिना पैसे दिए काम नहीं होता : बिद्युत

सभा को संबोधित करते हुए जमशेदपुर के सांसद बिद्युत बरण महतो ने कहा कि आज झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है. बीडीओ और सीओ ऑफिस में बिना पैसे दिए काम नहीं होता है. इसलिए आने वाले समय में झारखंड में भाजपा की सरकार बनानी है. उन्होंने कहा कि आज झारखंड में नक्सलवाद कम होने का श्रेय पूर्व की भाजपा सरकार का जाता है. लेकिन वर्तमान सरकार में राज्य में अराजक स्थिति है. हर तरफ घूसखोरी और भ्रष्टाचार व्याप्त है. जिसे समाप्त करने के लिए परिवर्तन लाना जरूरी है. कार्यक्रम में पूर्व विधायक अरविंद सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, आदित्यपुर के पूर्व नगर निगम मेयर विनोद श्रीवास्तव, भाजपा नेता गणेश महाली, सरायकेला नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, विधायक प्रतिनिधि सरायकेला सनंद आचार्य, लिपू महंती, बड़ाबाबू सिंहदेव, के अलावा भाजपा के कई वरीय नेता मौजूद रहे.

मानव तस्करी में पति-पत्नी व देवर गिरफ्तार

गांव की युवतियों को काम दिलाने के नाम पर दूसरे राज्यों में बेच देते थे

संवाददाता । चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के ढीपा गांव में मानव तस्करी के आरोप में तीन लोगों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार तीनों आरोपियों में पति-पत्नी व एक अन्य शामिल हैं. पुलिस के अनुसार मनोहरपुर के ढीपा गांव निवासी लाल मोहन उर्फ गुड्डू तांती, उसकी पत्नी लक्ष्मी तांती व भाई महेश तांती गांव की युवतियों को काम दिलाने के नाम पर बहला-फुसलाकर दूसरे राज्य में बेच कर मानव तस्करी कर रहे थे.इसी मामले में पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया. बताया जाता है कि मनोहरपुर ढीपा गांव निवासी लालमोहन उर्फ गुड्डू व उसकी पत्नी लक्ष्मी एक सप्ताह पहले गांव की एक महिला को काम दिलाने के नाम पर जबरन गाड़ी में बैठाकर खूंटी ले गये. वहां दो दिनों तक महिला को एक कमरे में रखा.

इस बीच किसी तरह महिला खूंटी से भागकर बस से मनोहरपुर पहुंची और मामले की जानकारी अपने घर वालों को दी. 21 सितंबर को लाल मोहन, उसकी पत्नी लक्ष्मी तांती व लाल मोहन का छोटा भाई महेश नुआखाई पर्व मनाने के लिए गांव आया था. इसकी जानकारी ग्रामीणों को मिलने पर महेश के घर पर धावा बोल दिया और महेश व उसकी भाभी लक्ष्मी को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. साथ ही पूरे मामले की जानकारी दी. इधर पिछले चार दिनों से लाल मोहन फरार चल रहा था. मंगलवार देर शाम पुलिस ने लाल मोहन भी गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद तीनों को जेल भेज दिया गया.

मनोहरपुर थाना में गिरफ्तार तीनों आरोपी

दो साल पहले गांव की एक युवती को बेचा

इधर ढीपा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि दो साल पहले लाल मोहन के भाई महेश गांव की एक नाबालिग लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर व काम दिलाने के नाम पर अपने साथ दूसरे राज्य ले गया था. अब तक उस लड़की का कहीं अता-पता नहीं चल पाया है. ग्रामीणों ने जब महेश से युवती के बारे में पूछताछ की तो कभी कोलकाता तो कभी पटना के ईंट भट्ठा में काम दिलाने की बात बताता रहा. ग्रामीणों का कहना है कि महेश ने लड़की को दूसरे राज्य में ले जाकर बेच दिया है. इधर पुलिस पुराने अन्य कई मामलों की भी जांच पड़ताल कर रही है.

कैलाशनगर व लाल बाबा फाउंड्री एरिया तोड़े जाने का किया विरोध

जमशेदपुर । बर्मामाइंस थानान्तर्गत कैलाशनगर व लाल बाबा फाउंड्री से सटे गोदाम तोड़े जाने की टाटा स्टील की कवायद का लोगों ने जमकर विरोध किया. बुधवार को एकजुट होकर लोगों ने मशाल जुलूस निकाला तथा टाटा स्टील के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. लोगों ने कहा कि किसी भी कीमत पर वे लोग मकान-दुकान नहीं तोड़ने देंगे. दूसरी ओर मामला प्रकाश में आने के बाद बुधवार को विधायक सरयू राय, भाजपा नेता शिवशंकर सिंह समेत कई नेता वहां पहुंचे तथा वस्तूस्थिति की जानकारी ली. सरयू राय ने लोगों को आश्वस्त किया कि वे इस मामले में जिला प्रशासन से वार्ता कर हल निकालने का प्रयास करेंगे. दूसरी ओर भाजाप नेता शिव शंकर सिंह ने कहा कि वर्षों से लोग दुकान-गोदाम बनाकर अपना कारोबार कर रहे हैं. ऐसे उन्हें उजाड़ना न्याय संगत नहीं हैं. उन्होंने हर संभव बस्ती के लोगों के साथ खड़े रहने का भरोसा जताया. दूसरी ओर भारतीय जनतंत्र मोर्चा भी स्थानीय लोगों के समर्थन में खड़ी हो गई है.

उलीडीह में सड़क पर टूटकर गिरा 11000 वोल्ट का तार, हादसा टला

जमशेदपुर । मानगो थानान्तर्गत उलीडीह बिरसा रोड में बुधवार को 11 हजार वोल्ट का तार टूट कर सड़क पर गिर गया. इस दुर्घटना में अपने घर के सामने छोटी साइकिल चला रहा 8 वर्षीय बच्चा अनिकेत कुमार तार की चपेट में आने से बच गया. करंट प्रवाहित तार तेज आवाज के साथ सड़क पर गिरा. इससे बच्चा डर गया तथा साइकिल सहित गिर गया. हालांकि बच्चा साइकिल से दूर गिरा. इसके कारण वह तार की चपेट में नहीं आया, लेकिन उसकी साइकिल तार की चपेट में आ गई. घटना के समय आवाज इतनी तेज थी कि सड़क पर इधर-उधर खड़े लोगों में भगदड़ मच गई. बाद में इसकी जानकारी बिजली विभाग के कर्मचारियों को दी गई, तो बिजली सप्लाई काटी गई. स्थानीय लोगों ने विभाग की लापरवाही बताकर इसकी कड़ी भतर्सना की. स्थानीय लोगों ने बताया कि बिरसा रोड घनी आबादी वाला क्षेत्र है. उक्त मुहल्ले में बिजली का तार अक्सर झूलता रहता है. कई बार इसकी विभाग में शिकायत की गई, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया.

मौसम मानसून की झारखंड से विदाई किसानों के लिए सुखद अहसास लेकर आई

जमशेदपुर का तापमान गिरा, कोल्हान में आज भी बारिश का अलर्ट

वरीय संवाददाता ।जमशेदपुर

दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की झारखंड से विदाई किसानों के लिए सुखद अहसास लेकर आई है. झारखंड में लगातार रूक-रूक कर बारिश हो रही है. मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है.

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 26 सितंबर को कोल्हान सहित राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है. वहीं 26 सितंबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है. इस दौरान हवाओं की गति भी तेज रहेगी. पूर्वानुमान अनुसार 26 सितंबर को झारखंड के गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रांची, खूंटी, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिम सिंहभूम और सरायकेला खरसावां जिले में भारी बारिश का अलर्ट है. 27 सितंबर को राज्य के गुमला, पाकुड़, चतरा, लातेहार, गोड्डा, साहेबगंज और पाकुड़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी है. वहीं इन सभी जिलों को छोड़ शेष जिलों में बादल छाए रहेंगे.

दूसरी ओर बीते चार दिनों में जमशेदपुर के तापमान में 7 डिग्री की गिरावट आई है. 22 सितंबर को तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस था जबकि 25 सितंबर को 29.7 डिग्री रिकार्ड किया गया.

किरीबुरु में बारिश के दौरान शहर की सड़कों पर एक-दो लोग ही जरुरी कामों से आते-जाते नजर आ रहे.

किरीबुरु में वर्षा से जन-जीवन प्रभावित

किरीबुरु | किरीबुरु-मेघाहातुबुरु एवं सारंडा क्षेत्र में निरंतर जारी वर्षा व कोहरा से जन-जीवन प्रभावित हो गया है. वर्षा की वजह से शहर की सड़कों पर एक-दो लोग ही जरुरी कामों से आते-जाते नजर आ रहे हैं, अन्यथा सड़कें वीरान हैं. दुकानों में ग्राहक नजर नहीं आ रहे हैं. स्कूली बच्चों को स्कूल जाने-आने में परेशानी हो रही है. वर्षा की वजह से तापमान में भी भारी गिरावट देखने को मिल रहा है. बुधवार को शहर का न्यूनतम तापमान 21 डिग्री व अधिकतम 23 डिग्री के आसपास रहा.

बैंक ऑफ इंडिया की डुमरिया शाखा में महिलाओं का हंगामा

संवाददाता । डुमरिया

डुमरिया स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में बुधवार को केवाईसी के लिए पहुंची महिलाओं ने हंगामा खड़ा कर दिया. आक्रोशित महिलाओं ने शटर बंद करने का प्रयास किया. महिलाओं का आरोप है कि बैंक की शाखा में प्रतिदिन लंबी लाइन लगाकर केवाईसी फॉर्म जमा कराते हैं. बैंक से केवाईसी अपडेट करने में विलंब किया जा रहा है. बुधवार को काफी संख्या में महिलाएं पहुंची थी. बैंक में लिंक फेल होने के कारण शाखा परिसर में पांव रखने की जगह नहीं थी. जब महिलाएं अंदर नहीं जा पाईं तो आक्रोशित होकर हंगामा करने लगी. इस दौरान बैंक परिसर में लगे गेट को भी क्षति पहुंची. इसके उपरांत डुमरिया थाना के एसआई विजय कुमार और शाखा के अधिकारी मो. इरशाद ने महिलाओं को समझाया. इसके बाद महिलाएं शांत हुई. इस संबंध में शाखा प्रबंधक सिदो हांसदा ने बताया कि मंइया सम्मान योजना में प्राप्त राशि के निकासी के लिए भारी संख्या में महिलाएं पंहुचा रही हैं. वर्षों से निष्क्रिय खाता में केवाईसी आवश्यक है. इस कारण से बैंक की शाखा में अत्यधिक भीड़ हो रही है.

ब्रीफ खबरें

आर्य समाज का त्रैवार्षिक चुनाव रांची में 29 को

जमशेदपुर । झारखंड राज्य प्रतिनिधि सभा का त्रैवार्षिक चुनाव 29 सितंबर को कराया जाएगा. इसके लिए सभी प्रमंडल से सदस्यों की सूची के साथ-साथ प्रतिनिधियों के नामों की सूची रांची मुख्यालय में भेजने का निर्देश दिया गया. प्रत्येक 10 सदस्य पर एक प्रतिनिधि नामित होंगे, जो चुनाव में हिस्सा लेंगे. झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री पूर्णचंद्र आर्य ने सभी प्रमंडल एवं जिलों को भेजे पत्र में चुनाव की जानकारी देते हुए सदस्यों एवं प्रतिनिधियों की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा. जिससे चुनाव प्रक्रिया सुचारू ढंग से शुरू की जा सके.

अरुण फिर बने झारखंड जेडीयू के सह प्रभारी

आदित्यपुर । जेडीयू नेता अरुण कुमार सिंह को झारखंड जेडीयू का सह प्रभारी बनाया गया है. इस पर सरायकेला जेडीयू के जिला अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार बधाई दी है. बता दें अरुण कुमार सिंह झारखंड जनता दल यूनाइटेड के पुनः सह प्रभारी बनाए गए हैं वे पूर्व में भी इस पद पर आसीन थे. जिला अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि उनके सह प्रभारी बनने से झारखंड में संगठन में और मजबूती आएगी. इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बधाई के पात्र हैं. इस बार झारखंड में जेडीयू निश्चित रूप से अपना खाता खोलेगा.

झारखंड को कैसे दिया पहला नंबर : फूलकांत झा

आदित्यपुर । राज्य के राशन दुकानदारों के पास ना राशन कार्ड है, ना आयुष्मान कार्ड है और ना ही कोरोना काल में मारे गए दुकानदारों को मुआवजा मिला है. इसके बावजूद वर्ल्ड फ़ूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) एवं यूनेस्को की टीम ने झारखंड को पहला नम्बर कैसे दे दिया है. उक्त बातें फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रदेश सचिव और कोल्हान प्रभारी फूलकांत झा ने तंज कसते हुए कही. उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री राज्य के राशन दुकानदारों की दूसरी पारी के खेल को लेकर निश्चिंत हो जाइए.

अभाविप ने दिया उपायुक्त कार्यालय पर धरना

आदित्यपुर । हेमंत सरकार की युवा विरोधी नीति के खिलाफ बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पूर्वी सिंहभूम जिला इकाई ने उपायुक्त कार्यालय पर धरना देकर विरोध जताया. महानगर मंत्री अभिषेक कुमार ने कहा कि 2019 में युवाओं को रोजगार देने का वादा करने पर राज्य की जनता ने हेमंत सोरेन को अवसर प्रदान किया. सरकार को चुनते समय 19 वर्ष का युवा झारखंड आज 24 वर्ष पूरे करने के कगार पर खड़ा है. लेकिन अपना व्यस्क राज्य झारखंड आज भी गरीबी और कमजोर प्रशासन की मार झेल रहा है.

AFFIDAVIT

I. **Lalit Kumar Bhakat**, Son of Rabindra Nath Bhakat, Residence of Dorkasai, P.O.-Dorkasai, P.S.-Jadugora, District East Singhbhum, Jharkhand,832102, Do hereby solemnly affirm and declare as under.
1. That I am Indian Citizen by birth and residing at my above noted residence with my family members.
2. That Deepesh Bhakat is my own son and he is studying in Shiksha Niketan Telco, vide Admission no-392/17 in Class IXB.
3. That Deepika Bhakat is my own Daughter and she is studying in Shiksha Niketan Telco, vide Admission no-393/17 in class IX. B.
4. That my name as per school record in Lalit Bhakat was wrongly mentioned by me during his (Deepesh Bhakat) and her (Deepika Bhakat) admission in class II/2017.
5. That my actual and correct name is Lalit Kumar Bhakat.
6. At present all relevant document hear the name Lalit Kumar Bhakat which is actual and correct name.
7. I state that Lalit Bhakat and Lalit Kumar Bhakat is the name of same and one person and that is myself.
8. I am getting a public notice published to this effect in the newspaper.
9. I am executing this declaration to be submitted to the concerned. authorities for the change of my name Lalit Bhakat to Lalit Kumar Bhakat.
10. That I swear this affidavit towards the confirmation with above facts is true to the best of my knowledge.

Affidavit No. 127/24 dt.12.07.2024 — **Identified by Sr. Advocate, Jamshedpur**

प्रतिदिन शाम ढलते ही अंधेरे का फायदा उठाकर 40-50 ट्रैक्टर से शुरू हो जाता है परिवहन

एनजीटी की रोक के बाद भी हुरलुंग घाट से बालू का अवैध खनन

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

एनजीटी की रोक के बाद भी सुबर्णरेखा नदी से बालू का अवैध खनन हो रहा है. बिरसानगर के हुरलुंग घाट से शाम ढलते ही बालू माफिया अंधरे का फायदा उठाकर प्रतिदिन 40 से 50 ट्रैक्टर बालू की निकासी कर रहे हैं. विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि बिरसानगर के डांगरकुली गांव होते हुए ट्रैक्टरों का प्रवेश नदी घाट पर होता है. जबकि 15 अक्टूबर तक एनजीटी ने नदियों से बालू खनन पर रोक लगा रखी है. वहीं उपायुक्त ने भी बालू के खनन को लेकर टास्क फोर्स का गठन किया है. साथ ही सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है. फिर भी खनन माफिया बैखौफ होकर अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं. बताया गया है कि जानकारी होने के बाद भी खनन विभाग व स्थानीय पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है. ज्ञात हो कि 11 सितंबर को बिरसानगर के हुरलुंग घाट पर तत्कालीन एसडीओ पारूल सिंह के नेतृत्व में छापामारी करके 10 ट्रैक्टर व 407 जब्त किया गया था. जिसके बाद कुछ दिनों तक कार्य बंद था. इसी बीच उनके तबादले की खबर मिलते ही बालू माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं.

11 सितंबर को खनन करते पकड़े गए वाहन (फाइल फोटो).

पहले रास्ता बनाते हैं बालू चोर

बालू माफिया नदी में पहले ट्रैक्टर जाने का रास्ता बनाते हैं, इसके बाद जिस घाट पर अधिक बालू है वहां जेसीबी मशीन लगा कर ट्रैक्टर से बालू को नदी से निकाल कर एक किनारे डंप किया जाता है.

गांव के दबंग को 500 रुपये प्रति ट्रैक्टर मिलता है हिस्सा

नदी से बालू की निकासी करने के बाद जिस गांव से ट्रैक्टर गुजरता है. उस गांव के दबंग को मैनेज करना पड़ता है. मैनेज नहीं होने पर गांव वाले ट्रैक्टर पकड़वा देते हैं. जिससे बालू माफिया को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ता है. इसलिए अब गांव के दबंग को कुछ पैसे देकर आराम से परिवहन करते हैं. बताया जाता है कि दबंग व्यक्ति को प्रति ट्रैक्टर 500 रुपया देना पड़ता है. जिसके कारण बालू की आवाजाही बेरोक टोक जारी रहती है.

"बालू के अवैध खनन की सूचना मिलने पर छापेमारी की जाती है. कुछ दिन पहले ही हुरलूंग घाट से अवैध खनन करते वाहनों को पकड़ा गया था. अगर दोबारा खनन हो रहा है तो इसकी जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी.

-सतीश चंद्र नायक
जिला खनन पदाधिकारी

खुले में 2800 से 3500 रुपये ट्रैक्टर मिल रहा बालू

नदी से बालू निकासी कर बालू माफिया नदी किनारे हुरलुंग में ही एक बड़े स्टाप पर डंप कर उसकी बिक्री कर रहे हैं. खुले बाजार में प्रति ट्रैक्टर बालू की कीमत 2800 से 3500 रुपये हैं. बड़े-बड़े बिल्डर डम्पर एवं हाइवा से नो-इंट्री खुलने के बाद बालू ले जाते हैं. जबकि घर निर्माण करा रहे लोग ट्रैक्टर से बालू मंगवाते हैं. ट्रैक्टर मेन रोड की बजाय दूसरे रास्तों से आराम से गंतव्य तक चला जाता है. जबकि हाइवा व डम्पर को नो इंट्री खुलने का इंतजार करना पड़ता है.

हुरलूंग में नदी किनारे जमा किया गया बालू

न्यूज अपडेट

दिल्ली में सम्मानित हुईं शिक्षिका डॉ. अर्चना सिंह

आदित्यपुर । एम-16, आदित्यपुर-01 निवासी डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल की हिंदी शिक्षिका डॉ अर्चना सिंह को हिंदी भाषा में उनके विशिष्ट योगदान एवं प्रभावी शिक्षण के लिए हिंदी दिवस पर सम्मानित किया गया. उक्त कार्यक्रम मधुवन पब्लिकेशन द्वारा हिंदी दिवस पर अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री में राष्ट्रीय स्तर पर आहूत किया गया था. जिसमें झारखंड से पांच शिक्षकों को चयनित किया गया था. कार्यक्रम में बीएचयू, वाराणसी के प्रो वशिष्ठ द्विवेदी मुख्य अतिथि और लेखिका एवं बाल साहित्यकार डॉ.मधु पंत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे.

जिप सदस्य ने दिव्यांग को दिलवाया व्हील चेयर

घाटशिला । जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने दिव्यांग माणिक मुर्मू को एक व्हील चेयर बुधवार को उपलब्ध कराया. घाटशिला प्रखंड अंतर्गत बांकी पंचायत के चिरुगोड़ा गांव निवासी माणिक मुर्मू दस वर्ष पहले एक हादसे में पूरी तरह असहाय और लाचार हो गये थे. तब से चलने फिरने में असमर्थ हैं. परिजनों ने जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू से व्हील चेयर उपलब्ध कराने की गुहार लगायी थी. श्रीमती मुर्मू ने स्व. रुपेश कुमार जैन की पुण्य स्मृति में सेठ सुरेश चंद्र रुपेश कुमार जैन सेवा संस्थान के सौजन्य से व्हील चेयर उपलब्ध कराया. मौके पर श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सरकार की संवेदनहीनता के कारण जरूरतमंद सरकारी लाभ से वंचित है. लचर व्यवस्था के कारण जनता का भरोसा उठ गया है. इस अवसर पर मुखिया फागु सोरेन, उप मुखिया बिशू टुडू, जितराय बास्के, तपन मुर्मू, सुदाम मुर्मू समेत अनेक लोग उपस्थित थे.

घाटशिला में याद किए गए पंडित दीनदयाल

घाटशिला। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय घाटशिला में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई. मौके पर जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव एवं भाजपा जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी महिला पदाधिकारी एवं मंडल के सभी पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी. जिला अध्यक्ष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक और संगठनकर्ता एवं भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष रहे. उनके बताए हुए आदर्श पर चलकर उनके सपने को पूरा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी. मौके पर लखन मार्डी, दिनेश साव, विश्वनाथ वेरा, देवियानी मुर्मू, गीता मुर्मू, हीरा मुनि मुर्मू, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, हेमंत नरायण देव, रवि शंकर सिंह, अनूप दास, काल्टू मन्ना सहित अन्य उपस्थित थे.

भाजपा ने मनाई दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बाजार अवस्थित भाजपा पार्टी कार्यालय में बुधवार को भाजपा के सदस्यों ने भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई. इस अवसर पर भाजपा के लोगों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के मंडल अध्यक्ष राजकुमार कर, जिला उपाध्यक्ष बाप्तु साव, वरिष्ठ नेता सुमन कल्याण मंडल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला. इस मौके पर दीपांकर साव, उत्पल पैरा, कबिन्द्रनाथ कुंडू, मिंटू नायक, मिहिर दलाई, हेमकांत भुइयां, तरुण बेरा, कौशिक माईती, स्वरूप सीट, अनल कामिला आदि उपस्थित थे.

भाजमो ने जनसंघ के संस्थापक की जयंती मनायी

जमशेदपुर । भारतीय जनतंत्र मोर्चा गोलमुरी मंडल के तत्वावधान में टिनप्लेट सब्जी मार्केट के सामने बुधवार को जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती के अवसर पर चना एवं शर्बत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने किया.इस अवसर पर श्री राय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल जी के मार्ग का अनुसरण करते हुए चना, शरबत का सेवा कार्यक्रम करके जनता के बीच अच्छा संदेश देने का काम किया है. यह सेवा अनवरत चलती रहनी चाहिए. इस दौरान एक बाल कलाकार ने विधायक सरयू राय की पेंसिल से उकेरी हुई जीवंत चित्र भेंट की. उक्त कलाकृति की सभी लोगों ने सराहना की.

शोकाकुल परिवार से मिले पूर्व विधायक कुणाल

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड की पाथरी ग्राम पंचायत निवासी प्रतिमा दास का हाल ही में आकस्मिक निधन हो गया था. उनके घर में अब कोई कमाने वाला नहीं बचा है. जिससे परिवार के सदस्य गहरे आर्थिक संकट में थे. इस दुःखद समय में पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने मृतक के परिवार से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की. उन्होंने प्रतिमा दास की पुत्रवधू सरला दास को न केवल सांत्वना दी बल्कि आर्थिक सहायता भी प्रदान किया. इसके साथ ही कुणाल षाड़ंगी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी हरसंभव मदद की जाएगी, जिससे परिवार को इस कठिन समय में कुछ राहत मिल सके. इस मौके पर अंबु घोष, शशांक बेड़ा, प्रवीर गिरी, माणिक दास, लक्ष्मी माईती सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे.

भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल का स्वागत

जमशेदपुर । आसनसोल की विधायक अग्निमित्रा पॉल का बुधवार को जमशेदपुर पहुंचने पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. जिसमें भाजयुमो जिला अध्यक्ष नितीश कुशवाहा, चिंटू सिंह, वीर सिंह, अमर सिंह, सागर राय समेत अन्य भाजयुमो नेता मौजूद थे. श्रीमती पॉल जमशेदपुर के पटमदा क्षेत्र में जुगसलाई विधानसभा के परिवर्तन यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंची थीं. कार्यक्रम के दौरान अग्निमित्रा पॉल ने भाजपा की विचारधारा और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की. उन्होंने क्षेत्र में भाजपा के समर्थन को और मज़बूत करने की अपील करते हुए कहा कि जुगसलाई विधानसभा में बदलाव का वक्त आ चुका है. पॉल ने सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों पर जोर दिया, और कहा कि भाजपा ही राज्य में समग्र विकास ला सकती है.

मेचुआ-बागुलासाई के ग्रामीणों ने जादूगोड़ा माइंस गेट किया जाम

यूसिल के ठेकाकर्मी की टीएमएच में मौत, हंगामा

पत्नी को स्थायी नौकरी देने की शर्त पर आंदोलन वापस

संवाददाता । जादूगोड़ा

यूसिल में कार्यरत ठेका मजदूर श्याम सोरेन (30 वर्ष) की टीएमएच में इलाज के दौरान मंगलवार की रात मौत हो गई. इधर मौत की खबर सुनते ही मेचुआ-बागुलासाई के ग्रामीणों का गुस्सा बुधवार की सुबह फूट पड़ा. ग्राम प्रधान श्याम सोरेन की अगुवाई में ग्रामीणों ने जादूगोड़ा माइंस का गेट जाम कर दिया. ग्रामीणों का आंदोलन कंपनी प्रबंधन द्वारा मृतक श्याम सोरेन की पत्नी रावदे सोरेन को यूसिल में स्थाई नौकरी का लिखित आश्वासन मिलने के बाद शाम में माइंस गेट जाम समाप्त हो गया. बी शिफ्ट ड्यूटी से कंपनी कर्मी काम पर लौट गए.

ग्रामीण कुशल सोरेन ने कहा कि रावदे सोरेन को अनुकंपा के आधार पर यूसिल कंपनी में स्थायी नियोजन का लिखित भरोसा दिया गया है. आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने व यूसिल बोर्ड के अनुमोदन के एक महीने के भीतर नियुक्ति करने की बात प्रबंधन ने स्वीकार की है. श्याम सोरेन का ईपीएफ व ईएसआईसी से मिलने वाली मुआवजा राशि का लाभ दिलाने में कंपनी मदद करेगी. उनके आश्रित दो बच्चों को परमाणु ऊर्जा शिक्षा विद्यालय जादूगोड़ा में शिक्षा की सुविधा मिलेगी.

यहां बताते चलें कि 19 सितंबर को यूसील के बिजली विभाग में कार्यरत ठेका कर्मी श्याम सोरेन (30 वर्ष) 440 वोल्ट में यूसील बैरेज में काम कर रहा था. इसी क्रम में तार में बिजली प्रवाहित हो गई. इस हादसे में वह पूरी तरह झुलस गया. बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच जमशेदपुर में भर्ती कराया गया. वहां इलाज के दौरान मंगलवार की रात मौत हो गई.

यूसिल की जादूगोड़ा यूरेनियम माइंस जाने वाली मुख्य सड़क को जाम कर आंदोलन करते में परिजन व मेंचुआ व बगुलासाई गांव के ग्रामीण.

पीएम आवास योजना के लिए आज अटल पार्क में ऋण मेला

मेले में लोग आवास के लिए भी कर सकेंगे आवेदन

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में निर्माणाधीन काशीडीह पीएम किफायती आवासीय योजना के लिए गुरुवार की दोपहर 11:30 बजे मुख्य मार्ग पर अवस्थित अटल पार्क में ऋण मेला का आयोजन किया जाएगा. यह जानकारी नगर प्रबंधक देवाशीष प्रधान ने दी है.

उन्होंने बताया कि इस ऋण मेले में कुल 8 बैंक स्टॉल लगाएंगे. मेले में आवंटियों के साथ नगर निगम क्षेत्र के वैसे नए लोगों को भी आमंत्रित किया गया है जिनका अपना कोई पक्का मकान नहीं है. उन्हें पीएम आवास के लिए आवेदन करने का मौका दिया जा रहा है.

बता दें कि काशीडीह में कुल 748 पीएम आवास तैयार हो रहे हैं. इसके लिए लाभुकों का चयन कर लिया गया था, उन्हें आवास भी आवंटित कर दिए गए थे, लेकिन इनमें से 75 फीसदी लाभुक अब तक बार-बार नोटिस देने के बावजूद पहली किस्त भी जमा नहीं कर पाए हैं.

इसकी वजह वे बैंकों द्वारा ऋण नहीं देना बता रहे हैं. इसलिए नगर निगम प्रबंधन ने बैंकों से तालमेल कर ऐसे लाभुकों को ऋण आवंटित करने की योजना बनाते हुए ऋण मेला का आयोजन किया है. साथ ही नए बेघर लोगों को भी आवेदन करने का मौका देने का निर्णय लिया है.

सभी लाभुक एवं आगन्तुक को अपने आवास से संबंधित दस्तावेज जैसे 02 पासपोर्ट साइज फोटो, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आवास आवंटन पत्र, एकरारनामा, आय प्रमाण पत्र आदि की 2 सेट छायाप्रति के साथ उक्त मेला में बुलाया गया है.

इंटर कॉलेज में मनाया गया 19वां स्थापना दिवस

घाटशिला | चंद्रमोहन महतो इंटर कॉलेज में बुधवार को 19वां स्थापना दिवस मनाया गया. इस अवसर पर कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की चेयरपर्सन कल्याणी महतो के द्वारा कॉलेज के पूर्व सचिव एवं संस्थापक दिवंगत डॉ. यामिनी कांत महतो के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया गया. छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए.

सड़क पर बने गड्ढों में पानी भरने से हादसे की आशंका

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत जयपूरा विद्यालय से बंशीधरपुर गांव को जोड़ने वाली सड़क की हालत बेहद ही नाजुक है. यहां स्थिति इतनी बदतर है कि इन दिनों भारी बरसात के कारण सड़क पर तालाब बन गया है. सड़क में कदम-कदम पर गड्ढे बन गए हैं. ऐसे में किसी भी वाहन को इस सड़क पर चलाना काफी मुश्किल भरा काम है. बरसात होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाने से हादसे की आशंका बनी रहती है. उल्लेखनीय है कि इस सड़क से तुबलि, हुदली, बंशीधरपुर, जुगडीहा समेत अन्य गांव के निवासी आवाजाही करते हैं. वहीं ग्रामीण जल्द से जल्द बनाए जाने की मांग की है. ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के लिए प्रखंड स्तर से लेकर मंत्री तक गुहार लगाई है. लेकिन अब तक सड़क के नाम पर उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है. हालांकि ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही इस सड़क का कायाकल्प हो जाएगा.

उद्घाटन मैच में दूधिया ने बुड़ीडाहि को हराया

बहरागोड़ा । खांडामौदा पंचायत अंतर्गत जामबनी गांव के फुटबॉल मैदान में बुधवार को 30वें वर्ष लाल एस केबी स्पोर्टिंग क्लब द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों की 24 टीमें भाग ले रही हैं. पश्चिम बंगाल के दूधिया फुटबॉल टीम बनाम बुड़ीडाहि एफ सी के बीच उद्घाटन मैच खेला गया. जिसमें पश्चिम बंगाल की दूधिया फुटबॉल टीम ने 2 गोल से बुड़ीडाहि एफ सी को पराजित किया. फाइनल मैच गुरुवार को खेला जाएगा. मुख्य अतिथि के तौर पर खांडामौदा पंचायत के मुखिया पंचानन मुंडा तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर खांडामौदा प्लस टू स्कूल के प्रधान अध्यापक कमल परिहारी व पूर्व सैनिक गौरांग बेरा उपस्थित रहे. उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल पर किक मार कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया.

लगातार हो रही बारिश से मिट्टी का घर हुआ ध्वस्त

बहरागोड़ा । विगत कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया गांव में नंद लाल कुंडू का मिट्टी का घर ध्वस्त हो गया. मिली जानकारी के अनुसार 24 सितंबर की रात्रि में झमाझम बारिश के कारण मिट्टी का घर गिर गया और परिवार बेघर हो गया. पीड़ित ने बताया कि रात्रि में अचानक धीरे-धीरे मकान ढहने लगा. यह देख सभी सदस्यों ने घर से बाहर आकर अपनी जान बचाई..यह मिट्टी का घर उनके दादा द्वारा लगभग 60-70 वर्ष पूर्व बनवाया गया था. उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना या अबुआ आवास का लाभ अभी तक उन्हें नहीं मिला है. अब तो बारिश में मकान ढह जाने से उसका परिवार कहां रहेंगे, यह बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है.

18 माह के आयुष रविदास के दिल का सफल ऑपरेशन

जमशेदपुर । बिरसानगर जोन नंबर 4 निवासी राजू रविदास के 18 माह के बेटे आयुष का ब्रह्मानंद अस्पताल में दिल का निःशुल्क ऑपरेशन हुआ. बच्चे को जन्म से दिल की बीमारी थी. एक साल पहले डॉ अभिषेक से इलाज के दौरान इसकी जानकारी मिली. बच्चे के पिता सिक्युरिटी गार्ड में नौकरी करते हैं. पैसे के अभाव में वे ऑपरेशन नहीं करवा पा रहे थे. इसकी जानकारी सैल्यूट तिरंगा के झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष रवि शंकर तिवारी को मिली. इसके बाद तिवारी ने ब्रह्मानंद हॉस्पिटल तामोलिया के मैनेजमेंट से बातें कर 10 सितम्बर को हॉस्पिटल में भर्ती कराया. 12 सितंबर को हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ परवेज ने आयुष रविदास के दिल का सफल ऑपरेशन किया. कुछ दिनों तक बच्चे को चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया. उसके बाद उसे छुट्टी दे दी गई.

अपराध आरोपी नदीम के खाते से 10 दिन में चार करोड़ से ज्यादा का हुआ लेन-देन

शेयर मार्केट में निवेश कराकर मुसाबनी निवासी से 55 लाख की ठगी

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

शेयर बाजार में निवेश कराकर मोटी कमाई का झांसा देकर साइबर ठगों ने मुसाबनी निवासी से अलग-अलग 10 बैंक खातों में 55 लाख रुपये डलवाकर ठगी कर ली. इस मामले का खुलासा तब हुआ जब मुसाबनी निवासी ने कपाली के डोबो में चलने वाले एनए टूर एंड ट्रेवल्स के बैंक खाते डाले गए पैसे की छानबीन की. छानबीन में चौंकाने वाली जानकारी पुलिस को मिली. टूर एंड ट्रेवल्स नामक फर्जी कंपनी चलाने वाले नदीम अंसारी नामक युवक के खाते में 10 दिन में 4 करोड़ से ज्यादा का लेन-देन सामने आया. पुलिस ने नदीम अंसारी को गिरफ्तार कर लिया.

सिटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बुधवार को बताया कि मुसाबनी माइंस के रहने वाले तनवीरुल एरेफिन की ओर से साइबर ठगी की एक शिकायत 28 अगस्त को दर्ज करायी गई थी. जिसमें उन्होंने बताया कि शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 55 लाख रुपये अलग -अलग 10 एकाउंट में डलवाकर उससे ठगी कर ली गई. इसमें एक एकाउंट यूको बैंक के करेंट एकाउंट है, जो एनए टूर व ट्रैवल के नाम से है. उक्त अकाउंट में भी तनवीरुल एरेफिन से करीब 10 लाख रुपये डलवाए गए. अनुसंधान के दौरान ज्ञात हुआ कि उक्त बैंक खाता का मालिक नदीम अंसारी है.

प्रेस वार्ता में जानकारी देते सिटी एसपी ऋषभ गर्ग.

10 प्रतिशत कमिशन पर काम करता था नदीम गिरोह में कई लोगों के शामिल होने की संभावना

एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर नदीम अंसारी को उसके घर से उसके मोबाइल फोन के साथ थाना लाया गया. नदीम अंसारी द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर साइबर अपराध ठगी करने के लिए एनए टूर व ट्रैवल के नाम से फर्जी कंपनी बनाने और उससे संबंधित यूको बैंक में करेंट एकाउंट खोलने की बात को स्वीकार किया गया. नदीम अंसारी द्वारा बताया गया कि इनके साथियों द्वारा ठगी की गयी रकम का 10 फीसदी इन्हें कमीशन के रूप में दिया जाता था. नदीम अंसारी के आई फोन 13 मिनी मोबाइल फोन में मौजूद जी-मेल आइडी के इन बॉक्स की जांच करने पर भारी भरकम रकम आने तथा निकासी की जानकारी मिली. सिटी एसपी ने बताया कि इस गिरोह में कई अन्य लोगों के शामिल होने की संभावना है. पुलिस जल्द ही गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का उद्भेदन करेगी.

नौकरी दिलाने के नाम पर पैसों की ठगी कर रहे दलाल

किरीबुरु । सारंडा के बेरोजगारों को सेल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु, गुवा, चिड़िया खदान के अलावे टाटा स्टील की खदान में नौकरी अथवा रोजगार दिलाने के नाम पर कुछ लोगों द्वारा ठगी करने का सिलसिला जारी है. ऐसे ठगों के शिकार सारंडा क्षेत्र के कुछ युवकों ने लगातार न्यूज को बताया कि हमें किरीबुरु अथवा मेघाहातुबुरु में बतौर ठेका मजदूर रोजगार दिलाने के नाम पर दो शातिर ठगों ने 30-30 हजार रुपये लिये थे, लेकिन आज तक खदान में रोजगार नहीं दिलाया. पैसा मांगने पर वे टाल मटोल करते रहे. ऐसे लोगों से जब सख्ती करते हुये मामले को सार्वजनिक करने की बात कही गई तो उसने तत्काल दो अलग-अलग चेक 60 हजार का दिया तथा बाकी पैसा बाद में देने की बात कही गई है. ऐसे सारंडा के कई लोगों से ठगी किये जाने की बात सामने आ रही है. संभावना है कि ठगी के शिकार हुये कई बेरोजगार आने वाले समय में सामने आकर ऐसे लोगों के खिलाफ मोर्चा खोल पैसा की मांग करेंगे.

ब्रीफ खबरें

श्री शनिदेव भक्त मंडली ने इलाज के लिए दिए 51 हजार

चांडिल । श्री शनिदेव भक्त मंडली (ट्रस्ट) चांडिल के एक जरूरतमंद को इलाज के लिए 51 हजार रुपये का सहयोग किया. चांडिल निवासी मंडली पुत्र सुरेंद्र रोहीदास साल 2017 से पैर में झनझनाहट और दर्द से परेशान थे. दर्द निवारक दवा मेडिकल स्टोर से लेकर सेवन कर ड्यूटी कर रहे थे. दर्द के कारण उनका चलना-फिरना बंद हो गया. सुरेंद्र को स्पाइनल कोड का ऑपरेशन करवाना है. इस अवसर पर मंडली संरक्षक के साथ मंटू सिंह मोदक, गौरांग, अमित आदि उपस्थित थे.

गुवा थाना में 28 सितंबर को शांति समिति की होगी बैठक

किरीबुरू । दुर्गापूजा के मद्देनजर गुवा थाना में शांति समिति की बैठक आगामी 28 सितंबर की शाम 4 बजे से रखी गई है. इस संबंध में गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि गुवा में सात स्थानों पर दुर्गा पूजा की जाती है. दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण मनाने के लिए शांति समिति की बैठक का आयोजन किया जायेगा. इस शांति समिति की बैठक किरीबुरू के एसडीपीओ अजय केरकेट्टा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अनुज बांदो की देखरेख में होगी.

टाटा स्टील पांच पंचायत बंधु को रोजगार से जोडेगी

किरीबुरू । टाटा स्टील की विजय-टू खदान प्रबंधन ने खदान से प्रभावित किरीबुरु पूर्वी, छोटानागरा, गुवा पूर्वी एवं पश्चिम तथा दिरीबुरु पंचायतों से एक-एक पंचायत बंधु का चयन कर उन्हें आईटीआई जगन्नाथपुर में दो माह का इलेक्ट्रिकल ट्रेड का प्रशिक्षण अपने खर्च से दिलायेगी. प्रशिक्षण के बाद पांचों पंचायत बंधु को इलेक्ट्रिकल से संबंधित टूलकिट प्रदान करेगी, ताकि ये पंचायत बंधु लोगों की विद्युत समस्याओं को दूर कर स्वरोजगार से जुड़ें.

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने चलाया जागरूकता अभियान

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने चाईबासा शहर स्थित बाबा मंदिर के पास ठेला पर खाद्य सामग्री बेचने वालों के बीच खाद्य सुरक्षा के अनुपालन के लिए जागरूकता अभियान चलाया. अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा सभी खाद्य पदार्थ बेचने वाले ठेला दुकानदारों से फूड लाइसेंस दिखाने को कहा.

कपाली में 2019 से बन रहा पानी टंकी अब तक अधूरा

चांडिल । कपाली नगर परिषद क्षेत्र के निवासियों को पेयजल आपूर्ति के लिए पेयजल विभाग 21 करोड़ की लागत से पानी टंकी का निर्माण जारी है. वर्ष 2019 में शुरू हुआ पानी टंकी का निर्माण अब तक जारी है. झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष शेख फरीद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डीसी को ज्ञापन सौंपा.

यूनियन जबरन हड़ताल करने का बनाती है दबाव : मजदूर

चाईबासा । रूंगटा प्लांट में काम करने वाले मजदूर, लेबर कांट्रेक्टर व जमीनदाता इन दिनों झारखंड जनरल कामगार यूनियन की गतिविधियों से नाराज हैं. उनका कहना है यूनियन के लोग जबरन मजदूरों पर हड़ताल करने का दबाव बनाते हैं. रास्ते पर खड़े होकर मजदूरों को प्लांट में जाने से रोकते हैं, प्लांट में उनकी या उनके यूनियन की कोई भूमिका नहीं है.

चिटिर में झारखंड मुक्ति मोर्चा की हुई बैठक में यात्रा को सफल बनाने की बनाई गई रणनीति

मंईयां सम्मान योजना महिला सशक्तीकरण का प्रतीक : जोबा माझी

- गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, मंत्री बेबी देवी, राज्यसभा सांसद महुआ माजी आएंगी

विशेष सहयोगी । गोइलकेरा

बैठक के दौरान संबोधित करती सांसद जोबा माझी.

बैठक में उपस्थित झामुमो कार्यकर्ता.

29 सितंबर को मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित मंईयां सम्मान यात्रा को सफल बनाने के लिए बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की गोइलकेरा प्रखंड के सारूगाड़ा एवं केबरा पंचायत की संयुक्त बैठक चिटिर चौक में हुई. बैठक की अध्यक्षता उप प्रमुख वरदान भुइयां ने की. बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में सिंहभूम की सांसद जोबा माझी उपस्थित थीं. बैठक में मंईयां सम्मान यात्रा को सफल बनाने की रणनीति तैयार की गई. कार्यक्रम में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं और मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया.

बैठक में सांसद जोबा माझी ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि सूबे की महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री बेबी देवी, गांडेय से विधायक कल्पना सोरेन, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सविता महतो मंईयां सम्मान यात्रा में आ रही हैं. सांसद ने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना झारखंड की महिलाओं के लिए सशक्तीकरण का प्रतीक हैं.

यात्रा कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाकर महिलाओं को और मजबूती प्रदान करना है. आने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया महागठबंधन की सरकार बनाकर राज्य और महिलाओं को सशक्त बनाना है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सर्वजन पेंशन योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, 200 यूनिट बिजली मुफ्त योजना समेत विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी.

वहीं गुदड़ी, गोइलकेरा समेत पूरे मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र में किये गये विकास कार्यों का श्रेय हेमंत सोरेन की सरकार को दिया. बैठक में झामुमो के युवा नेता जगत माझी, मुखिया गणेश बोदरा, सिकन्दर जोंको, प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अकबर खान, प्रखंड अध्यक्ष मनसुख गोप, प्रखंड सचिव सुरेश बोयपाई, मजेंद्र गंझू, प्रिंस खान, नमन लोमगा, जोहन डडका, कांडे सिल्ली, निरल डडका, बिरसा कंडायबुरु, मोरा माझी, जेना बरजो समेत कई झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

मध्य विद्यालय की दूसरी कक्षा का छात्र लापता

किरीबुरु । छोटानागरा स्थित राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाला जोजोगुटु गांव निवासी छात्र गणेश सोरेन (13 वर्ष) पिता शंकर सोरेन 14 सितम्बर से लापता है. इसकी खोज चारों तरफ व रिश्तेदारों के यहां करने के बावजूद उसका कहीं पता नहीं चला इससे परिजन परेशान हैं. शंकर सोरेन ने बताया कि गणेश आवासीय विद्यालय में पढ़ता है. 11 सितम्बर को उसका जन्मदिन था, इसलिये वह घर आया था. पुनः 13 सितम्बर को वह स्कूल चला गया और 14 सितम्बर से लापता है. मंगला कुर्ली के अनुसार बच्चों ने गणेश को 14 सितम्बर को पैदल कुम्बिया गांव की तरफ जाते देखा था.

सरकार के आश्वासन से नाराज शिक्षकों ने अविलंब पदोन्नति देने की मांग की

पदोन्नति नहीं मिलने से नाराज शिक्षक केयू में धरना पर बैठे

- टीचर एसोसिएशन कोल्हान यूनिवर्सिटी ने कुलपति को सौंपा मांगपत्र

संवाददाता । चाईबासा

टीचर एसोसिएशन कोल्हान यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में कोल्हान विश्वविद्यालय परिसर में धरना पर बैठे शिक्षक.

कोल्हान विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार को विश्वविद्यालय के शिक्षक अपनी पदोन्नति की मांग को लेकर टीचर एसोसिएशन कोल्हान यूनिवर्सिटी (टाकू) के बैनर तले धरना पर बैठे. कोल्हान विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत कॉलेज के शिक्षक धरने में शामिल हुए. शिक्षकों ने मांग पत्र कुलपति के माध्यम से सरकार को दिया. इस दौरान विश्वविद्यालय को एक मांग पत्र देते हुए लंबे समय से लंबित पदोन्नति अविलंब देने की बात कही गई. साथ ही बताया गया कि सरकार की ओर से सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन अभी तक पदोन्नति नहीं दी गयी. इसके कारण शिक्षक परेशान हैं. शिक्षकों की मांगों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन भी नजरअंदाज कर रहा है. सरकार लगातार आश्वासन के अलावा किसी तरह की अधिसूचना जारी नहीं कर रही है. इससे शिक्षकों की उम्र खत्म होती जा रही है. धरने पर बैठे शिक्षकों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि सरकार हमारी मांगों को पूरी करे अन्यथा लगातार सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा. शिक्षकों की पदोन्नति नहीं होने की वजह से कई शिक्षकों का इंक्रीमेंट नहीं हो रहा है. लंबित इंक्रीमेंट की राशि भी अभी तक शिक्षकों को नहीं मिली है. इसको लेकर भी कई बार शिक्षक पत्राचार कर चुके हैं, लेकिन उसका समाधान विश्वविद्यालय की ओर से नहीं किया गया है. शिक्षकों को फिलहाल मात्र अपना वेतन ही मिलता है. इसके अलावा कुछ नहीं मिल पाता है. कई शिक्षक रिटायर हो चुके हैं, लेकिन उन्हें पदोन्नति नहीं मिली. सरकार की लापरवाही का खामियाजा शिक्षक भुगत रहे हैं. लगातार मांग करने के बाद भी इसे नजरअंदाज करना दुर्भाग्यपूर्ण है. कुलपति हरि प्रसाद केसरी ने सभी शिक्षकों को आश्वासन दिया कि मांगें जायज हैं. इसे सरकार के पास भेजी जाएगी. किसी तरह की परेशानी को दूर करने के लिए सरकार सक्षम है. उसे हर हाल में दूर किया जाएगा. शिक्षकों के धरने पर बैठने की वजह से कई कॉलेजों में बुधवार को पढ़ाई बाधित हुई.

सदर अस्पताल प्रबंधन समिति की हुई बैठक

चाईबासा । सदर अस्पताल के सभा कक्ष में अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक बुधवार को जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन के अध्यक्षता में हुई. बैठक में पूर्व के बैठक की कार्रवाई पर चर्चा की गई. वहीं बैठक में मंत्री दीपक बिरुवा के प्रतिनिधि राजाराम गुप्ता ने रेफर मरीजों की जान बचाने के लिए आवश्यक 2 वेंटिलेटर टेक्नीशियन युक्त एएनएस एम्बुलेंस उपलब्ध कराने, सदर अस्पताल में मरीज की सुविधा के लिए बुजुर्ग वार्ड में रात्रि के समय चिकित्सकों को राउंड लिए जाने का मामला उठाया.

रेंगाड़बेड़ा गांव में क्लब के सदस्यों ने की सफाई

चक्रधरपुर । स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत रेंगाड़बेड़ा गांव में बुधवार को साफ-सफाई की गई. इस दौरान स्वामी विवेकानंद युवा क्लब न्यू स्टार क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने गांव के विभिन्न स्थानों पर फैले कचरों की साफ-सफाई की. साथ ही लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया. जहां लोगों को घर के आसपास साफ-सफाई बरतने, जल जमाव रोकने की जानकारियां दीं. मौके पर नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक दामु बोदरा एवं युवा क्लब से जुड़े अन्य सदस्य मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार, जेल

चांडिल । तिरुलडीह थाना की पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार व्यक्ति पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी थाना क्षेत्र के हुडुमदा का रहने वाला 42 वर्षीय हासिम मोमिन उर्फ नेडा है. सरायकेला-खरसावां जिला के एसपी के आदेशानुसार तिरुलडीह-चौड़ा सड़क पर नूतनडीह में माहित अंसारी की कपड़ा दुकान के सामने पुलिस एंटी क्राइम चेकिंग की जा रही थी. इसी दौरान चौड़ा की ओर से तिरुलडीह की ओर से एक बिना नंबर प्लेट के सफेद रंग की स्पलेंडर मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति आ रहा था. पुलिस को मोटरसाइकिल चेकिंग करता देखकर वह मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगा, जिसे पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया. थाना प्रभारी ने आलम चांद महतो ने बताया कि सफेद रंग के मोटरसाइकिल में नंबर प्लेट नहीं था. वह कोई कागज भी नहीं दिखा पाया. उसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया.

लेम्ब्रे निवासी रान्दाय चाम्पिया का घर ढहा

किरीबुरु । गंगदा पंचायत अन्तर्गत लेम्ब्रे गांव निवासी गरीब वृद्धा रान्दाय चाम्पिया पति स्व. माटा चाम्पिया की मिट्टी-खपड़ा का घर वर्षा में ढह गया. अब रान्दाय चाम्पिया जैसे-तैसे गिरे घर के एक कोने में जान जोखिम में डाल रहने को मजबूर है. रान्दाय का बेटा व बहू गांव में ही अलग घर बनाकर रहते हैं. अभी सारंडा क्षेत्र में निरंतर हल्की वर्षा हो रही है. ऐसे में उक्त वृद्धा के सामने रहने की चुनौती और बढ़ गई है. ग्रामीणों ने कहा कि वृद्धा काफी गरीब है. उसके पास आय का कोई स्रोत नहीं है. सरकार व प्रशासन इस वृद्धा को घर बनवाने में यथाशीघ्र मदद करे.

एसएमपी सिर्फ खदान ही नहीं, सभी के लिये जरुरी : महाप्रबंधक

किरीबुरु । सुरक्षा प्रबंधन प्लान (एसएमपी) को लेकर पांचवीं रिव्यू कार्यशाला का शुभारम्भ सेल, किरीबुरु खदान प्रबंधन के तत्वावधान में हुआ. कार्यशाला एचआरडीसी सेंटर में महाप्रबंधक राम सिंह के नेतृत्व एवं सुरक्षा अधिकारी पी बी साहू के मार्गदर्शन में प्रारम्भ किया गया. यह कार्यशाला 27 सितम्बर तक चलेगी. इस कार्यशाला में सेल, किरीबुरु के सभी विभागों के अधिकारी शामिल हो रहे हैं. महाप्रबंधक राम सिंह ने कहा कि एसएमपी सिर्फ खदान ही नहीं, बल्कि हर एक के जीवन के लिये एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसके बिना हम असुरक्षित हैं. हमें सुरक्षा के नियमों का पूरी तरह से पालन करते हुये ही एक-एक कदम आगे बढ़ाना होता है. अन्यथा कभी भी हम दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं.

जिउतिया व्रत महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया

किरीबुरु । लौहांचल व सारंडा के विभिन्न शहरों में जीवित्पुत्रिका जिउतिया व्रत महिलाओं ने उपवास रख हर्षोउल्लास के साथ मनाया. गुवा के न्यू कॉलोनी में पूजा करा रहे पंडित लक्ष्मण उपाध्याय ने बताया कि सनातन धर्म में जीवित्पुत्रिका पर्व का विशेष महत्व है. इस व्रत को करने से संतान की आयु लंबी होती है. साथ ही पुत्र को आरोग्य जीवन प्राप्त होता है. इस व्रत में महिलाएं 24 घंटे तक अनवरत निर्जला उपवास रखती हैं. इस दौरान महिलाओं ने स्नान कर नये अथवा साफ वस्त्र धारण कर भगवान जीमूतवाहन की पूजा की. इसके लिए कुशा से बनी जीमूतवाहन की प्रतिमा को धूप-दीप, चावल, पुष्प आदि अर्पित की. महिलाएं संतान प्राप्ति, संतान की खुशहाली और परिवार में सुख-समृद्धि के लिये व्रत रखीं.

जनता से जुड़ कर उनकी समस्या को करें दूर : मंत्री

झींकपानी प्रखंड में कार्यकर्ताओं के संबोधित करते मंत्री दीपक बिरुवा.

संवाददाता । चाईबासा

चाईबासा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सदर व झींकपानी प्रखंड के झामुमो नेता व कार्यकर्ता चुनावी मोड पर नजर आए. सदर व झींकपानी प्रखंड में पंचायत स्तरीय बैठक प्रारंभ हो गई है. बुधवार को सदर के लुपुंगुटु, नरसंडा एवं टोंटो पंचायत एवं झींकपानी प्रखंड के चोया में पंचायत स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया. इसमें मंत्री दीपक बिरुवा ने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया. उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं की जानकारी ली. वहीं मंत्री ने जनता की समस्याओं को उनसे जुड़ कर दूर करने का मंत्र दिया. मंत्री ने सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना समेत अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया. सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलाने का आह्वान किया. इस अभियान में महिलाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया. सदर में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी, सुमी पूर्ति, राजू सुंडी, झींकपानी में झींकपानी झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सोंगा बुड़ीउली, प्रखंड प्रमुख प्रदीप तामसोय, सुशील बुड़ीउली, विनोद गोप, मेघनाथ गोप, सुंदर, अखिलेश आदि उपस्थित थे.

पूजा पंडालों पर रहेगी प्रशासन की नजर, समस्याएं होंगी दूर

- दुर्गोत्सव को लेकर अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

संवाददाता । चांडिल

बैठक में समस्या रखते समिति के सदस्य.

शारदीय नवरात्र के अवसर पर मनाए जाने वाले दुर्गोत्सव को लेकर बुधवार को चांडिल अनुमंडल मुख्यालय में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई. बैठक में अनियमित बिजली आपूर्ति, लचर चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण व सुरक्षा का मुद्दा छाया रहा. दुर्गोत्सव के दौरान समस्याओं के कारण श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानी और उसके समाधान को लेकर शांति समिति के सदस्यों और एसडीओ के बीच चर्चा हुई. मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार राय ने दुर्गोत्सव को देखते हुए समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया. उन्होंने शांति समिति के सुझाव के आधार पर समस्याओं को सूचीबद्ध करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया. चांडिल बाजार में यातायात की समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक पुलिस तैनात रहेगी. सड़कों की मरम्मत के साथ नालियों की भी सफाई करायी जाएगी.

सरकार के गाइडलाइन की दी जानकारी

बैठक में एसडीओ ने दुर्गोत्सव को लेकर सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा आयोजन समितियों को गाइडलाइन के अनुसार ही पूजा का आयोजन करना होगा. पूजा के दौरान पुलिस-प्रशासन की पैनी नजर सभी पूजा पंडालों पर रहेगी. सीसीटीवी और ड्रोन कैमरा से निरंतर निगरानी की जाएगी. समिति पूजा स्थल, पंडाल व भीड़भाड़ वाले स्थान पर श्रद्धालुओं के आने-जाने की उचित व्यवस्था करे. धार्मिक भावना को आहत करने वाला गाना पर प्रतिबंध रहेगा. बैठक में सरायकेला-खरसावां जिला परिषद की उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, एसडीपीओ सुनील कुमार रजवार, जिला परिषद सदस्य ज्योतिलाल बेसरा, जिला परिषद सदस्य पिंकी लायक, सहायक विद्युत अभियंता लालजी महतो, दुर्गापूजा समितियों के अध्यक्ष व सचिव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

गड़बड़ी पीसीसी सड़क निर्माण में तय मानकों की जमकर उड़ाई जा रही हैं धज्जियां

भ्रष्टाचार की बुनियाद पर बन रही बेलपोसी-गोरियाडूबा सड़क

- आठ इंच की जगह 5 इंच की जा रही है ढलाई

संवाददाता । किरीबुरु

निर्माणाधीन सड़क का हाल दिखाते भाजपा नेता.

भारी भ्रष्टाचार की बुनियाद पर डीएमएफटी फंड से बेलपोसी मेन चौक से गोरियाडूबा मेन रोड तक पीसीसी सड़क बन रही है. सड़क निर्माण में तय मानकों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. घटिया मसाला से पीसीसी ढलाई हो रही है. सीमेंट व बालू बचाने के लिए मिलाई जा गिट्टी का डस्ट मिलाया जा रहा है. आठ इंच की जगह 4.5 इंच ढलाई की जा रही है. उल्लेखनीय है कि जैंतगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत बेलपोसी से गोरियाडूबा सड़क ग्रामीणों के लिये काफी महत्वपूर्ण व बहुप्रतीक्षित सड़क है. यह सड़क एनएच 20 को जैंतगढ़-जगन्नाथपुर मुख्य सड़क से जोड़ती है. इस सड़क का शिलान्यास पूर्व सांसद गीता कोड़ा एवं विधायक सोनाराम सिंकु ने बीते 4 मार्च को किया था. सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीण काफी खुश थे. पर इस सड़क निर्माण में घोर अनियमितता को देख ग्रामीण काफी नाराज हैं. सड़क की घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीण समय-समय पर आवाज उठाई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ. ग्रामीणों की शिकायत पर भाजपा जगन्नाथपुर प्रखंड अध्यक्ष राई भूमिज अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्थल निरीक्षण को पहुंचे. भूमिज ने कहा कि ये सड़क भ्रष्टाचार की नीव पर बन रही है. इसमें मानकों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. डीएमएफटी से बनने वाली सड़क में ठेकेदार द्वारा प्राक्कलन राशि, कार्य प्रारूप स्टीमेट की जानकारी आदि किसी प्रकार का सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है. जनता को अंधेरे में रख कर काम किया जा रहा है. ब्लैक कॉटन को बिना हटाए उस पर ढलाई की जा रही है. सड़क की मोटाई आठ इंच की जगह कहीं चार तो कही पांच इंच है. साइड फीलिंग और क्यूरिंग का काम भी नहीं किया जा रहा है. एक ओर से सड़क बन रही है तो दूसरी ओर से उखड़ रही है. ढलाई का मसाला भी काफी घटिया है. सीमेंट व बालू बचाने के लिए डस्ट मिलाया जा रहा है. सड़क की ढंग से लेबलिंग भी नहीं की जा रही है. पुराने अलकतरा सड़क के टूटे फूटे अंश से गड्ढे भरकर ढलाई की जा रही है. काम में लगे मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी दर का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है. राई भूमिज ने कहा कि जल्द ही राज्यपाल, नेता प्रतिपक्ष तथा मुख्य सचिव से मिलकर काम की गुणवत्ता की उच्च स्तरीय जांच कर ठेकेदार के विरूद्ध करवाई की मांग करेंगे. इस संबंध में ठेकेदार ने कहा कि काम स्टीमेट के आधार पर हो रहा है. स्थानीय लोग ही मुंशी का काम कर रहे हैं. इस दौरान भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री संजय बारिक, प्रखंड महामंत्री अश्विनी चातर, सिबिल पिंगुवा, महावीर आदि उपस्थित थे.

माताओं ने पुत्र की दीर्घायु के लिए की जिउतिया पूजा

संवाददाता । चांडिल

पूजा की तैयारी करतीं माताएं.

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जितिया, जिउतिया या जीवित्पुत्रिका पूजा की धूम मची है. क्षेत्र के लगभग हर गांव में जितिया पूजा की जाती है. बुधवार को आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के अवसर पर व्रतियों ने जितिया पूजा की. कई व्रतियों ने मंगलवार की शाम को ही पूजा-अर्चना की. व्रत का पारण बुधवार शाम 4.39 बजे के बाद किया गया. जीवित्पुत्रिका व्रत प्रकृति से जुड़ा लोक परंपरा का उत्सव है. पूजा को लेकर अनुमंडल क्षेत्र के चारों ओर उत्साह का माहौल है. संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए माताओं ने निर्जला व्रत रखा. आश्विन माह में कृष्ण-पक्ष के सातवें से नौवें चंद्र दिवस तक मनाया जाता है. पूजा-अर्चना के बाद महिलाएं जीवित्पुत्रिका व्रत की कथा सुनी. जिउतिया व्रत में महिलाओं ने भगवान जीमूतवाहन के साथ चील और सियारिन की भी पूजा की. मिट्टी के सियारिन व चील बनाकर पूजा-अर्चना के दौरान उन्हें चूड़ा-दही का प्रसाद चढ़ाया गया. साथ ही खीरा व अंकुरित चना का प्रसाद चढ़ाया गया. इसी प्रसाद से व्रत पारण करेंगी. मान्यता है कि कुश का जीमूतवाहन बनाकर पानी में उसे डाल बांस के पत्ते, चंदन, फूल आदि से पूजा करने पर वंश वृद्धि होती है.

सेक्शन 19 लगने की प्रक्रिया पूरी, सरकार के खाते में रैयतों के लिए जमा हुए 478 करोड़ रुपये

गोंदुलपारा खनन परियोजना में रैयतों को मिलेंगे 25 लाख प्रति एकड़

संवाददाता। बड़कागांव (हजारीबाग)

गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत सेक्शन 19 लगाए जाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है, जो खनन शुरू होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस कदम से झारखंड में एक और खदान खुलने का रास्ता साफ हो गया है. इसके तहत मुआवजे की राशि प्रति एकड़ 24,56,986 रुपये होगी. इसके अलावा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे.

इस परियोजना से जिले और राज्य को लगभग 500 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का राजस्व मिलने से प्रशासन अनेक लाभप्रद और कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू कर सकेगा. परियोजना से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए चंदौल गांव में 161.99 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होना है. इसके लिए हजारीबाग समाहरणालय में रैयतों को मुआवजे के रूप में दी जाने वाली 478 करोड़ रुपये की राशि जमा कर दी गई है.

झारखंड में 199 कोयला खदानें सालाना 15.6 करोड़ टन कोयला उत्पादित करते हुए देश की प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं. देश में बढ़ रही निरंतर और किफायती बिजली की जरूरत के लिए कोयला खनन परियोजना का शुरू होना आवश्यक है. इसके साथ ही खनन आधारित अर्थतन्त्र वाले राज्य में एक और खनन परियोजना शुरू होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी. गोंदुलपारा परियोजना की प्रक्रिया के तहत बड़कागांव के बलोदर में 91.35 एकड़, गोंदुलपारा 285.715 एकड़, गाली में 175.45 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है. इसके चलते स्थानीय लोगों को अनेक लाभ मिलेंगे.

जीवन-यापन समेत अन्य कार्यों के लिए भी मिलेंगे रुपये

- विस्थापित कुटुंबों (रैयत) को एक वर्ष की अवधि तक जीवन यापन के लिए अनुदान के रूप में हर महीने तीन हजार रुपए मिलेंगे.
- विस्थापन के दौरान पुनर्वास भत्ते के रूप में 50 हजार रुपये, परिवहन खर्च के तहत 50 हजार रुपए और पशुबाड़ा के लिए भी अलग से 35 हजार रुपये (यानि 1,45,000 रुपये) प्रति परिवार दिया जाएगा.
- कारीगरों, छोटे व्यापारियों, छोटी दुकान या स्वनियोजित व्यक्ति के प्रत्येक प्रभावित परिवार को पच्चीस हजार रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता मिलेगी.
- प्रभावित परिवारों को आवंटित जमीन या मकान के निबंधन के लिए स्टांप शुल्क और अन्य शुल्क खननकर्ता की ओर से दिए जाएंगे और आवंटित मकान के लिए भूमि पर कर नहीं लगेगा. यह उल्लेखनीय है कि जमीन या मकान पत्नी और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा.

जमीन के बदले क्या मिलेगा?

- रैयतों को प्रति एकड़ भूमि के मुआवजा के रूप में 24,56,986 रूपये (गुणाक घटक-2, सांत्वना राशि 100 प्रतिशत एवं तीन वर्ष की ब्याज की राशि सहित) दिए जाएंगे.
- भूमि पर स्थित परिसम्पतियों का भी मुआवजा मिलगा. इसके लिए राज्य सरकार का संबंधित विभाग उन सम्पतियों का मूल्यांकन करेगा, जिसके बाद उस राशि का दुगुना मुआवजा के रूप में दिया जाएगा.
- विस्थापित परिवारों को तीन विकल्पों का लाभ मिलेगा, जिसके तहत वो कोई एक चुन सकते हैं.
- विकल्प एक के तहत 10 लाख रुपये प्रति परिवार मिलेंगे, जिससे वे खुद कहीं और निवास करने जा सकते हैं. नियमानुसार, प्रति परिवार में पति, पत्नी और उनके अवयस्क बच्चे शामिल होंगे. इसके अलावा परिवार में अगर 18 साल से ऊपर विवाहित या अविवाहित व्यक्ति हैं, तो उन्हें एक परिवार के रूप में माना जाएगा.
- दूसरे विकल्प के तहत पुनर्वास कॉलोनी में बना बनाया नया मकान दिया जाएगा और तीसरे विकल्प के तहत पुनर्वास कॉलोनी में जमीन का एक प्लॉट दिया जाएगा और पुनर्वास कॉलोनी में मकान के बदले सात लाख रुपये दिए जाएंगे.
- मिलेंगे रोजगार के अनेक अवसर
- विस्थापित होने वाले परिवारों को रोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसके तहत प्रभावित परिवार अपनी प्राथमिकता के अनुसार रोजगार, मुआवजा और प्रति महीने भुगतान में से एक को चुन सकते हैं. प्रभावित परिवारों और प्रशासन के साथ परामर्श कर नियमानुसार तय किए हुए मुआवजे की रूपरेखा प्रभावित परिवार के एक सदस्य को समुचित प्रशिक्षण और कौशल विकास करने के बाद उनकी योग्यता एवं कम्पनी की आवश्यकता अनुसार नौकरी का प्रावधान है. इसके बदले प्रभावित परिवार एक मुश्त पांच लाख रुपये ले सकते हैं या फिर 20 वर्षों तक दो हजार रुपये प्रतिमाह भुगतान का चयन कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव हुआ संपन्न

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोसपुर तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय घंघरी के प्रांगण में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया. प्रधानाध्यापक मोहम्मद आफताब आलम और पर्यवेक्षक विभीषण यादव तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय घंघरी में प्रधानाध्यापक विशाल रजक तथा पर्यवेक्षक सतीश चंद्र सिंह की अध्यक्षता में 19 सदस्यीय समिति का चुनाव संपन्न हुआ. सदस्यों ने सर्वसम्मति से सुदेश्वर यादव को अध्यक्ष, सपना देवी को उपाध्यक्ष तथा संयोजिका पूनम देवी को संयोजिका के साथ ही 12 सदस्यों को मनोनीत किया गया.

जोरी प्रखंड में राजद की बैठक संपन्न हुई

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखण्ड अंतर्गत प्रस्तावित प्रखंड जोरी में राष्ट्रीय जनता दल की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता प्रस्तावित प्रखंड अध्यक्ष सरयू भोगता ने की. बैठक राजद युवा मोर्चा के विस्तार को लेकर आयोजित की गई. बैठक में बतौर पर्यवेक्षक प्रतापपुर प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष सूर्यदेव यादव एवं मो. मेराज अंसारी उपस्थित रहे. बैठक में सर्वसम्मति से पप्पू कु. यादव ग्राम पचमहला को राजद जीव मोर्चा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया. बैठक में सरयू भोगता, सूर्यदेव यादव, मेराज अंसारी, निर्मल यादव, ललित यादव, मिथलेश आदि मौजूद थे.

परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन

चतरा। जिला स्तरीय परामर्शदात्रीय समिति की बैठक की शुरुआत अग्रणी जिला प्रबंधक चतरा ने पिछली तिमाही के बैठक के कार्यवाही के संपुष्टि से की. तत्पश्चात उप-विकास आयुक्त के आदेश के बाद जिले के सभी बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की शुरुआत की गई. उप-विकास आयुक्त ने समीक्षा के क्रम में कहा कि वो सभी बैंक जिनका की प्रदर्शन शून्य है. उन्हें कारण बताओ नोटिस निर्गत करने को कहा साथ-ही-साथ उन्होंने निर्देश दिया कि उन सभी बैंकों के कंट्रोलिंग हेड्स को एक पत्र लिख कर उनके निराशाजनक प्रदर्शन का कारण बताने को कहा.

भाजपाइयों ने मनाई दीनदयाल की जयंती

चौपारण। प्रखंड के विभिन्न बूथों पर जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल की 108वीं जयंती चौपारण विभिन्न स्थानों पर मनाई गई. मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चन्द्रवंशी ने कहा कि पंडित दीनदयाल छोटी सी उम्र में बहुत ही संघर्ष भारा जीवन जीते थे. कार्यक्रम में मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, विधान सभा विस्तारक भरत दीक्षित, पंचायत समिति सदस्य सहदेव यादव, उप मुखिया सह पंचायत संयोजक संजय गुप्ता, पंचायत समिति सदस्य कैलाश भुइया, पूर्व महामंत्री शंकर नाथ शाही सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे.

गश्ती दल ने कोयला लदी बाइक पकड़ी

चरही। चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत चरही घटो - मार्ग के फुसरी चौक में सीसीएल सुरक्षा गश्ती दल ने बीती रात दो बजे कोयला लदी एक मोटरसाइकिल को पकड़ा. हालांकि गश्ती दल को देख चालक गाड़ी को छोड़कर फरार हो गया. कोयले का वजन लगभग 120 किलोग्राम है. सीसीएल सुरक्षा प्रभारी डॉ विमल कुमार ने चरही थाने में आवेदन देकर बाइक एवं चालक पर प्रथम की दर्ज करने का आवेदन दिया है.

विस चुनाव : प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया शुरू होते ही वसूली का खेल शुरू

मोटी रकम लेकर प्रखंड व जिले से भेजे दावेदारों के नाम

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और नेताओं में सरगर्मी तेज होती जा रही है. प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. सदर विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां से एक पार्टी से लगभग 34 नेताओं ने अपनी उम्मीदवारी पेश की है. दूसरी पार्टी से भी एक दर्जन से अधिक उम्मीदवार अपना दावा ठोक रहे हैं. छोटी-बड़ी अन्य पार्टियां भी जनता का समर्थन पाने के लिए गली-गली घूमने का काम कर रहे हैं. दूसरी ओर पार्टियों के जिला एवं प्रखंड प्रभारी से लेकर कार्यकर्ता भी उम्मीदवारों से वसूली के फेर में घूम रहे हैं. इस दौरान वे विपक्षियों से भी सौदेबाजी करने से बाज नहीं आ रहे हैं. ऐसे में संभावित उम्मीदवार समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर पार्टी मजबूत कैसे होगी. सदर विधानसभा सीट से कैसे निकलेगी, क्योंकि कार्यकर्ता अब पार्टी के लिए बल्कि पैसे के लिए काम करना चाहते हैं. अगर इन्हें कोई भी उम्मीदवार मोटी रकम दे दे तो वह अपनी ही पार्टी को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे.

दरअसल, हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक पार्टी से कई-कई नेता टिकट पर दावा ठोक

रहे हैं. ऐसे में आलाकमान को भी यह समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर सर्वे करवा कर उम्मीदवार का चयन की जाए या फिर पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच से किसी को प्रत्याशी बनाया जाए. इसके लिए आलाकमान ने प्रदेश कार्यालय को यह जिम्मेदारी दे दी था, जिसके बाद प्रदेश कार्यालय ने अपने विश्वसनीय जिला प्रभारी, प्रखंड प्रभारी और प्रखंड अध्यक्ष को गुप्त तरीके से पांच-पांच उम्मीदवार के नाम प्रखंड और जिले से बंद लिफाफे में भेजने का निर्देश दिया था. इसके बाद प्रखंड से जिला प्रभारी तक रकम वसूली का खेल शुरू हो गया. ये संभावित उम्मीदवारों से 5000 से लेकर एक लाख रुपये में सौदा करने लगे. कुछ नेताओं ने प्रखंड अध्यक्ष को 5000 तो कुछ नेताओं ने 25000 रुपये देकर अपना नाम भिजवाया. कुछ ऐसे भी उम्मीदवार थे जिन्हें जिला प्रभारी को एक लाख रुपये देकर अपना नाम भेजवाना पड़ा. जो दावेदार पैसे देने में सक्षम नहीं थे उनके नाम जिला एवं प्रखंड के प्रभारी ने नहीं भेजे. इसको लेकर पार्टी के कार्यकर्ता नाराज दिख रहे हैं. उम्मीदवारों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पैसा देकर नाम भिजवाना कहां तक जायज है. जो कार्यकर्ता क्षेत्र में जनता के लिए खड़ा होता है, जनता के लिए काम करता है और पार्टी का झंडा वर्षों से ढो रहा है उसे फिर पैसा देने की क्या जरूरत है. ऐसे में प्रदेश के पदाधिकारी को यह समझने की जरूरत है वह खुद क्षेत्र में जाकर सर्वे करके उम्मीदवार का चयन करें.

क्या कहते हैं लोग..

इस संबंध में सदर विधानसभा के सुनील कुमार, मंजू कुमारी, सुषमा कुमारी, रणधीर राम ने बताया कि पार्टी के बड़े पदाधिकारियों का यह दायित्व बनता था कि वह खुद से जनता के समक्ष जाकर सर्वे करें और जानकारी लें कि कौन जनता के साथ खड़ा रहता है. पैसा देने वाले उम्मीदवार तो बहुत मिलेंगे, लेकिन सचमुच जनता के हित में सोचने वाला कम होता है.

वहीं कई दावेदारों ने यह भी बताया कि 2014 के चुनाव में भी कुछ ऐसा ही खेल पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खोला था. खुद जिला प्रभारी अपनी पार्टी को हराने के लिए एक निर्दलीय उम्मीदवार के हाथों पांच लाख रुपये में बिक गए थे. उस वक्त भी विपक्ष की जीत भारी मतों से हुई थी. फिर 2019 में भी वहीं कहानी दोहराने की कोशिश की गई थी. ऐसे में आप समझ सकते हैं कि पार्टी की हार जनता नहीं, बल्कि पार्टी के कार्यकर्ता तय करते हैं और जो दावेदार प्रखंड और जिला प्रभारी को पैसा देता है उसी को वे मदद करते हैं और अपनी पार्टी को हरा देते हैं.

चौपारण के नए थाना प्रभारी बने अनुपम प्रकाश

हज़ारीबाग। चौपारण के नए थाना प्रभारी के तौर पर अनुपम प्रकाश ने पदभार संभाला. उन्हें निर्वतमान थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने प्रभार सौंपा. चौपारण के नए थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश से प्रखंड वासियों को बड़ी उम्मीद जुड़ चुकी है. बता दें कि प्रखंड में बीते 18 फरवरी को चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के आने के बाद जिस तरह से अवैध तस्करों और अवैध कारोबार पर लगाम लगाने को लेकर ताबड़तोड़ कारवाई की जा रही थी उसे बरकरार रखना नए थाना प्रभारी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा. उनकी लगातार कार्रवाई के बाद प्रखंड में काफी हद तक अवैध तस्करी पर अल्प विराम लग चुका था. कई शराब तस्करों ने या तो काम बंद कर दिया था या फिर रूट ही बदल लिया था.

पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

रामगढ़। कुंदरूकलां स्थित महथा बगीचा मैदान में बुधवार को युवा आजसू द्वारा पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. उद्घाटन मुकाबला दोहकातु इलेवन बनाम कुंदरूखुर्द इलेवन के बीच खेला गया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दोहकातु की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट खोकर 91 रन बनाए. जवाबी पारी खेलते हुए कुंदरूखुर्द की टीम 10 ओवर में छह विकेट खोकर 90 रन ही बना सकी. बेहतर खेल के लिए विजेता टीम के विक्रम कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला. प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पार्षद धनेश्वर महतो व विशिष्ट अतिथि कुंदरूकलां मुखिया किशुनराम मुंडा ने किया.

न्यूज अपडेट

दो फरार आरोपियों के घरों पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में दो फरार आरोपियों के घर में पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है. थाना क्षेत्र स्थित नूतन नगर जबरा रोड में अरविंद कुमार पिता योगेंद्र प्रसाद को सरस्वती जल के आवास में न्यायालय शिकायत वाद संख्या 1330/2017 के तहत फरार आरोपी घोषित किया गया है. न्यायालय द्वारा फरार आरोपी का प्रति उसके घर चिपकाया गया. अगर फरार आरोपी 30 दिनों के अंदर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो न्यायालय द्वारा कुर्की जब्ती का आदेश निकाला जाएगा. दूसरे आरोपी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी चंद्रजीत सिंह पिता पारसनाथ सिंह के घर न्यायालय के शिकायत वाद संख्या 152/2018 के तहत फरार आरोपी घोषित किया गया था. न्यायालय द्वारा निर्गत फरार आरोपी का प्रति उसके घर पर चिपकाया गया. अगर 30 दिनों के अंदर यह आरोपी भी आत्म समर्पण नहीं करेगा तो न्यायालय द्वारा कुर्की जब्ती का आदेश दिया जाएगा.

पारास्वीमिंग चैंपियनशिप के लिए इरशाद का चयन

रामगढ़। चितरपुर मायल निवासी मो इरशाद अंसारी का चयन 24वीं नेशनल पैरास्विमिंग चैंपियनशिप 2024 के लिए किया गया है. इस बाबत पैरालंपिक कमिटी ऑफ इंडिया के जेनरल सेक्रेटरी जीएच जयवंत द्वारा पत्र निर्गत किया गया है. वे आगामी 19 से 22 अक्टूबर को पणजी गोवा में आयोजित पैरास्विमिंग प्रतियोगिता में अपना जलवा बिखेरेंगे. इसके लिए वे 18 अक्टूबर को गोवा के लिए रवाना होंगे. अपने चयन पर मो इरशाद ने कहा कि प्रतियोगिता में बेहतर खेल का प्रदर्शन कर पदक जीतने का काम करूंगा. इनके चयन पर कई लोगों ने उन्हें बधाई दी है. बधाई देने वालों में मायल मुखिया मो फिरोज अंसारी, अब्दुल हकीम, तनवीर आलम, संदीप कुमार, लालदेव प्रसाद, रंजीत कुमार, शाहिद सिद्दीकी, अलाउद्दीन अंसारी, समसुल हक, मो इम्तियाज, मो इस्लाम आदि शामिल है.

डाक विभाग की योजनाओं का उठाएं लाभ : इंस्पेक्टर

रामगढ़। भारतीय डाक विभाग की ओर से चितरपुर प्रखंड के सेवई उत्तरी पंचायत में बुधवार को डाक चौपाल लगाया गया. मुख्य अतिथि रामगढ़ पूर्वी के इंस्पेक्टर आशीष पांडेय, विशिष्ट अतिथि डाक डाक अधिदर्शक रामगढ़ पूर्वी अनुमंडल सर्वेश कुमार, रजरप्पा के सब पोस्टमास्टर सुबोध चौधरी मौजूद थे. मौके पर इंस्पेक्टर आशीष पांडेय ने बताया कि डाक चौपाल के माध्यम से जन जन तक डाक विभाग के योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है. सभी लोग डाक विभाग के योजनाओ से जुड़कर लाभ उठाएं. इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. आयोजित कार्यक्रम के दौरान डाक चौपाल ग्रामीणों और सरकारी कार्यों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करती है. डाकघर बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, टाइम डिपॉजिट खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, महिला सशक्तिकरण खाता में सुरक्षित निवेश कर सकते हैं. शून्य से पांच वर्ष के बच्चों का आधार नामांकन व आधार मोबाइल अपडेशन की सुविधा सभी ग्रामीण डाकघर में उपलब्ध है.

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या का आरोप

विष्णुगढ़। थाना अंतर्गत खरकट्टो में व्याहता भगिया देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी. गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के लक्ष्मणटुंडा निवासी मृतका की मां झलवा देवी और पिता जागेश्वर साव ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए बेटी की जान लेने का आरोप लगाया है. थाने में दी गयी तहरीर में मृतका के पति धनेश्वर साव, ससुर नारायण साव, सास मेघनी देवी, भैसुर मुरली साव, महेंद्र साव, गोतिनी मीना देवी तथा ममता देवी को हत्यारा बताया गया है. कहा है कि वर्ष 2016 में हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक बेटी भगिया की शादी धनेश्वर साव के साथ हुई थी. क्षमता अनुसार दान दहेज भी दिया गया था, मगर शादी के कुछ महीनों बाद आरोपियों द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा. दहेज में पांच लाख रुपये व एक जोड़ा बैल मायके से लाने की मांग की जाने लगी. 22 सितंबर को फोन पर बेटी द्वारा इसकी जानकारी दी गई और 23 सितंबर को उसकी हत्या कर दी गई. इधर ससुराल पक्ष वालों का कहना है कि घरेलू विवाद में जहर खाने से उसकी मौत हुई है. इस संबंध में थाना कांड संख्या 179/24 अंकित कर बीएनएस की धारा 127(1), 127(2), 195(2), 103(1)/35 तथा दहेज प्रतबेध अधिनियम 23/4 के तहत आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा कायम कर लिया गया है.

वनांचल डिग्री कॉलेज टंडवा में नियुक्ति संदेह के घेरे में

- अजब- गजब खेल रचकर कर्मियों की नियुक्ति हेतु इंटरव्यू लेने का आरोप

संवाददाता। चतरा

शिक्षा जगत में जालसाजी के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई द्वारा विभिन्न कार्रवाईयों के बावजूद फर्जीवाड़े का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है .इन दिनों चतरा जिले के टंडवा वनांचल डिग्री कॉलेज का मामला पुनः सुर्खियों में छाया हुआ है. अधिकारियों को गुमराह कर यहां अजब- गजब खेल रचकर कर्मियों की नियुक्ति हेतु इंटरव्यू लिया जाना पूरी तरह से संदेहों के घेरे में है.

सूत्रों की मानें तो महाविद्यालय में ना तो सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ना तो पद का सृजन है, और ना हीं कोई रोस्टर का पालन हो रहा है. वर्ष 2007 से पद सृजन की संचिका राज्य सरकार के पास विचाराधीन होने के बावजूद उक्त हरकतों को अंजाम दिया जा रहा है. बताया जाता है कि टंडवा वनांचल डिग्री कॉलेज में कार्यरत शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मियों का मानदेय पिछले 44 माह से बकाया है. फिर भी कुछ नामचीन अपनी मनमानी से वैकेंसी निकाल कर इंटरव्यू लेकर आवेदकों को गुमराह कर रहे हैं. ऐसे में लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि उक्त लोगों का मानदेय वे कहां से व कैसे भुगतान करेंगे...? पिछले हीं दिनों व्याप्त अनियमितताओं को लेकर राज्यपाल, कुलपति, उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव व उपायुक्त चतरा को साक्ष्य सहित प्रमाण भेजकर समुचित कार्रवाई की मांग की गई है, जो विचाराधीन है. मामले में कॉलेज के यूआर कृष्ण गुप्ता ने बताया पद का सृजन है, रोस्टर का पालन किया गया है. नियुक्ति किए जा रहे कर्मियों को कैसे मानदेय मिलेगी, इस पर कॉलेज प्रबंधन देखेगी.

संसद सदस्य मनीष जायसवाल, दीपक प्रकाश व अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

जयंती पर याद किये गए दीनदयाल उपाध्याय

संवाददाता। हजारीबाग

एकात्म मानववाद के प्रणेता, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, कुशल अर्थचिंतक, संगठनशास्त्री, शिक्षाविद्ध, राजनीतिज्ञ, वक्ता, लेखक, पत्रकार, आरएसएस के अहम नेता और भारतीय समाज के एक बड़े समाजसेवक के रूप में त्याग और तपस्या के प्रतिमूर्ति रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें बुधवार को क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल के कार्यालय सभागार में याद किया गया. जायसवाल के साथ राज्यसभा सांसद सह भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह आदि ने उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. और उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया.

मौके पर दीपक प्रकाश ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के अंदर की विशेषता ही उन्हें महान बनाती है और दूसरों को उनकी ओर प्रभावित करती है. पंडित दीनदयाल उपाध्याय में विलक्षण विशेषताएं थीं. वे एक अच्छे चिंतक, संगठनकर्ता और राजनेता थे. उन्होंने एकात्म मानवतावाद की शुरुआत पर जो चिंतन किया उसमें उनका मानना था कि समाज और देश के विकास के लिए किसान, गरीब, पिछड़ा, दलित, शोषित और वंचित वर्ग को ऊपर उठाना पड़ेगा. उनका मानना था कि ऊपर से नीचे की ओर आने वाली विकास की किरणें कभी कामयाब नहीं होती है बल्कि अंतिम व्यक्ति से शुरू होकर ऊपर की ओर बढ़ने वाली विकास कारगर होती है और समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति को भी ऊपर उठाती है. मनीष जायसवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल के लिए राष्ट्रवाद प्रेरणा, सुशासन एवं विकास से अंत्योदय करना था. इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु उन्होंने अपना सर्वस्व समाज के लिए न्योछावर कर दिया.

नदी से अवैध बालू उठाव को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

संवाददाता। चतरा

जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सिंघानी के पंचमुखी हनुमत चौक सिंघानी में मंगलवार की देर शाम ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई. बैठक की अध्यक्षता चेतलाल रजक ने की, जबकि संचालन प्रकाश दांगी ने किया. बैठक में सिंघानी गांव के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए. बैठक में सिंघानी गांव में पड़ने वाले छठ घाट नदी सिंघानी, परसोनिया नदी सिंघानी, भुराही नदी सिंघानी, पचबहिनी नदी सिंघानी तथा सिंघानी गांव में पड़ने वाले अन्य नदी से अवैध बालू उठाव नहीं करने देने का निर्णय लिया गया. वहीं प्रस्ताव में कहा गया कि किसी भी सूरत में बालू का उठाव बालू माफियाओं द्वारा नहीं करने दिया जाएगा. सभी ने कहा सिंघानी नदी से बालू उठाव होती है तो सिर्फ जरूरत के अनुसार सिंघानी गांव के ग्रामीणों को ही मिलेगा. साथ ही साथ छठ घाट में भूमि अतिक्रमण, पांडेयतर गड़ौत अतिक्रमण आदि बिंदुओं पर गहनता पूर्वक चर्चा की गई. इस दौरान सिंघानी नदी से बालू उठाव को पूर्ण रूप से रोकने के लिए गांव के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से एक समिति गठित किया. समिति में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए प्रकाश दांगी, उपाध्यक्ष इसराइल मियां, सचिव सुखसागर राणा, उपसचिव संजय दांगी सहित लगभग पचास सदस्यों की समिति बनाई गई. वहीं सभी ट्रैक्टर मालिकों को इसकी सूचना कर हिदायत दिया गया कि अगर गांव से बाहर बालू ले जाते पकड़े जाते हैं तो पुलिस प्रशासन को बुलाकर उस पर कानूनी करवाई की जाएगी. सभी ग्रामीणों नें उपायुक्त चतरा, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, पत्थलगड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को लिखित रूप से जल्द ही आवेदन देने को लेकर विचार विमर्श किया गया है.

परेशानी भुगतान में विलंब से खाने को पड़े लाले, माड़ भात से कर रहे गुजारा

पेंशन पाने को 8 माह से भटक रहे वृद्ध व विधवा

संवाददाता। चतरा/कुंदा

झारखंड सरकार एक तरफ जहां मंईयां सम्मान योजना को लेकर शिविर पर शिविर आयोजित कर रही है, वहीं पेंशन के माध्यम से विधवा, बुजुर्ग व असहाय वर्गों को मदद करने का दावा कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है. विधवा एवं वृद्धों को हर माह पेंशन दिए जाने के दावे महज कोरा साबित हो रहे हैं. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन के लिए वृद्ध भटक रहे हैं. बीते 8 माह से पेंशन की राशि का भुगतान नहीं हुआ है. पेंशनधारियों को विगत 8 माह से पेंशन की राशि का भुगतान नहीं होने के कारण उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. पेंशन को लेकर

पेंशनधारी बैंक तथा प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं.

वृद्ध कुंती देवी पति हिमा भुइयां ने बताया कि 12 किलोमीटर की दूरी तय कर बैंक का 15 चक्कर लगा लगा-लगा कर थक चुके हैं. खाने को लाले पड़े हुए हैं. विधवा प्रतिमा देवी ने कहा कि नमक भात खा कर गुजारा कर रही हूं. आय का कोई स्रोत नहीं है. साथ में 4 बच्चों का भी पालन पोषण करना पड़ता है. परिवार का भी कोई सहारा नहीं मिल पाने के कारण पेट भरना भी मुश्किल हो रहा है. बता दें की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के रहते पेंशनधारी को केंद्र सरकार 600 तथा राज्य सरकार 400 अंशदान के रूप में देती है. इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार ने बताया की राशि आवंटित हो चुकी है, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण भुगतान नही हो पा रहा है.

हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, रामगढ़, साहिबगंज और अन्य जिले भी जाएगी यात्रा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति किया जागरूक

संवाददाता। हजारीबाग

बीते 39 वर्षों से कौशल विकास और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था आईसेक्ट की ओर से छात्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता लाने एवं करियर काउंसलिंग के उद्देश्य से देशव्यापी कौशल विकास यात्रा बीते 9 सितंबर से पूरे देश भर में आयोजित की जा रही है. यह यात्रा बीते 23 सितंबर को आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मुख्य कैंपस पहुंची, जहां विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया.

यह यात्रा आगामी 28 सितंबर तक झारखंड के हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, बोकारो, रामगढ़, साहिबगंज व अन्य जिलों का भ्रमण करेगी. आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वागत के

बाद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने विद्यार्थियों को कौशल विकास के महत्व से अवगत कराया. कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कौशल विकास को रोजगार पाने का मुख्य साधन बताया. कुलपति व कुलसचिव, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने हरी झंडी दिखाकर कौशल यात्रा को रवाना किया. क्षेत्रीय प्रबंधक विजय कुमार ने बताया कि कौशल यात्रा चतरा के एसएस प्लस टू हाई स्कूल, पांडेय बारा, अपग्रेडेड हाई स्कूल एरूगेरुआ, रामगढ़ के एसएस प्लस टू हाई स्कूल, पतरातू, एसएस प्लस टू हाई स्कूल, चितरपूर, बोकारो के अपग्रेडेड राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, ओरदाना, प्लस टू हाई स्कूल, पेटरवार, कोडरमा के अपग्रेडेड गवर्नमेंट हाई स्कूल, अपग्रेडेड गवर्नमेंट हाई स्कूल, साहिबगंज के अपग्रेडेड प्लस टू हाई स्कूल समेत अन्य स्थानों से होते हुए 28 सितंबर को आईसेक्ट विश्वविद्यालय पहुंच कर समाप्त होगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से चंद्र मृत अवस्था में है. कोई मानसिक परेशानी भाई-बहन को हो सकती है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. मंदिर में अन्न और वस्त्र का दान करें.

वृष डूबा धन मिल सकता है. कोई नया कार्य करने का योग है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन शरीर में कोई कष्ट हो सकता है. मानसिक सुख मिलेगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है.

कर्क गलत जगह में व्यय वृद्धि से तनाव रहेगा. अपनों से विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. अन्न जल का दान करें.

सिंह छोटी और धार्मिक यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. किसी से कोई बहस से बचें. साथ ही प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी.

कन्या पिता से लाभ होगा. कार्य मे सफल रहेगा, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. गणेश जी का पूजन करें.

तुला कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आपके कार्य के प्रभाव से आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. जल दान करें.

वृश्चिक किसी से विवाद हो सकता है. व्यापार से अच्छा लाभ का योग है. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा.

धनु मौसमी रोग से कुछ परेशानी हो सकता है. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. अन्न दान करें.

मकर संतान के कार्य पर ध्यान दे. परीक्षा का सुंदर परिणाम होगा. पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. मंदिर में दर्शन पूजन करें.

कुंभ कोई पुराण मामला मानसिक तनाव दे सकता है.. माता को कष्ट होगा. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. सामाजिक कार्य में मन लगेगा, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा.

मीन व्यापार में हानि हो सकता है. अपनो के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं.

जयराम महतो ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक, बनाई रणनीति

कोडरमा । पटना से धनबाद जाने के क्रम में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो ने बुधवार को चंदवारा प्रखंड के उरवां स्थित बाबा होटल बैंक्विट हॉल में बैठक की. इस दौरान टाइगर जयराम महतो ने बरही, बरकट्ठा, कोडरमा के कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में लग जाने के लिए कहा. साथ ही प्रत्येक बूथ पर लोगों को जाकर जागरूक करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि 2024 विधानसभा चुनाव झारखंड की दशा और दिशा को तय करेगा. इस मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष बरही विस के नेता कृष्णा यादव, कोडरमा विधानसभा के नेता संतोष यादव, जिला उपाध्यक्ष विनय मोदी, युवा जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव समेत अन्य लोग उपस्थित रहे.

कोडरमा में विद्यार्थी परिषद का छात्र गर्जना कार्यक्रम आयोजित

कोडरमा । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में छात्र गर्जना कार्यक्रम का आयोजन किया. इस मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए जिले के विभिन्न इलाकों के विद्यार्थियों ने सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी किया. मौके पर अभाविप के आकाश कुमार ने कहा कि झारखंड सीजीएल का परीक्षा राज्य के अलग-अलग परीक्षा केंद्रों में 21 और 22 सितंबर को आयोजित किया गया, जिसमें हजारों परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए. इसका मुख्य कारण सरकार के निर्देश पर दूरसंचार कंपनियों के द्वारा अचानक इंटरनेट की सेवा बंद कर देना एक मुख्य वजह है. आकाश ने कहा कि कई परीक्षार्थी गूगल मैप के जरिए अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचते हैं. अचानक इंटरनेट बंद होने से सभी काम रुक गया और परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक नहीं पहुंच पाए. इसके लिए पूरी तरह से झारखंड सरकार जिम्मेदार है.

मध्य विद्यालय पुतरार के बच्चे ढो रहे थे साइकिल से किताब

शिक्षक और विभाग ने की आंखें बंद, उपायुक्त बोले-जांच कर दोषियों के विरूद्ध की जाएगी कार्रवाई

- मध्य विद्यालय जवाखाड़ से मासूम बच्चों से प्लास्टिक बोरे में भरकर किताब की ढुलाई करवाई

हुसैन अंसारी । लोहरदगा

केंद्र और राज्य सरकार पठारी क्षेत्र के बच्चों को स्कूल से जोड़ने और उनका तकदीर संवारने की दिशा में लाख कोशिश कर रही है, लेकिन कुछ ऐसे स्कूल है जहां के शिक्षक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बदले उदासीन रवैया अपनाने से बाज नहीं आ रहे हैं. लोहरदगा जिले के अति सुदूरवर्ती एवं उग्रवाद प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा विभाग और विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की लापरवाही से बच्चों का भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है. यहां पर बुधवार को बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले इसकी परवाह किए बिना नौनिहालों से साइकिल से सरकार की ओर से स्कूलों में उपलब्ध कराई गई किताबों को मजदूरों की तरह ढुलाई कराया जा रहा था. इससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि नौनिहालों के भविष्य के साथ स्कूल प्रबंधन और विभाग खिलवाड़ करने का कार्य कर रही है. यहां पर बता दें कि पेशरार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जवाखाड़ में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुतरार व अन्य स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच वितरित किए जाने हेतु

उपलब्ध कराई गई किताब को मजदूरों से ढुलाई नहीं कराकर नौनिहालों से साइकिल द्वारा ढुलाई कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है. मालूम हो कि पुतरार मध्य विद्यालय के स्कूली बच्चे पढ़ाई छोड़कर किताब ढोने के लिए लंबी दूरी तय कर मध्य विद्यालय जवाखाड़ पहुंचे, जहां से उन्हें प्लास्टिक बोरा में भरकर किताब की गठरी थमा दिया गया.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मौसम भी खराब था और बच्चे बारिश में भीगते हुए बुक को साइकिल पर पैदल ले जा रहे थे. अब यह सवाल उठता है कि नौनिहालों का पढ़ाई छुड़वाकर किताब ढुलाई कराया जाना इनके भविष्य को कहां ले जाना चाहती है शिक्षा विभाग और विद्यालय में कार्यरत शिक्षक. इधर बच्चों से विद्यालय संचालन अवधि के दौरान किताब ढुलाई मामले को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामनंदन भगत ने कहा कि मजदूर को मजदूरी देने हेतु पैसा नहीं होने के वजह से बच्चों से किताब लाया गया. इधर बीपीएम सुहैल अहमद से फोन पर बात की गई तो उन्होंने खबर नहीं प्रकाशित करने की बात कही. बहरहाल जो भी हो लेकिन ऐसी कौन सी मजबूरी आ पड़ी थी कि नौनिहालों को भविष्य संवारने के वक्त किताब ढुलाई करने हेतु लगभग 6 से 7 किलोमीटर दूर भेजकर जवाखाड़ मध्य विद्यालय से बुक लाने के लिए भेजा गया.

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा

नक्सल प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जवाखाड़ मध्य विद्यालय से पुतरार मध्य विद्यालय के बच्चों द्वारा साइकिल से किताब ढुलाई कराए जाने को लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण से दूरभाष पर बात की गई तो डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि जांच कराई जाएगी, दोषी लोगों के विरुद्ध निश्चित रूप से कार्रवाई किया जाएगा.

भाजपा की परिवर्तन यात्रा : हेमंत सरकार पर जमकर बरसे सांसद, कहा

आदिवासी के बेटे ने 40 लाख रुपये नहीं दिया तो ट्रांसफर कर दिया

संवाददाता । चतरा

जिले के प्रतापपुर हाई स्कूल के मैदान में बुधवार को भाजपा के द्वारा आयोजित परिवर्तन यात्रा में हेमंत सरकार व स्थानीय मंत्री पर सांसद कालीचरण सिंह और विधायक किशुन कुमार दास ने जमकर हमला बोला. परिवर्तन यात्रा कार्यक्रम का अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामदेव भोक्ता जबकि संचालन महामंत्री मिथलेश गुप्ता ने किया. कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि व कार्यक्रम के संयोजक राकेश प्रसाद, सांसद कालीचरण सिंह, विधायक किसुन दास, जिला प्रभारी विनय जायसवाल को माला पहनाकर व बुके देकर स्वागत किया. सांसद कालीचरण सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. मौके पर सांसद ने महागठबंधन सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि चुनाव जीतने के 116 दिनों में 60 दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र में रहकर काम किया हूं. कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमने बीते दिनों काफी काम किए हैं जिसमें जोरी से लेकर चतरा जर्जर पथ समेत काम हमने किए हैं. वही स्थानीय मंत्री पर सांसद ने जमकर बरसे कहा, आदिवासी के बेटे को 40 लाख नहीं देना नागवार गुजरा, महज 4 महीने में ही ट्रांसफर कर दिया गया.

कई मुद्दों पर सरकार पर बरसे : सांसद ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के मुद्दे पर वर्तमान सरकार को घेरा. उन्होंने कहा कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क की समस्या बरकरार है. बने हुए सड़क को बनाने की नई परंपरा की शुरुआत हुई है, जबकि जर्जर पत्तों की सुधि लेने वाला कोई नहीं है. सरकारी नौकरशाह जनता की समस्या से हटकर सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं. वहीं सिमरिया विधायक किशुन दास ने कहा की एक थानेदार, सीओ बीडीओ थाना व ब्लॉक संभालता है तो 25 से 50 लाख देकर आता है. इस दौरान पूर्व विधायक जनार्दन पासवान ने भी हेमंत सरकार व स्थानीय मंत्री के बारे में कहा कि सायरन मंत्री ने कहा था कोई टीबी और बीबी छोड़कर बाहर नहीं जाएगा, लेकिन इसका उल्टा हुआ. पूर्व विधायक ने कहा कि मंत्री 2 हजार करोड़ का मालिक है. कहता है चतरा में हम से बड़ा कोई नहीं है. वही, जिला प्रभारी विनय जायसवाल ने कहा आज की वर्तमान स्थिति में सरकार का कोई भी पदाधिकारी बिना पैसे का कोई भी काम नहीं कर रहा है. उन्होंने चतरा के लोगों से विकास की नई गाथा लिखने की बात कही है.

मौके पर कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा, महामंत्री मृत्युंजय सिंह, प्रतापपुर मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार यादव, कुंदा मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर भोक्ता समेत जिला व प्रखण्ड कमेटी के कार्यकर्ता मौजूद थे.

झामुमो: सरायकेला-खरसावां जिला कमेटी का पुनर्गठन, महानगर कमेटी भंग की गई

- चंपाई के भाजपा में जाने के बाद झामुमो में सांगठनिक बदलाव
- डॉ शुभेंदु महतो बने झारखंड मुक्ति मोरचा के नये जिला अध्यक्ष
- जितेंद्र आचार्य महानगर कमेटी के गठन के लिए संयोजक मंडली

विशेष संवाददाता । रांची

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का भाजपा में चलेजाने के बाद झामुमो ने एक बड़ा कदम उठाया है. पार्टी जहां सरायकेला-खरसावां जिला कमेटी का पुनर्गठन किया, वहीं महानगर कमेटी को भंग करके संयोजक मंडली का गठन किया है. पार्टी ने जिला कमेटी का पुनर्गठन करते हुए डॉ शुभेंदु महतो को नया जिला अध्यक्ष बनाया है. वहीं मो मुरतेज अंसारी, संजय प्रधान, मुंडा बेसरा, पवित्र बर्मन, भोला महंती, विशु हेंब्रम वअमृत महतो को उपाध्यक्ष, बुद्धेश्वर मार्डी को सचिव, धानु मुखी व सुना राम मुर्मू को संगठन सचिव, करम सिंह मुंडा, धरमु गोप, सोमा पूर्ति, अक्षय मंडल व अजीत प्रधान को संयुक्त सचिव और मनोहर कर्मकार को कोषाध्यक्ष बनाया गया है.

30 दिन में महानगर कमेटी के गठन का निर्देश

महानगर कमेटी के गठन के लिए पार्टी ने जितेंद्र आचार्य को मुख्य संयोजक बनाया है. इसके अतिरिक्त अभिषेक सिंह देव, गोविंद डोगरा, गौतम नायक, आशीष सरदार, केदार अग्रवाल, मनोज सामल, तपन कामिला, राजू महंती, अनुरोध प्रणामिक तथा ऋषभ सेक्सेरिया को संयोजक मंडली का सदस्य बनाया है. संयोजक मंडली को 30 दिनों के अंदर महानगर कमेटी का गठन का करने का निर्देश दिया गया है.

के डाभाबागी कर्बला में नाकास एक्विप केयर साईट में चली गोली

2 माह में अपराधियों ने तीन घटना को दिया अंजाम

संवाददाता । केरेडारी

केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत अज्ञात अपराधियों ने केरेडारी मुख्य पथ डामहाबागी कर्बला के पास नकाश

वर्क शॉप एक्विप केयर साइट कार्यालय में बुधवार दोपहर डेढ़ बजे दिन द ह ाड़ ऑफिस में घुस कर चार राउंड फायरिंग कर जमकर उत्पात मचाया. इस दौरान ऑफिस में रखे लैपटॉप के ऊपर गोली चलायी गयी. लैपटॉप को गोली पार करते हुये ऑफिस कर्मी जावेद की कनपटी के पास से पार हो गयी. इसके बाद बाहर दो राउंड फायरिंग कर और संजय नामक व्यक्ति को खोजते हुए एक काली रंग की पल्सर से टंडवा फोरलेन होते हुए फरार हो गये. वहीं दो महीने पूर्व लावण्या मोड़ पर हाईवे पर रात में डीजल छिड़क कर गाड़ी को आग लगाने का प्रयास किया. इससे पहले एनटीपीसी के अधीनस्थ कार्य कर रही टाइकोण वर्कशॉप में अपराधियों ने ग्रेडर मशीन और हाइवा को जला दिया था. फायरिंग की सूचना मिलते ही तुरंत केरेडारी थाना प्रभारी अजित कुमार एवं टिंकू सिंह ने दल बल के साथ घटना स्थल पर एक गोली और तीन खोखे बरामद किये हैं. अनुमंडल पुलिस पदाअधिकारी बड़कागांव कुलदीप कुमार ने बताया प्रशासन के द्वारा सत्यापन किया जा रहा है. छानबीन कर अपराधियों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी. केरेडारी थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि घटना को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है. शीघ्र अपराधी पुलिस के सलाखों के पीछे होंगे. इधर घटना के बाद केरेडारी क्षेत्र कोल व्यवसायों व ट्रांसपोर्टरों में दहशत का माहौल है.

प्रेमी ने खिलाई गर्भपात की दवा, प्रेमिका की मौत

खूंटी । प्रेम-प्रसंग के दौरान जब प्रेमिका गर्भवती हो गई, तो प्रेमी ने गर्भपात कराने के लिए ऐसी कुछ दवा खिला दी, जिससे प्रेमिका रेशम मुंडू (19) की मौत हो गई. मामला मुरहू थाना क्षेत्र के बहमणी गांव की है, जहां गर्भपात की दवा खाने के बाद मंगलवार की रात को प्रेमिका की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई. इस संबंध में मुरहू थाने में आरोपित कोड़ाकेल गांव के विनोद महतो उर्फ लालू के खिलाफ यौन शोषण और गर्भपात कराने का मामला दर्ज किया गया है. जानकारी के अनुसार बहमणी गांव की रेशमा मुंडू का प्रेम-प्रसंग कोड़ाकेल गांव के विनोद महतो उर्फ लालू के साथ चल रहा था. दोनों एक साथ रेजा कुली का काम करते थे. उसी दौरान युवती गर्भवती हो गई. जब युवती ने इसकी जानकारी अपने प्रेमी विनोद महतो को दी, तो उसने गर्भपात कराने के लिए रेशमा मुंडू को कोई दवा खिला दी, जिससे मंगलवार की रात उसकी मौत हो गई. पुलिस ने बुधवार को शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया और स्वजनों को सौंप दिया.

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त बोले-

अवैध खनन और परिवहन मार्गों पर रखें विशेष निगरानी

संवाददाता । खूंटी

उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बुधवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई. बैठक में गत एक माह के दौरान खनिज पदार्थों के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम की दिशा में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने निर्देशित किया कि खनिजों के अवैध खनन स्थलों को चिह्नित कर जिला खनन टास्क फोर्स टीम आपस में समन्वय बनाकर अवैध खनन एवं परिवहन के मार्गों पर विशेष निगरानी रखें. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार चेक पोस्ट बनाने का निर्देश दिया. उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न थाना क्षेत्र में विशेष छापामारी अभियान चलाया जाए. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बालू घाट वाले पंचायत के गांवों में नियमित तौर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को अवैध बालू उत्खनन के प्रति जागरुक करें. मोटर यान निरीक्षक को निर्देश दिया गया कि अवैध परिवहन करने के आरोप में थाना में जब्त पड़े वाहनों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें.

ग्रामीणों ने ट्रांसपोर्टिंग वाहनों को रोका

केरेडारी । एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना से प्रभावित भू रैयतों व ग्रामीणों ने 20 सूत्री मांग को लेकर बुधवार को 12 घंटे तक ट्रांसपोर्टिंग कार्य रोका दिया. इसको लेकर थाना प्रभारी अजित कुमार के नेतृत्व में थाना परिसर में बैठक की गई. इसमें एनटीपीसी की ओर से डिस्पैच अधिकारी प्रवीण अखोरी, आशीष मुर्मू, जोरदाग गांव के दर्जनों रैयत शामिल हुए. वहीं रैयतों ने 20 सूत्री मांगें अधिकारियों के समक्ष रखीं. अधिकारियों ने मांगों के निष्पादन के लिए पांच अक्टूबर को बैठक बुलाई है. इसके पश्चात भी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो रैयतों द्वारा 5 अक्टूबर को अनिश्चितकाल तक ट्रांसपोर्टिंग कार्य रोक दिया जाएगा.

नदी और जंगल के संरक्षण को लेकर एकजुट हुए ग्रामीण

बालू के अवैध उठाव पर लगाई रोक

चतरा । नदी और जंगल के संरक्षण को लेकर ग्रामीण एकजुट हो गए हैं. चतरा जिले के पत्थलगडा के सिंघानी के ग्रामीणों ने सिमरिया और पत्थलगडा प्रखंड के सिंघानी गांव से गुजरने वाली नदी से बालू के उठाव पर रोक लगा दी है और अवैध रूप से उत्खनन करने वाले लोगों को चेतावनी दी है. सार्वजनिक स्थलों में अतिक्रमण के खिलाफ भी ग्रामीण एक्शन में है. पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए गांव में खाली पड़े जमीन में दो-दो पेड़ लगाने का निर्णय लिया गया है. इसी को लेकर हनुमत चौक सिंघानी में ग्रामीणों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता शिक्षक चेतलाल रजक व संचालन प्रकाश दांगी ने किया. सिंघानी में छठ घाट नदी, परसोनिया नदी, भुराही नदी, पंचबहनी नदी और सिंघानी गांव में पड़ने वाले अन्य बालू घाटों में बालू का उठाव नहीं करने का निर्णय लिया गया. ग्रामीणों ने कहा की जरूरत पड़ने पर इसी गांव के लोग बालू का उपयोग करेंगे. छठ घाट में भूमि अतिक्रमण, पांडेयतर गड़ौत अतिक्रमण सहित अन्य स्थान में अतिक्रमण रोकने पर सहमति बनी. इसी को लेकर एक कमेटी का गठन किया गया. जिसके अध्यक्ष प्रकाश दांगी, उपाध्यक्ष इसराइल मियां, सचिव सुखसागर राणा, उपसचिव संजय दांगी सहित 50 सदस्यों को शामिल किया गया है.

चतरा में मिलावट करने वाले छह दुकानदारों पर कार्रवाई

चतरा । जिले में खाद्य सामग्री में मिलावट करने वाले छह दुकानदारों पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 की सुसंगत धाराओं के तहत सख्ती बरती गयी है. इसमें एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 54 के तहत जायसवाल स्वीट्स, प्रो संजीत जयसवाल मेन रोड चतरा के उपर 95000 रुपये, मे. आनंद होटल प्रो मोहन साव ब्रह्मपुर मोड़ गिद्धौर के ऊपर ढाई लाख रुपये, श्रीराम मिष्ठान हंटरगंज के ऊपर 80,000 रुपये, शिव मिष्ठान भण्डार हंटरगंज के उपर 80,000 रुपये, कावेरी स्वीट्स पर दो लाख पच्चास हजार रुपये तथा गुनगुन स्वीट्स टंडवा चतरा पर दो लाख पच्चास हजार रुपये जुर्माना के रूप में अर्थदंड अधिरोपित किया गया है. सभी खाद्य विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि अर्थदंड की राशि सात दिनों के अंदर चालान के माध्यम से संबंधित शीर्ष में जमा करते हुए अपर समाहर्त्ता-सह-न्याय निर्णयन अधिकारी, चतरा को सूचित करेंगे.

प्रेस वार्ता पूर्व केंद्रीय मंत्री का सरकार पर निशाना, कहा- मंईयां सम्मान योजना में साढ़े चार साल का पैसा दे सरकार

चेहरा बेनकाब करने के लिए निकाली गई है परिवर्तन यात्रा : अर्जुन मुंडा

संवाददाता । आदित्यपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को कहा कि राज्य के महागठबंधन सरकार की नाकाबिलियत को उजागर करने के लिए भाजपा ने परिवर्तन यात्रा निकाली है. मुंडा आदित्यपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड के लोग घोर निराशाजनक और अंधकारमय माहौल में जी रहे हैं. झामुमो, कांग्रेस और राजद ने राज्य को खोखला कर दिया है. अपराधियों और पदाधिकारियों का गठजोड़ चल रहा है.

मुंडा ने कहा कि राज्य में भारी पैमाने पर अपराध हो रहे हैं. हत्या और लूट की घटनाएं आम हो गई हैं. राजधानी में सब इंस्पेक्टर की हत्या हो जा रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है. झामुमो के बीज बोने वाले हाशिये पर हैं और बाहरी तत्व हावी हैं, जो लूट खसोट में जुटे हैं. मुंडा ने कहा कि मंईयां योजना के नाम पर धोखाधड़ी हो रही है. साढ़े चार साल तक राज्य सरकार ने कुछ नहीं किया और अब तीन माह का पैसा दे रहे हैं. सरकार से मांग है कि हर माह दो हजार रुपये की दर से साढ़े चार साल का पैसा हर माता-बहनों को दें. प्रेस वार्ता में निवर्तमान डिप्टी मेयर और भाजपा नेता अमित सिंह बॉबी, जिलाध्यक्ष उदय सिंह देव, धनबाद ग्रामीण के प्रभारी शैलेंद्र सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी निरंजन मिश्रा, कोल्हान प्रमंडल के सोशल मीडिया सह प्रभारी ललन शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा, मीडिया प्रभारी कुमुद रंजन, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण मुरारी झा आदि मौजूद थे.

आदित्यपुर में अपनी बातों को रखते पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा

आदिवासी महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है : पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आदिवासी महिलाओं को प्रलोभन देकर प्रताड़ित किया जा रहा है. आदिवासियत की बात कर उसे ही असुरक्षित किया जा रहा है. भाजपा देश के नागरिकों को मौलिक सुविधाएं देकर सशक्त बनाना चाहती है. लेकिन राज्य सरकार ठीक इसके उलट काम कर रही है. ठेकेदारी केवल योजनाओं की राशि लूटने के लिए हो रही है. योजनाओं के क्रियान्वयन में बिचौलियों का बोलबाला है. आज मंत्रियों के घरों से करोड़ों रुपये मिल रहे हैं. ऐसे लोगों का संरक्षण यहां की सरकार कर रही है.

एग्रीकल्चर लैंड का चरित्र बदलकर उस पर रियल इस्टेट का बिजनेस कर रहे हैं. इसका नुकसान पर्यावरण पर पड़ रहा है. जनजातीय समुदाय को हानि पहुंचाई जा रही है. उन्होंने कहा कि इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से परिवर्तन यात्रा निकाली गई है.

राज्य में सत्ता परिवर्तन चाहती है जनता : गोस्वामी

भाजपा के कोल्हान प्रभारी दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि परिवर्तन यात्रा की छह रथ झारखंड में निकली है. कोल्हान में बहरागोड़ा के चित्रेश्वर धाम से शुरू यात्रा शुरू हुई. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद बिद्युत बरण महतो ने इसे रवाना किया. इस परिवर्तन यात्रा में उमड़ रही भीड़ इस बात का परिचायक है कि अब राज्य की जनता सत्ता परिवर्तन चाहती है. चांडिल अनुमंडल में यात्रा करने के बाद रात में पश्चिमी सिंहभूम में प्रवेश करेगा. कुल नौ दिनों की यात्रा में रथ कोल्हान के सभी 14 विधानसभा क्षेत्र में घूमेगा. रथ यात्रा के साथ घरों से चावल और मिट्टी ली जा रही है, जिसे प्रधानमंत्री के यहां भेजा जाएगा.

पेज एक का शेष

बकाया दिलाने की मांग

किस्तों में बकाया भुगतान शुरू होने तक हर माह 1100 करोड़ ब्याज दें : सीएम ने कहा है कि अगर कानून हमें राजस्व एकत्र करने की अनुमति देता है, तो इसे राज्य को भुगतान किया जाना चाहिए. कोल कंपनियों पर बकाया पर 4.5 फीसदी के साधारण ब्याज की गणना करने पर, 510 करोड़ रुपए प्रति माह राज्य को देय ब्याज राशि होगी. यदि डीवीसी बकाया के संबंध में झारखंड राज्य से वसूले गए ब्याज के मामले में समानता के आधार पर चलते हैं, तो ब्याज 1100 करोड़ रुपए प्रति माह हो जाता है.

मार्च 2022 में भी सीएम लिख चुके हैं पत्र : सीएम हेमंत ने पीएम को पत्र कहा है कि झारखंड में कार्यरत कोयला कंपनियों पर झारखंड का मार्च 2022 तक 1,36,042 करोड़ रुपए का बड़ा बकाया है. मार्च 2022 में भी सीएम ने केंद्र सरकार को बकाया राशि कोल कंपनियों से दिलाने के लिए पत्र लिखा था.

राहुल ने पूछा सवाल...

कंगना रनौत के बयान से राजनीति गरमाई : इससे पहले भाजपा से लोकसभा सांसद कंगना रनौत ने कहा था कि तीन कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए और किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए. उनके इस बयान का भाजपा की सहयोगी पार्टी ने भी विरोध किया, जिसके बाद कंगना को अपना बयान वापस लेना पड़ा. बाद में सांसद कंगना रनौत ने कहा कि यह उनका निजी बयान है और पार्टी का इससे कोई संबंध नहीं है. उन्होंने इसके लिए किसानों से माफी भी मांगी है.

क्या मोदी अब हमारे घरों...

जहां कोई भी व्यक्ति इन कानूनी प्रतिबंधों के बिना कभी भी दान कर सकता है. मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने प्रैक्टिस करने वाले मुस्लिम जैसी शब्दावली क्यों बनाई? वे कौन होते हैं यह पहचानने वाले कि मैं प्रैक्टिस कर रहा हूं या नहीं? क्या नरेंद्र मोदी अब हमारे घरों में झांकेंगे? या फिर पांच साल बाद वे कहेंगे कि अब आप मुसलमान हैं और आपको प्रमाण पत्र लेने की जरूरत है?

प्रधानमंत्री की नयी पहल

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा कई मायनों में महत्वपूर्ण रही. इस समय जबकि अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव का माहौल है, प्रधानमंत्री ने भारत के पक्ष और महत्व को कई तरह से रेखांकित किया. प्रधानमंत्री की यह अमेरिका यात्रा कई अर्थों में पहले की यात्राओं से भिन्न साबित हुई. प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया के स्तर पर और ज्यादा महत्वपूर्ण बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है. अमेरिका यात्रा के हासिल को समझना कठिन नहीं है. चाहे क्वाड में भारत की सार्थक उपस्थिति हो या अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में पहुंचे राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मोदी की केमिस्ट्री हो, उसकी देश-विदेश के मीडिया में चर्चा हुई. संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रधानमंत्री के साढ़े चार मिनट के भाषण की चर्चा जरूर हुई है. उन्होंने प्रतीकों व प्रतिमानों के जरिये संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत, ग्लोबल साउथ की आवाज और चीन की समुद्री क्षेत्रों में दादागीरी व पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण को बिना नाम लिये उजागर किया. उन्होंने भारत की विशाल जनसंख्या, तेजी से बढ़ती आर्थिक हैसियत तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में बड़ी भूमिका की जरूरत को बताया. संयुक्त राष्ट्र की 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में दिया गया प्रधानमंत्री का भाषण पहली नजर में सपाट नजर आता है, लेकिन इसके जरिये दुनिया के बड़े देशों के लिये साफ संदेश निहित था. उन्होंने भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए सुरक्षा परिषद के लिए दरवाजे बंद करने पर सवाल उठाए. उन्होंने भारत द्वारा सफलता से आयोजित जी-20 सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को भी नये विश्व की आकांक्षाओं का सम्मान करना चाहिए. उनका आग्रह था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की आवाज को सुना जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि हम दुनिया की आबादी के छठवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं. भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का जिक्र करते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कैसे देश ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव का बखूबी आयोजन किया. लेकिन दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि हमारे विकास का चेहरा मानवीय होना चाहिए. मानव कल्याण के लिए खाद्य, स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए. उन्होंने भारत में गरीबी से निकाले गए करोड़ों लोगों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह समावेशी विकास से ही संभव हुआ. साथ ही कहा कि हम यह अनुभव ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा करने को तत्पर हैं.

> भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का जिक्र करते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कैसे देश ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव का बखूबी आयोजन किया, लेकिन दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए.

सुभाषित

रूपयौवन संपन्नाः विशालकुलसंभवाः।
विद्याहीनाः न शोभन्ते निर्गन्धाः इव किंशुकाः।।

यहा कहते है कि जिस तरह अशोक के फूल देखने में सुंदर होते हैं, किंतु सुगंध हीन होते हैं. उसी तरह जो रूपवान, युवान, विशाल कुल का होने से भी यदि विद्याहीन है तो वह कभी शोभायुक्त नहीं होता, उसे मूर्ख ही गिना जाता है.

एक साथ चुनाव : बदलाव या राजनीति

लोकसभा चुनाव से प्रधानमंत्री चुना जाता है, कई बार ऐसा देखा गया है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा अच्छा नहीं कर पायी, लोकसभा चुनाव में उसने बेहतर किया. राज्य में तो कोई जीते, लेकिन केंद्र में तो मोदी चाहिए. मतलब मोदी की कथित लोकप्रियता का फैक्टर उसके पक्ष में जाता है, हालांकि यह सभी राज्यों में काम नहीं आता है. फिर भी एक साथ चुनाव में लाभ की उम्मीद दिख सकती है.

• देश-काल

श्रीनिवास

जनसंघ के जमाने से इनका एक नारा रहा है- 'एक देश, एक प्रधान, एक निशान.' ये उसका एक्सटेंशन कर रहे हैं- एक धर्म, एक संगठन, एक नेता. अब- एक देश, एक चुनाव. इनके पास अभी एक ऐसा नेता है, जिसके रहते, इनको यकीन है कि कुछ भी मुमकिन है! हालांकि मेरी समझ से यह सुझाव संविधान में निहित भावना और ढांचे के खिलाफ है, जिसे संघीय व्यवस्था कहते हैं. मगर इनको मजबूत केंद्र चाहिए. इसलिए पिछले 10 वर्षों में राज्यों के अधिकार कम से कम करने का प्रयास चलता रहा. आर्थिक मामलों में बहुत हद तक केंद्र का एकाधिकार पहले से रहा है, जीएसटी लागू होने के बाद तो राज्य याचक बन गये हैं. वैसे इस जल्दबाजी का एक और कारण हो सकता है. भाजपा को हमेशा से- जनसंघ के जमाने से- संसदीय लोकतंत्र की जगह राष्ट्रपति प्रणाली (अमेरिका वाली) अच्छी लगती है. वह संसदीय चुनाव को भी उसी तरह दो व्यक्तियों के मुकाबले के रूप में पेश करने का प्रयास करती है. इसलिए कि उनको लगता है कि हमारे पास एक कद्दावर नेता है- कभी वाजपेई थे आज मोदी हैं- विपक्ष के पास उसके मुकाबले का कोई है नहीं, तो पार्टी, विचार, घोषणापत्र सब किनारे करो और दो के बीच में मुकाबला करो. आपके पास कौन है मोदी के मुकाबले? इसके साथ एक बात यह भी है कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव के मुद्दे अलग होते हैं. आम धारणा है, जो सच भी है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव अगर एक साथ हों तो देश के केंद्रीय के मुद्दे हावी होते हैं और क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाते हैं. लोकसभा चुनाव से प्रधानमंत्री चुना जाता है, कई बार ऐसा देखा गया है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा अच्छा नहीं कर पायी, लोकसभा चुनाव में उसने बेहतर किया. राज्य में तो कोई जीते, लेकिन केंद्र में तो मोदी चाहिए. मतलब मोदी की कथित लोकप्रियता का फैक्टर उसके पक्ष में जाता है, हालांकि यह सभी राज्यों में काम नहीं आता है. फिर भी एक साथ चुनाव में लाभ की उम्मीद दिख सकती है. इन कारणों से भी भाजपा को एक साथ चुनाव फायदेमंद लग सकता है.

देश में राजनीतिक सुधार की जरूरत तो है ही, चुनावी सुधार की भी. लेकिन शायद किसी दल को इसकी जरूरत महसूस नहीं होती! भाजपा को तो एकदम नहीं. सफल लोकतंत्र के लिए जरूरी है निष्पक्ष चुनाव और इसके लिए जरूरी है निष्पक्ष चुनाव आयोग. क्या हम कह सकते हैं कि वर्तमान चुनाव आयोग निष्पक्ष है? तो चुनाव आयुक्तों के चयन की प्रक्रिया और पारदर्शी नहीं होनी चाहिए? क्या सरकार की मर्जी का ही चुनाव आयुक्त बने, विपक्ष की उसमें कोई भूमिका नहीं हो? मौजूदा चुनाव प्रणाली में 30-35-40 पर्सेंट वोट लेकर के सरकार बन जाती है कैंडिडेट जीत जाता है. मतलब भले ही 60% लोगों ने समर्थन नहीं किया, कोई सांसद/विधायक बन सकते हैं, सरकार बन जाती है! और उसे कहा जाता है प्रचंड जनादेश! क्या इस पर विचार नहीं करना चाहिए कि जितने फीसदी वोट जिस दल को मिले, उसी अनुपात में संसद या विधानसभा में सीट मिले? मगर इस पर कोई गंभीरता से विचार करने के लिए तैयार नहीं है! ऊंचे प्रशासनिक पदों पर, ज्यूडिशरी में कार्यरत लोग रिटायर होते ही या रिटायरमेंट के पहले इस्तीफा देकर पार्टी ज्वाइन करते हैं, चुनाव लड़ते हैं, एमपी बन जाते हैं! अभी हाईकोर्ट के एक जज ने इस्तीफा दिया और वह एमपी बन गये. क्या इस पर गंभीरता से नहीं सोचना चाहिए ऐसे जज, जिसका एक पार्टी एक विचारधारा की तरफ झुकाव है, वह जज रहते हुए कितना निष्पक्ष फैसला देता होगा, खास कर तब जब मामला राजनीतिक चरित्र का हो? क्या इस पर रोक लगाने की जरूरत नहीं है कि रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित समय सीमा तक कोई जज, कोई प्रशासनिक अधिकारी कोई पार्टी ज्वाइन नहीं करे, चुनाव नहीं लड़े? सभी पार्टियां यह काम करती हैं. फिलहाल भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है तो वह सबसे ज्यादा कर रही है.

हमारे चुनावी कानून में कोई व्यक्ति पर अधिक से अधिक कितनी सीटों पर चुनाव लड़ सकता है, इसका कोई नियम नहीं है. मोदी जी दो जगह से लड़े. अभी राहुल गांधी लड़े. दोनों जगह जीत गये, एक जगह से इस्तीफा दे दिया. क्या उस खाली सीट पर दोबारा होने वाले चुनाव का खर्च उस व्यक्ति या दल से वसूला नहीं जाना चाहिए? यह भी विचारणीय है कि किसी को एक से अधिक जगह से लड़ने का मौका मिलना चाहिए या नहीं? दल-बदल विरोधी कानून लगभग बेकार हो गया है. चुनाव संपन्न होते ही विधायकों के बिकने की खबर आने लगती है, सच या झूठ. यह मतदाताओं से छल नहीं है? क्या दल- बदल पर कारगर रोक लगाने की जरूरत नहीं है? विपक्षी दल भी यदि सिर्फ इस कारण इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं कि इससे भाजपा को लाभ हो जायेगा, यह विरोध का समुचित आधार नहीं है. इसके विरोध में ठोस तर्क होना चाहिए. भाजपा को तो जरूर यह लालच है कि एक साथ एक चुनाव में उसके पास एक केंद्रीय नेता है, जिसकी देशव्यापी लोकप्रियता है इसका उसको लाभ मिलेगा.

एक साथ चुनाव तो दूर की बात है, यहां तो एक राज्य में भी पांच से सात चरणों में मतदान कराये जा रहे हैं! मूलतः सत्तारूढ़ दल की सहूलियत के लिए, जिनको याद नहीं हो, उनके लिए- 1977 में लोकसभा का चुनाव तीन चरणों में- 16, 18 और 20 मार्च को संपन्न हो गया था. 20 को मतों की गिनती शुरू हो गयी थी और शाम तक नतीजे आने लगे थे. ध्यान रहे, तब ईवीएम नहीं आया था. उसके बाद यातायात की सुविधा बढ़ी है, सुरक्षा प्रबंध बेहतर हुआ है और मशीन से वोटिंग होने लगी है, तब भी चुनावी प्रक्रिया लंबी होती जा रही है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

इच्छा और विचार

अभिव्यक्ति की इच्छा के बिना कुछ भी अभिव्यक्त नहीं हो सकता है. इसके लिए प्रेरणा चाहिए. काया एक पार्थिव रूप धारण करती है, ताकि जीवन में कुछ कार्य कर सके. जीवन की इच्छा ही पदार्थ में प्राण फूंकती है. इच्छा और विचार ही जीवन का सत्व है. एक परमाणु कितनी यात्राओं से गुजरकर अनंत जगत में अपना स्थान खोजता है. बल्कि अपना स्थान बनाता है. उस सूक्ष्मतम परमाणु में कितनी ऊर्जा होती है ? इसकी कल्पना ही की जा सकती है. देह के अंदर अनंत ऊर्जा के सागर में तैरता हुआ तथा अस्तित्व की समस्त अभिव्यक्तियों को अपने अंदर समाहित रखता है. फिर धीरे धीरे उस हिरण्यगर्भ की तरह गहन निद्रा में ही खुद को बनाता है. उस परम केंद्र से निर्देशित और खुद को सूक्ष्मता से देखते हुए ... सबसे पहले भौंहें.... फिर चेहरा गर्दन, पेट, अस्थि, नसें और हृदय का आवरण बनाता जाता है. जीवन कहीं और गहन निद्रा में है, लेकिन खुद ही रचनारत. फिर एक पड़ाव पर उस परम केंद्र से सारा नाता-रिश्ता खत्म हो जाता है. हम कुछ पलों के लिए निष्क्रिय हो जाते हंै. फिर एक दिन परम केंद्र से दूर अपनी पार्थिव दुनिया में देह के साथ आ जाते हैं ताकि अपनी चेतना के साथ पुनः उस अस्तित्व के केंद्र की ओर जा सके. जो यात्रा अधूरी रह गयी, उसे पूरा कर सके. श्रेष्ठतम की खोज. स्वयं को भौतिक शरीर नहीं बल्कि उस परमात्मा का अभिन्न भाग आत्मा समझने की यात्रा जीवन और जीवन के बाद भी चलती रहती है. यह श्रेष्ठतम की यात्रा का बीज यानी चेतना हरेक की आत्मा में प्रतिस्थापित होता है. हरेक के साथ बुद्धत्व के विशाल वृक्ष बनने की संभावना सिमटी है. मानव तन एक उपकरण है जिसमें मन, बुद्धि और चित्त रूपी आंतरिक शक्ति है. यह शक्ति किसी और तत्व में नहीं है. इसके माध्यम से ही श्रेष्ठतम की यात्रा करनी है. इसके लिए ध्यान, प्रेम, करुणा साधन है. जिसके माध्यम से अपने मूलकेंद्र की ओर जाने का रास्ता मिलता है. हमारी धारणा छोटी है. हमारे विचार बहुत निम्न हैं. हमारी आंखें इतनी छोटी है कि विराट को अपने अंदर समा नहीं सकती. इस कारण भटकते रहते हैं. हमारी सीमा एक बंधन में है. वह छोटी है. इसमें हम असीम को उतारना चाहते हैं. इस छोटी आंख से विराट को देखना चाहते हैं. अपने निम्न विचार में उस अनंत अस्तित्व को महसूस करना चाहते हैं, जो संभव नहीं है. जीवन विराट है, उसमें अनंत विस्तार है और यह विस्तार ही ईश्वर है.

एफआरबी की कटौती का वैश्विक असर

• वित्त

अंजन रॉय

19 सितंबर दुनिया भर के वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ा दिन था. अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने आखिरकार वैसा ही किया जैसा बाजारों को उम्मीद थी. इसने ब्याज दरों में भारी कटौती की. इसका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हो रहा है और शेयर बाजारों, जो पहले से ही समायोजन कर रहे हैं, को अधिक समायोजन करना पड़ रहा है, जैसा कि हमने भारतीय बाजार में तेज उछाल के दौरान देखा है. मार्च 2020 के बाद से अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से यह पहली ब्याज दर कटौती है. सबसे अधिक ध्यान देने वाली बात यह है कि अमेरिकी फेड ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है और पहले से कहीं अधिक कटौती की है - जैसा कि कुछ टिप्पणीकारों ने इसे 'आधा प्रतिशत की भारी कटौती' कहा है. इसके परिणाम स्वरूप शेयर बाजार आश्चर्यचकित ढंग से ऊपर की ओर जा रहे हैं. कुछ टिप्पणीकार मौद्रिक नीति निर्माण के इस बड़े कदम को 'फ्रंट लोडिंग' के रूप में वर्णित कर रहे हैं.

ऐसा करते हुए, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोमपॉवेल ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत और स्वस्थ है और लगातार बढ़ रही है. साथ ही, ब्याज दरों को ऐतिहासिक उच्च स्तर पर रखने के बावजूद, अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है और मंदी में नहीं फंसी है. साथ ही, कीमतों में तेजी से गिरावट आई है और मूल्य मुद्रास्फीति लगभग लक्ष्य स्तर के भीतर है. उन्हें लगा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की लड़ाई जीत ली गई है और इसलिए उन्होंने अपनी नीति ब्याज दर में आधे प्रतिशत की कटौती की, भले ही इसके बारह गवर्नरों में से एक इस धारणा से अलग थे और एक चौथाई प्रतिशत की कम कटौती की वकालत की. इसका निश्चित रूप से वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ेगा. प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के कदम के जवाब में अपनी ब्याज दरों को फिर से निर्धारित कर सकते हैं. हर तरफ दरों में कटौती की उम्मीद की जा सकती है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से वैश्विक स्तर पर धन के प्रवाह पर असर पड़ेगा. यह उम्मीद करना उचित है कि उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए फंड मैनेजर इन बाजारों में कुछ अतिरिक्त निवेश करेंगे. भारतीय शेयर बाजार प्रमुख संस्थागत निवेशकों के लिए एक लक्ष्य है और सबसे प्रमुख वैश्विक शेयर सूचकांकों में से एक में भारत का महत्व चीन के मुकाबले मामूली रूप से बढ़ा है. भारतीय शेयर बाजार में पहले से ही तेजी देखी जा रही है. आज के कारोबार में शेयरों में तेजी आई है, जबकि ये पहले से ही उच्च स्तर पर हैं. दर समायोजन की स्थिति में शेयरों और बांडों के तुलनीय मूल्य फिर से संरेखित होते हैं. कोई सुरक्षित रूप से उम्मीद कर सकता है कि ब्याज दर घटेगी तथा शेयरों की कीमतें बढ़ेंगी. पोर्टफोलियो को फिर से निर्धारित किया जायेगा. अतिरिक्त फंडों में होने वाले उतार-चढ़ाव अगले चरण में विदेशी मुद्रा बाजार को भी हिला सकते हैं. कोई उम्मीद कर सकता है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लिए आसान दरें उलट सकती हैं और विदेशी संस्थागत निवेशकों से प्रवाह के अनुसार समायोजन दिखा सकती हैं. फिर, संयुक्त राज्य अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने इस समय इतना बड़ा कदम क्यों उठाया है. राय अलग-अलग हैं. आंकड़ों की व्याख्याएं अलग-अलग हैं. फेडरल बैंक के चेयरमैन पॉवेल ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विपरीत स्थिति की ओर इशारा किया है. जबकि साल की शुरुआत में, कीमतें 4.2 प्रतिशत बढ़ रही थीं और बेरोजगारी दर 2 प्रतिशत पर थी. वर्तमान में स्थिति बिल्कुल उलट है. कीमतें 2प्रतिशत बढ़ रही हैं और बेरोजगारी 4.2प्रतिशत पर है.

> हर तरफ दरों में कटौती की उम्मीद की जा सकती है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से वैश्विक स्तर पर धन के प्रवाह पर असर पड़ेगा. यह उम्मीद करना उचित है कि उभरते बाजारों की अर्थव्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए फंड मैनेजर इन बाजारों में कुछ अतिरिक्त निवेश करेंगे.

पॉवेल ने बताया कि बेरोजगारी और बढ़ने से पहले, केंद्रीय बैंक को बेरोजगारी को और बढ़ने से रोकने के लिए समग्र आर्थिक गतिविधि को समर्थन देने की दिशा में कदम उठाना होगा. वास्तव में, अर्थशास्त्रियों और बाजार संचालकों में से कुछ लोगों का मानना है कि फेड पहले से ही पीछे रह गया है, यानी उसने दरों में कटौती को बहुत लंबे समय तक टाल दिया है. संभवतः, यह नयी अर्थव्यवस्था की शुरुआत है. अर्थशास्त्री सुराग खोजने के लिए डेटा और अमेरिकी उपभोक्ताओं के व्यवहार से जूझ रहे हैं. यह महामारी और उसके बाद के दौर में हो सकता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

बांग्लादेश में लोकतांत्रिक सुधार की दिशा ?

• देशांतर

रुहिन हुसैन

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, जो एक बड़े छात्र-श्रमिक विद्रोह के माध्यम से बनी थी, ने अपने संचालन की एक महीने की सालगिरह पर सुधारों के लिए छह आयोगों के गठन की घोषणा की. बताया गया है कि आयोग 1अक्टूबर 2024से काम शुरू कर तीन महीने के भीतर रिपोर्ट तैयार करेगा. इस घोषणा के जरिए उनकी सुधार प्रक्रिया शुरू होने की खबर है. सीपीबी सहित विभिन्न वामपंथी, लोकतांत्रिक राजनीतिक दल, जो शुरू से ही आंदोलन में रहे हैं, सरकार से अपने सुधारों और चुनाव रोडमैप की घोषणा करने का आह्वान कर रहे हैं.इस आयोग के गठन की घोषणा के रोडमैप के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन एक विचार उपलब्ध है. सरकार के मुताबिक, तीन महीने के भीतर आयोग की रिपोर्ट आने के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों समेत समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से चर्चा की जाएगी. कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी और फिर फैसले को अंतिम रूप दिया जाएगा.यह याद रखना चाहिए कि राजनीतिक दलों को सुधार कार्य की एक मुख्य जिम्मेदारी निभानी होती है. राजनीतिक दल अपनी गतिविधियों के लक्ष्यों को लोगों के सामने प्रस्तुत करके और लोगों की सहमति प्राप्त करके इन गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे. तो सवाल यह है कि क्या सुधारों का प्रस्ताव देने से पहले राजनीतिक दलों से बात की जाए. वे इस गतिविधि में शामिल होंगे या नहीं? इस प्रश्न का अभी तक पूरी तरह से उत्तर नहीं दिया गया है. यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि इन सुधारों का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी जिस सरकार ने ली है, वह कोई नियमित सरकार नहीं है, यानी चुनाव के माध्यम से लोगों की सहमति से बनी सरकार है. फिर, यह कोई क्रांतिकारी सरकार नहीं है जो किसी विशिष्ट लक्ष्य को ध्यान में रखकर क्रांति का आयोजन करती है और उस क्रांति को जीत लेती है.यह अंतरिम सरकार है. लेकिन यह किसी भी अन्य समय की अंतरिम सरकार से अलग है.यानी सैकड़ों लोगों के खून के बदले में आयोजित अभूतपूर्व जन तख्तापलट से बनी सरकार.

विभिन्न चर्चाओं के माध्यम से जो बात पहले ही सामने आ चुकी है, वह यह है कि यदि तानाशाही व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के बाद मतदान के माध्यम से सरकार बनाई जाती है तो वह तानाशाही व्यवस्था को उखाड़ नहीं फेंकती है. भ्रष्टाचार से लूट होती है. सत्तावाद की स्थापना करता है, सत्ता को लम्बा खींचने के लिए सत्तावादी व्यवस्थाओं को कायम रखने का प्रयास करता है, जिसके लिए अत्याचार का आधार जड़ बनी हुई है. इस बुनियाद को एक दिन में नहीं उखाड़ा जा सकता, लेकिन इसे शुरू करना होगा. अंतरिम सरकार इसकी रूपरेखा तैयार करने का काम शुरू करे- यही लोगों की अपेक्षा है. देश में सर्वमान्य चुनाव के लिए भी कई संस्थागत सुधारों की जरूरत है. इसलिए सभी लोग सरकार के सुधार कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में हर तरफ से सहयोग पर विचार कर रहे हैं. सहयोग की बात हो रही है. यह याद रखना चाहिए कि इसके लिए सक्रिय लोकतांत्रिक राजनीतिक दलों की सहमति और भागीदारी की आवश्यकता है. इस संबंध में हमने साफ तौर पर कहा है कि सरकार को जरूरी संस्थागत सुधार शुरू करने चाहिए. सक्रिय राजनीतिक दल इस कार्य में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें. साथ ही चुनाव प्रणाली में आमूल-चूल सुधार के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों सहित राजनीतिक दलों को अभी से प्रत्यक्ष चर्चा शुरू करने दें, क्योंकि निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधियों को सत्ता सौंपना इस सरकार के मुख्य कार्यों में से एक है.

> कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी और फिर फैसले को अंतिम रूप दिया जाएगा.यह याद रखना चाहिए कि राजनीतिक दलों को सुधार कार्य की एक मुख्य जिम्मेदारी निभानी होती है. राजनीतिक दल अपनी गतिविधियों के लक्ष्यों को लोगों के सामने प्रस्तुत करके और लोगों की सहमति प्राप्त करके इन गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे.

सरकार को याद रखना चाहिए कि इन गतिविधियों में लोगों की भागीदारी के बिना उद्देश्य सफल नहीं होगा. इसलिए लोगों के दैनिक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान को महत्व दिए बिना ये चर्चाएं सफल नहीं होंगी, हालांकि हाल के दिनों में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है, लेकिन दैनिक आवश्यकताओं की कीमतों को नियंत्रण में नहीं लाया जा सका है. बहुचर्चित भ्रष्ट सिंडिकेट को तोड़ा नहीं जा सका. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

क्या श्रीलंका की राजनीतिक परंपरा बदलेगी?

बीते सप्ताहांत संपन्न हुए श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों ने कई पुरानी मिसाल तोड़ी हैं और देश की दशकों पुरानी राजनीतिक परंपरा को भी उलट दिया. श्रीलंका में आमतौर पर सत्ता दो अलग-अलग शक्तियों के बीच बंटती रही है, जिनका नेतृत्व मध्य-दक्षिण और मध्य-वामपंथी दल करते हैं. यहां तक कि पिछले ताकतवर लोगों मसलन राजपक्षे परिवार के राष्ट्रपतियों ने भी इन्हीं दो दलों में से किसी एक से शुरुआत की थी. परंतु नव निर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) से आते हैं. वह श्रीलंकाई राजनीति की वाम और राष्ट्रवादी धारा का प्रतिनिधित्व करते हैं. इसके अलावा दिसानायके को पहली प्राथमिकता वाले मतों में बहुमत नहीं मिला, जबकि कार्यकारी राष्ट्रपति के अन्य चुनावों में ऐसा होता रहा है. ऐसा इसलिए हुआ कि यह त्रिकोणीय मुकाबला था जिसमें निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, दिसानायके और सजित प्रेमदासा मैदान में थे.इससे यह समझा जा सकता है कि आखिर क्यों दिसानायके दूसरी प्राथमिकता के इतने वोट आसानी से जुटा सके जिससे वह जीतने में कामयाब रहे. प्रेमदासा और विक्रमसिंघे भी पुराने राजनीतिक परिवारों से हैं और पूर्व राष्ट्रपतियों से जुड़े हैं. दिसानायके एक बाहरी व्यक्ति हैं और श्रीलंका की राजनीति में यह भी कम अस्वाभाविक बात नहीं.सवाल यह है कि क्या दिसानायके उसी तरह देश चलाएंगे जैसा कि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान में कहा थाः एक बाहरी विद्रोही के रूप में. जरूरी नहीं कि यह श्रीलंका के लिए अच्छी खबर हो. देश की अर्थव्यवस्था दो साल पहले की उथलपुथल के बाद कुछ हद तक स्थिर हो चुकी है. उस समय तो देश लगभग डिफॉल्ट जैसे हालात का शिकार हो गया था. परंतु देश अपने कर्ज के भारी बोझ को लेकर सही ढंग से नहीं निपट सका है.अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अर्थव्यवस्था को जो नया अवसर दिया है उसे लेकर घरेलू स्तर पर बहुत अधिक विवाद है. माना जा रहा है कि उसकी शर्तों में जो खर्च कटौती शामिल है उसकी वजह से देश में गरीबी बढ़ी है. विश्व बैंक का भी यही अनुमान है. दिसानायके के चुनाव से जुड़ी यही इकलौती चिंता नहीं है.उन्होंने खुद को और अपने दल जेवीपी को नए सिरे से पेश किया है लेकिन लंबे समय तक इनका जुड़ाव न केवल किसान विद्रोह की माओवादी विचारधारा से रहा है बल्कि सिंहली राष्ट्रवाद से भी उनका जुड़ाव रहा है. उनका प्रचार अभियान काफी हद तक इस अतिवादी क्षेत्र को दी जानकारियों पर भी आधारित रहा जिसमें यह बात भी शामिल रही कि वे श्रीलंका की शक्तिशाली सैन्य लॉबी को युद्ध अपराधों की जांच से भी बचाएंगे. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

रियासत/सियासत

पूरी दुनिया में रियासत के लिए सियासत होती रही हैं. रियासत और सियासत के बीच युग-युग से घनिष्ठ संबंध रहे हैं, क्योंकि रियासत की मंजिल तक पहुंचने के लिए सियासत एक महत्वपूर्ण साधन है. यह भी सच है कि जब सियासत अपनी मर्यादा छोड़ देती है, जब वह निंदनीय हो जाती है. तभी नूह नारवी जैसे शायर गलत सियासत करनेवालों को इस प्रकार सलाह देते हैं- ऐ 'नूह' न तुम उसको हसीनों में गंवाओ, ये ख़ूब समझ लो कि रियासत है बड़ी चीज़. अरबी भाषा मूल के ये संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हिंदी भाषा में बहु प्रचलित हैं. पत्रकारिता जगत में तो इन शब्दों का जम कर प्रयोग होता है. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार रियासत का मतलब है शासन, हकूमत, राज, बादशाहत, सरदारी, रईस होने का भाव, अमीरी, वैभव, सत्ता या शासन का वैभव, किसी देश का कोई क्षेत्र या भाग, जिसमें किसी नवाब या रईस की स्वतंत्र सरकार हो. उदाहरण के लिए कहा जाता है हिंदुस्तान में नौ आबादकारी उस वक्त हुई, जब यह मुल्क कई रियासतों में बंटा हुआ था. रियासत का मतलब राज्य या राष्ट्र भी होता है. जैसे इंडोनेशिया की रियासत जकार्ता, जावा में मौजूद है.मिलकियत या संपत्ति को भी रियासत कहा जाता है. यह तो हुई रियासत की बात, अब सियासत की बात भी कर लेते हैं. मशहूर शायर फानी बदायुंनी कहते हैं- मौजों की सियासत से मायूस न हो 'फ़ानी', गिर्दाब की हर तह में साहिल नज़र आता है. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार सियासत का सामान्य-सा अर्थ है राजनीति, शासन प्रबंध, राज-काज, न्यायालय, लेकिन इसका अर्थ किसी जुर्म की सजा, डांट-डपट, तंबीह, दंड, भय, शारीरिक या आध्यात्मिक कष्ट, क्रूरता और कठोरता भी होता है. इसका लाक्षणिक अर्थ है छल, फरेब, मक्कारी. इन दोनों शब्दों के शब्दकोशों में पड़े अर्थ को देखने के बाद दोनों के बीच का संबंध स्पष्ट हो जाता है. जब राजनीति अपनी स्वस्थ परंपरा और सिद्धांत से भटक कर रियासत के लिए गलत राह पकड़ लेती है तो वह सियासत हो जाती है.

भाव खाने लगा है क्यों प्याज

• तीर-तुक्का

डा. सुरेंद्र वर्मा

बरसात आती है और हर साल प्याज़ का भाव कुछ अधिक ही बढ जाता है. उसके तो मानो दिन ही फिर जाते हैं. बाज़ार उसकी चमक से चौंधिया जाता है. न जाने प्याज में ऐसा क्या है कि इधर उसका दाम बढ़ता है और उधर राजनीति गरमाने लगती है. और भी सब्जियां हैं – आलू, भिन्डी, टमाटर, कद्दू, भाव सबके उठते गिरते कहते हैं, लेकिन सरकार गिराने की कूबत सिर्फ प्याज में ही है. प्याज का दाम बढ़ते ही लोग सीधे प्रधानमंत्री और सरकार को कोसने लगते हैं. जबकि सरकार न तो प्याज बोती है और न ही काटती है. पर एकाधिक बार ऐसा हो चुका है कि प्याज़ ने सरकारें गिरा दीं. सामान्यतः उपेक्षित रहने वाला प्याज लुप्त होने के कगार पर अचानक जब उठता है तो सरकारों की नींव हिला देता है. भले ही उसकी तेज़ी का ज़िम्मेदार मौसम का ढुलमुल मिज़ाज ही क्यों न रहा हो. एक और मजेदार बात यह है कि जब जब कांग्रेस सत्ता में नहीं रहती गैर-कांग्रेसी सरकार को प्याज सताए बिना नहीं रहता. प्याज की यह राज्नीतिक हरकत कई बार देखने को मिल चुकी है. जब पहली बार जनता पार्टी की सरकार बनी थी उस समय भी सत्ता से बेदखल हो चुकी कांग्रेस को प्याज की तेज़ी का ही वह मुद्दा मिला था, जिसका नाटकीय तौर पर इस्तेमाल कर बाद वाला चुनाव कांग्रेस जीतने में सफल हुई थी. केंद्र में जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी तब भी यह सरकार प्याज का ही शिकार हुई थी. अब फिर प्याज की कीमतों के उछाल का सीज़न आ रहा है. और इस समय भी गैर-कांग्रेसी सरकार ही केंद्र में है. वैसे प्याज़ के लिए प्रसिद्ध है कि वह ग़रीब का खाना है. एक प्याज़ की गांठ मिल जाए तो ग़रीब भर पेट रोटी खा लेता है. लेकिन इन दिनों प्याज़ इतराता फिर रहा है. अच्छे-अच्छे रईस दाल में तड़के के लिए प्याज़ से मोहताज हो गए हैं. खूब रुला रहा है प्याज़. पहले भी गृहणियां इसे काटती थीं तो आंखों में आंसू आ जाते थे. अब तो सब्ज़ी में न डाल पाने की वजह से वे रो रही हैं. क्या तो मंहगाई है ! प्याज़, पेट्रोल और बीयर एक ही मूल्य पर बिक रहे हैं. प्याज़ की इस ऐंठ से दुःखी होकर रईस ज़ादे अपनी कारों में पेट्रोल डलवा कर बीयर पीने निकल पड़े हैं. प्याज़ को मारो गोली! भई, अपनी तो औकात ही नहीं है कि उसे खरीद पाऊं. रसोइए तक कहने लगे हैं कि प्याज़ से लड़ने का बस एक ही तरीक़ा है कि अगर वह अपना रवैया नहीं बदलता तो उसे उपयोग में ही न लाया जाए. उससे असहयोग कर दिया जाए. प्याज़ के खिलाफ यह असहयोग आंदोलन यदि शुरू हो जाए तो प्याज़ को झक मार के नीचे उतरना ही पड़ेगा.

लाइफ लाइन

ट्रेंड में है एक्रो योगा

45 मिनट एक्रो योग करने से 300 से अधिक कैलोरी होती बर्न

इन दिनों एक्रो योगा काफी ट्रेंड में है. एक्रो योगा दरअसल एक्रोबैटिक्स, थाई मसाज और योग का मिश्रण है. इस योग को करने के लिए दो लोगों का एक साथ प्रैक्टिस करना जरूरी है. इस योगासन में स्ट्रेच और जिमनास्टिक शामिल है. वहीं कुछ प्रैक्टिक्शनर के मुताबिक इसमें थोड़ा सा मसाज जोड़ना परिणाम को बेहतर बनाता है. एक्रो योग की मदद से शरीर का वजन मैनेज होता है. इसे करने वाले दोनों लोगों की स्ट्रेंथ बेहतर बनाता है.

ये हैं फायदे

इस तकनीक में ग्रेविटी और बॉडी वेट का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है और शरीर में मजबूती आती है और स्टैमिना बढ़ता है. एकाग्रता क्षमता बढ़ती है. दिमाग बेहतर काम करता है. शरीर का लचीलापन बढ़ता है. साथ ही मांसपेशियां मजबूत होती है और हार्ट अटैक का खतरा भी कम होता है. 40 से 45 मिनट यह योग करने से 300 से अधिक कैलोरी बर्न होती है. योग अर्थ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 28 फीसदी लोगों ने माना है कि इसे नियमित तौर से करने से डिप्रेशन कम हुआ. साथ ही कमर-दर्द, कोलेस्ट्रॉल की समस्या से भी आराम मिला.

इन बातों का रखें ध्यान

1. एक्रो योग में दो लोग शामिल होते हैं, इसलिए इसमें बहुत ज्यादा फ्लैक्सिबिलिटी की जरूरत होती है.
2. ऐसे ही शख्स के साथ इस योग की प्रैक्टिस करें, जिस पर पूरा भरोसा कर सकें.
3. एक्रो योगा की शुरुआत किसी प्रोफेशनल इंस्ट्रक्टर की देखरेख में करें.
4. एक्रो योग में अपनी बॉडी को धीरे-धीरे खुलने का अवसर दें. अचानक से इस पर जोर न डालें.
5. बेसिक पोज से शुरू कर एडवांस पोज तक धीरे-धीरे जाएं.
6. गर्दन के खिंचाव को ध्यान में रखें और कम से कम 3 मिनट तक इसी मुद्रा में रहें.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

निर्गुंडी से बनता दर्दनाशक तेल

झारखंड का एक औषधीय पौधा निर्गुंडी है, इसे सिन्दुवार, निर्गुंडी, संभालू भी कहते हैं. बंगाल में नीलनिशिन्दा, मराठी में निर्गुंडी, अंग्रेजी में फाइव लीव्सड चेस्ट ट्री, लैटिन में वाइटक्स निर्गुंडी भी कहते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

निर्गुंडी का पौधा 8 से 10 फीट ऊंचा होता है. यह स्मृतिदायक, बालों के लिए उत्तम, नेत्रों के लिए हितकारी, शूल, शोध, कृमि, कोढ़, अरुचि, कफ तथा ज्वर को नष्ट करने वाला होता है. इसके पत्ते बात और कफ को हरने वाले होते हैं.

निर्गुंडी मूलतः दो प्रकार के होते हैं. एक नीला पुष्पी निर्गुंडी और दूसरा श्वेत पुष्पी निर्गुंडी. यह एक झाड़ीदार वृक्ष है जिसे झारखंड में अपने गांव और खेतों के आसपास लोग लगाते हुए पाए जाते हैं. वनों में भी मिल जाते हैं. इसके पत्र कहीं तीन और कहीं पांच तक के पाए जाते हैं. झारखंड में पंचपत्र वाला निर्गुंडी पेड़ पाया जाता है. सबसे ज्यादा नील पुष्प वाला निर्गुंडी पेड़ देखने को मिलता है.

शीत ऋतु के अंत में और बसंत ऋतु के आरंभ में इसके वृक्ष पत्रशुन्य हो जाते हैं. पुनः कोमल पत्र निकलते हैं जो अरहर दाल के पौधे की पत्र की तरह रहता है. इसमें एक तरह का उग्र गंध पाया जाता है. पुष्प गुच्छाकार होते हैं. नील वर्ण या श्वेतांबर नील वर्ण युक्त रहते हैं. इनके पत्तियों में एक प्रकार का सुगंधित तेल और राल होता है.

पारंपरिक ज्ञान के अनुसार गेहूं, चावल इत्यादि अनाज के साथ पुस्तकों और कपड़ों को कीड़ों से सुरक्षित रखने के लिए इनके पत्तों का उपयोग करते हैं. इनको रखने से अनाज में कीड़े नहीं पड़ते हैं. पारंपरिक वैद्य लोग दर्द नाशक तेल, दवा, पेय भी बनाते हैं. भारत सरकार को निर्गुंडी पर शोध करने की आवश्यकता है. इसके संरक्षण और संवर्धन पर प्रोजेक्ट बना कर कार्य करना चाहिए.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)
सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

चेहरे पर रोम छिद्रों यानी पोर्स को कैसे कम करें और न्यूनतम करें, इस विषय पर यूट्यूब पर सर्च कीजिए तो वीडियो की भरमार नजर आएगी. लेकिन ज्यादातर में गलत सूचनाएं और गलत धारणाएं भरी हुई हैं. वहीं कई विज्ञापन भी इस बारे में भ्रामक सूचनाएं देकर प्रोडक्ट बिक्री का प्रयास करते हैं. सच तो यह है कि हम अपने छिद्रों को पूरी तरह से हटा नहीं सकते क्योंकि त्वचा के कुछ कामों में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है. हां रोमछिद्र को कम जरूर किया सकता. दिखने में बढ़े हुए छिद्रों की उपस्थिति को कम कर सकते हैं. डर्मेटोलॉजिस्ट और कॉस्मेटिक स्कीन एक्सपर्ट से जानिए इस मसले पर खास बातें...

डॉ सरोज राय
डर्मेटोलॉजिस्ट
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

रोमछिद्र क्या हैं

छिद्र आपकी त्वचा में प्राकृतिक छिद्र होते हैं जो आपके चेहरे और शरीर पर पाए जा सकते हैं. ये छिद्र त्वचा को प्राकृतिक रूप से चिकनाई देने से लेकर शरीर से पसीना निकालने तक कई तरह के काम करते हैं. हालांकि, कुछ कारक इन छिद्रों को आकार में बड़ा और सामान्य से ज़्यादा प्रमुख बना सकते हैं.

रोम छिद्र आकार में बड़े क्यों दिखाई देते हैं?

आनुवंशिकी व जातयीयता

इसके मुख्य कारणों में आनुवंशिकी शामिल है. जी हां, यह संभव है कि आपको बड़े छिद्र विरासत में मिले हों. इसके अलावा किसी खास जाति-जनजाति भी त्वचा की संरचना और कोलेजन और इलास्टिन की मात्रा में भूमिका निभा सकती है.

ऑयली स्किन

जिनकी त्वचा ऑयली यानी तैलीय होती है, उन्हें भी आमतौर पर बड़े छिद्रों से जुड़ी समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है. जब त्वचा में वसामय ग्रंथियाँ अधिक तेल का उत्पादन करती हैं, तो यह छिद्रों में जमा हो सकता है, उन्हें फैला सकता है और उन्हें बड़ा दिखा सकता है. इससे ऑयली स्किन वालों को ब्लैकहेड्स और मुंहासे होने की भी आशंका होते हैं. ब्लैकहेड्स व मुहांसे होने से भी लार्ज ओपन पोर्स यानी बड़े छिद्रों की परेशानी दिख सकती है.

उम्र का बढ़ना

यह रोमछिद्र बढ़ने का एक बड़ा कारण है. जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, त्वचा के प्राकृतिक कोलेजन और इलास्टिन का उत्पादन कम होता जाता है. प्रोटीन जो त्वचा को दृढ़ और लचीला बनाए रखने में मदद करते हैं, जब कम हो जाते हैं, तो त्वचा ढीली पड़ने लगती है, जिससे छिद्र बड़े दिखाई देने लगते हैं.

नमी की अधिकता

अत्यधिक नमी होने पर भी त्वचा के तेल छिद्रों के भीतर जम जाते हैं और सख्त हो जाते हैं. इससे छिद्र अधिक दिखाई दे सकते हैं, क्योंकि जमने वाला तेल छिद्रों के खुलने को बंद कर सकते हैं.

चेहरे के पोर्स को कैसे कम करें

अपने चेहरे पर छिद्रों की उपस्थिति को कैसे कम करें हालांकि आपके छिद्रों के मूल आकार को कम नहीं किया जा सकता है, लेकिन कुछ ऐसी रोज़मर्रा की आदतें हैं जो उनके उभार को कम कर सकती हैं.

ज़्यादा एक्सफोलिएशन नहीं करें

बेशक एक्सफोलिएशन हमारे रोम छिद्रों से किसी भी गंदगी को हटाने के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन ज़्यादा एक्सफोलिएशन त्वचा से उसके प्राकृतिक तेलों को हटा सकता है और तेल उत्पादन को बढ़ा सकता है. इससे छिद्रों के बड़े होने की आशंका बढ़ सकती है. एक सामान्य नियम के रूप में, यह एक नियमित और कोमल एक्सफोलिएशन दिनचर्या को बनाए रखने में मदद करता है.

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

सूर्य की किरणे कोलेजन उत्पादन और त्वचा की लोच को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे रोमछिद्र बड़े दिखाई दे सकते हैं. इसलिए बाहर जाने से पहले अपनी त्वचा को हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाना जरूरी है. इसलिए जब भी बाहर निकलें हमेशा सनस्क्रीन जरूर लगाएं.

स्टीमिंग कम करें

स्टीमिंग करने से त्वचा के पोर-पोर से सफाई होती है. छिद्रों को नरम करने में मदद कर सकती है. लेकिन हीट रक्त वाहिकाओं को भी फैलाती है और छिद्रों को बड़ा कर देती है. अत्यधिक गर्म भाप के कारण सूजन की समस्या हो सकती है और यह भी रोम छिद्रों को और बड़ा कर सकती है. इसलिए स्टीमिंग का अधिक उपयोग नहीं करें.

कोलेजन बूस्टिंग ट्रीटमेंट के फायदे

लेजर थेरेपी या केमिकल पील जैसे क्लिनिक में किए जाने वाले उपचार, जो कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करते हैं, त्वचा को कसने और बड़े छिद्रों की उपस्थिति को कम करने में मदद कर सकते हैं.

माइक्रोनीडलिंग ट्रीटमेंट

इस ट्रीटमेंट से भी आप अपनी त्वचा के बड़े रोमछिद्रों को कम कर सकते हैं. माइक्रोनीडलिंग में त्वचा में सूक्ष्म चोट बनाने के लिए छोटी सुइयों का उपयोग किया जाता है. यह कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करता है, जिससे त्वचा मजबूत और चिकनी हो जाती है. इससे छिद्रों की उपस्थिति कम हो सकती है.

पेप्टाइड्स और रेटिनॉल का उपयोग

पेप्टाइड्स कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करते हैं और त्वचा की नमी को बढ़ाते हैं, जिससे छिद्रों की उपस्थिति कम हो जाती है. रेटिनॉल एक्सफोलिएट करता है, सीबम को नियंत्रित करता है और कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देता है, जिससे छिद्र छोटे हो जाते हैं और त्वचा की बनावट में सुधार होता है. स्किनकेयर रूटीन में जिन प्रोडक्ट को शामिल करते हैं, उनमें इनकी मौजूदगी को सुनिश्चित करें. डर्मेटोलॉजिस्ट की सलाह से इनका उपयोग त्वचा पर करना बेहतर और सुरक्षित परिणाम दिलाएगा.

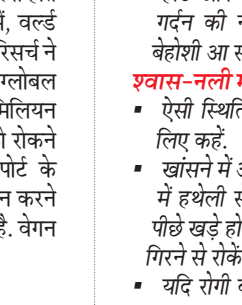

बीपी, शुगर ही नहीं कैंसर से भी बचाती है वीगन डाइट

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट
डाइटीशियन

वीगन डाइट इन दिनों दुनिया भर में बेहद लोकप्रिय हो रही है. अमेरिका में हुई एक रिसर्च के मुताबिक पिछले 3 सालों में वीगन का आंकड़ा 600 प्रतिशत बढ़ा है. वहीं ब्रिटेन में 400% की बढ़ोतरी हुई है. वीगन एसोसिएशन के मुताबिक दुनिया भर में 95 करोड़ लोग वीगन डाइट फॉलो करते हैं. अपने देश में भी बॉलीवुड सेलिब्रिटी समेट बड़ी संख्या में लोग वीगन डाइट अपना रहे हैं.

क्या होती है वीगन डाइट

वीगन डाइट को फॉलो करने वाले जानवरों से मिलने वाला कोई भी खाद्य पदार्थ जैसे मांस, मछली, दूध, दही, घी, पनीर, डेयरी प्रोडक्ट्स, शहद जैसी चीजें नहीं खाते हैं. ये सिर्फ पेड़-पौधों से मिलने वाले फल, सब्जियां, अनाज, मेवे वगैरह खाते हैं.

वेज और वीगन में अंतर

वीगन डाइट सिर्फ और सिर्फ ऐसे खाद्य पदार्थों पर टिकी होती है, जो या तो सीधे पौधों से मिलते हैं या प्लांट बेस्ड फूड से बनाई जाते हैं. वेजिटेरियन अथवा शाकाहारी लोग खानपान में पनीर, मक्खन, दूध, दही, शहद जैसी चीजें भी खाते हैं.

कौन नहीं ले सकते हैं

कुछ लोगों को वीगन डाइट नहीं अपनाने की सलाह दी जाती है. कम वजन है, एनीमिक हैं या फिर हार्मोन में असंतुलन, विटामिन बी 12 की कमी और ओमेगा -3 फैटी एसिड की कमी से जूझ रहे हैं तो वीगन डाइट नहीं अपनाएं. जिन्हें आंतों की समस्या है वे भी इसको लेने से बचें. बच्चों को भी नहीं देना चाहिए. बच्चों को कैल्शियम और आयरन बहुत दरकार होती है और इस डाइट प्लान में इसकी कमी हो सकती है.

कौन ले सकते हैं

जिनका वजन ज्यादा है, उनके लिए यह बढ़िया डाइट प्लान है. जिन्हें लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियां जैसे कि ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और डायबिटीज आदि है तो उन्हें भी डाइटीशियन या चिकित्सक की सलाह से इस डाइट प्लान को अपनाना चाहिए. कई रिसर्च बताते हैं कि प्लांट बेस्ड डाइट में माइक्रो न्यूट्रिएंट्स ज्यादा होते हैं जो इन बीमारियों को न केवल रोकते हैं, बल्कि होने पर इसके दुष्प्रभाव को भी कम करते हैं.

कई तरह के वीगन डाइट

- **होल ग्रेन वीगन डाइट :** इस तरह की डाइट में साबुत अनाज, फलियां, फल, सब्जियां, नट्स और बीज शामिल होते हैं. होल ग्रेन में मैदा, आटा या पास्ता के बजाय साबुत और मिश्रित अनाज लें. इस तरह फल लें, न कि जूस, सब्जियां उबाल कर ऐसे ही खाएं, न कि सूप बना कर.
- **रॉ फूड वेगन डाइट :** इस डाइट में कच्चे फल, कच्ची सब्जियां, नट्स, बीज आदि का सेवन किया जाता है.
- **हाई फैट वीगन डाइट :** इसे कीटो डाइट का उपयोग करने वाले लेते हैं. इसमें हाई फैट डाइट के लिए ऑलिव, सरसों, सोयाबीन तेल लेते हैं.
- **न्यूट्रिटेरी वीगन डाइट :** इसमें ज्यादा हरी सब्जियां लेते हैं. पाचन में दिक्कत वाले लोग इसे न लें.
- **डिटॉक्स वीगन डाइट :** इसमें बहुत से जूस, स्मूदी और स्प्राउट्स होते हैं. अनाज भी होता है.

इन समस्याओं में कारगर

जल्दी वजन घटाने में मददगार

इस डाइट में हरी सब्जियों के साथ फल और नट्स शामिल होते हैं. जिनको वजन घटाना है, उनके लिए यह सर्वोत्तम मानी जाती है जिसमें बॉडी को कैलोरी तो मिलती है, लेकिन फैट जमा नहीं होता. वेगन डाइट में फाइबर और प्रोटीन दोनों शामिल होते हैं.

कैंसर के खतरे को कम करती है

वीगन डाइट में भरपूर विटामिन, फाइबर, फाइटोकेमिकल्स होते हैं. ये हमारे शरीर की कैंसर से रक्षा करते हैं. 2018 में, वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च ने डाइट, न्यूट्रिशन, फिजिकल एक्टिविटी एंड कैंसर : ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव नामक एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें 51 मिलियन लोगों के डेटा का विश्लेषण किया गया. इसमें कैंसर को रोकने के लिए एक वैश्विक खाका तैयार किया गया. रिपोर्ट के अनुसार, एक स्वस्थ आहार और जीवन शैली का पालन करने से लगभग 40% कैंसर के मामलों को रोका जा सकता है. वेगन डाइट इसके लिए बेहतर है.

ब्लड प्रेशर कन्ट्रोल करती है

इस डाइट में ऐसे कोई भी पदार्थ नहीं होते, जिनकी वजह से ब्लड शुगर बढ़े. यही वजह है कि आपकी डाइट हमेशा नियंत्रित रहती है. साथ ही इस डाइट में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट की ज्यादा मात्रा होती हैं, जिससे हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है.

अवसाद व एंग्जायटी

वीगन डाइट में इनमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट्स और ओमेगा 3 पाए जाते हैं. इसलिए इस डाइट को फॉलो करने से डिप्रेशन और एंग्जायटी की समस्या दूर हो जाती है.

ऊर्जा बढ़ाती है

प्रोटीन और आयरन भरपूर वीगन डाइट हमारी ऊर्जा को बढ़ाते हैं. हमें थकावट भी महसूस नहीं होती और शरीर को मजबूती भी मिलती है. इसमें जो आहार लिए जाते हैं, उनमें एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन और मिनरल्स भरपूर होते हैं. लिहाजा शरीर डिटॉक्स होता है और हम स्वस्थ रहते हैं.

जब सांस की नली में अटके सिक्के, कंचे, बीज

जब कोई बाहरी वस्तु (सिक्के, कंचे, बीज, जैसी वस्तुएं) सांस की नली को अवरुद्ध करती हैं, तो यह घातक हो सकता है. ऐसे में फर्स्ट एड की जरूरत होती है. इस स्थिति से निपटना भी आना चाहिए.

रुकावट के लक्षण

- *व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई होती है. वह खांसने की कोशिश करता है.*
- *बोलने में परेशानी का अनुभव करता है. वह अपने गले पर हाथ रखता है.*
- *होंठ और जीभ नीले पड़ सकते हैं. चेहरे और गर्दन की नसें उभर सकती हैं या चक्कर या बेहोशी आ सकती है.*

श्वास-नली में अवरोध पर उपचार

- *ऐसी स्थिति में पीड़ित को बार-बार खांसने के लिए कहें.*
- *खांसने में असमर्थ हो तो पीड़ित के कंधों के बीच में हथेली से पांच बार मारें. इस दौरान रोगी के पीछे खड़े होकर, अपने एक पैर का सहारा देते हुए गिरने से रोकें.*
- *यदि रोगी बच्चा है, तो उल्टा कर पीठ पर बार-बार थपथपाएं.*
- *वयस्क को खड़ा रखकर पीठ थपथपाने एवं खांसने के लिए प्रोत्साहित करने से भी अवरोध खुल सकता है.*
- *यदि अवरोध बना रहे तो जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाएं.*

शिशु की श्वास नली में अवरोध हो तो...

- *बच्चे के सिर और गर्दन को अपनी बांह का सहारा देते हुए अपनी जांघ पर इस तरह उल्टा लिटाएं कि उसका सिर नीचे की तरफ और आपकी बांह के ऊपर रहे.*
- *हथेली से पीठ पर कंधों के बीच में पांच बार थपथपाएं.*
- *बच्चे के सिर को सहारा देते हुए तुरंत पीठ के बल घुमाएं और अपनी बांह पर टिकाएं.*
- *जांचें कि क्या वस्तु बाहर आ गई है.*

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

आईओए की कार्यकारी परिषद की बैठक आज

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) राष्ट्रीय राजधानी में आईओए भवन में गुरुवार को अपनी कार्यकारी परिषद की बैठक आयोजित करेगा. संगठन में पारदर्शिता और सुशासन के लिए बैठक में जिस एजेंडे पर चर्चा की जाएगी, उसमें आईओए की लागत पर अध्यक्ष के कमरे के उन्नयन के संबंध में पेरिस ओलंपिक में किए गए अनधिकृत खर्च शामिल हैं. पेरिस ओलंपिक के प्रायोजन विवरण और पेरिस में खेलों में किए गए अतिरिक्त खर्च पर चर्चा होगी. आईओए के प्रतिनिधियों की क्षमता में विदेश यात्राओं पर लोगों को अनधिकृत रूप से ले जाने , पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित अधिकारियों की सूची पर भी चर्चा होगी .

पीवी सिंधु के सलाहकार कोच बने ली ह्यून इल

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु दक्षिण कोरिया के महान खिलाड़ी ली ह्युन इल को अंतरिम आधार पर अपना सलाहकार कोच बनाएंगी. यह कदम हाल ही में सिंधु के अंतरिम कोच के रूप में अनूप श्रीधर की नियुक्ति के बाद उठाया गया है. दोनों दिसंबर 2024 तक सिंधु की कोचिंग टीम में रहेंगे. उस समय तक स्थायी कोचिंग टीम पर निर्णय होने की उम्मीद है. सिंधु के अक्टूबर में फिनलैंड ओपन और डेनमार्क ओपन में प्रतिस्पर्धी कार्रवाई में लौटने की उम्मीद है.

शांग ने जीता चेंगदू ओपन का खिताब

चेंगदू (चीन)। चीनी टेनिस खिलाड़ी शांग जुनचेंग ने मंगलवार को एटीपी चेंगदू ओपन में इतिहास रच दिया. उन्होंने इटली के शीर्ष वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी को 7-6(4), 6-1 से हराकर अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता. मैच के बाद, शांग ने घरेलू धरती पर अपना पहला खिताब जीतने पर अपनी खुशी व्यक्त की. 19 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, "यह रात अद्भुत है.आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद. अगले साल मिलते हैं!" उभरते सितारे शांग 2021 में यूएस ओपन जूनियर उपविजेता रहे और 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया.

अरविंद चिदंबरम ने ली विदित गुजराती की जगह

नई दिल्ली। अजरबैजान में 25 से 30 सितंबर तक होने वाले 10वें वुगर गाशिमोव मेमोरियल शतरंज सुपर टूर्नामेंट में विदित गुजराती की जगह अरविंद चिदंबरम को शामिल किया जाएगा. विदित पिछले साल हमवतन अर्जुन एरिगैसी से बेहतर प्रदर्शन करने के बाद गत विजेता हैं, उनकेर 22 अंक थे, जबकि अर्जुन के 21.5 अंक थे. वे भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे, जिसमें डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन शामिल थे, जिसने ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण जीता था. चेसबेस इंडिया के अनुसार, 29 वर्षीय यह खिलाड़ी बाकू पहुंचे.

डब्ल्यूटीए 1000 वुहान में खेलेंगी इगा स्विएटेक

वारसॉ। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक, जो व्यक्तिगत कारणों से सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से चूक गई थीं, डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में खेलेंगी, टेनिस खिलाड़ी के प्रबंधक ने मंगलवार को पोलिश मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में इसकी पुष्टि की. सितंबर की शुरुआत में, 23 वर्षीय खिलाड़ी यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से 6-2, 6-4 से हार गई थी. फिर उन्होंने सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया. स्विएटेक की पीआर पाउला वोलेका ने पोलिश मीडिया को बताया,"अगला टूर्नामेंट जिसके लिए इगा ने पंजीकरण कराया है, वुहान में होने वाली प्रतियोगिता है.

रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट करियर का छठा शतक जड़ा और दूसरी पारी में छह विकेट भी चटकाए

वन डे में शेन वॉर्न को पीछे छोड़ने वाले अश्विन तोड़ सकते हैं कुछ और रिकार्ड

एजेंसी. कानपुर

बांग्लादेश को चेन्नई टेस्ट में हराने में भारत के दिग्गज गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अहम भूमिका निभाई. इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने टेस्ट करियर का छठा शतक (113) जड़ा और फिर दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए. इसकी बदौलत टीम इंडिया 280 रन से जीतने में कामयाब रही. यह अश्विन के टेस्ट करियर का 37वां पांच विकेट हॉल रहा और उन्होंने इस मामले में महान शेन वॉर्न की बराबरी की. अब उनसे सिर्फ श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन आगे हैं. अब भारत को बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में दूसरा टेस्ट खेलना है और वहां परिस्थिति स्पिन गेंदबाजों को मदद कर सकती है. ऐसे में अश्विन कहर बरपा सकते हैं. ऐसे सात रिकॉर्ड हैं जो अश्विन कानपुर टेस्ट में बना सकते हैं. भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से शुरू हो रहा है.

1. टेस्ट मैचों की चौथी पारी में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय : अश्विन पहले से ही एक टेस्ट की चौथी पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं. हालांकि, एक विकेट लेते ही वह टेस्ट की चौथी पारी में 100 विकेट पूरे कर लेंगे और वह इस मुकाम को छूने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे. ओवरऑल वह ऐसा करने वाले छठे गेंदबाज बनेंगे. चेन्नई में अश्विन ने इस मामले में महान अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा था. कुंबले ने चौथी पारी में 94 विकेट लिए थे, जबकि अश्विन के नाम 99 विकेट हैं. 60 विकेट के साथ बिशन सिंह बेदी तीसरे स्थान पर हैं.

2. चौथी पारी में दूसरा सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल

अश्विन ने चेन्नई में सातवीं बार किसी एक टेस्ट की चौथी पारी में पांच या इससे ज्यादा विकेट लिए. इस मामले में उन्होंने शेन वॉर्न और मुथैया मुरलीधरन की बराबरी की. अश्विन के पास कानपुर में वॉर्न और मुरलीधरन को पीछे छोड़ने का मौका होगा. उनसे आगे सिर्फ श्रीलंका के पूर्व स्पिनर रंगना हेराथ हैं. हेराथ ने टेस्ट की चौथी पारी में 12 बार फाइव विकेट हॉल लिया है.

3. भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

अश्विन के पास भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है. इस लिस्ट में सबसे ऊपर जहीर खान हैं. उन्होंने 31 विकेट लिए थे. अश्विन को भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने के लिए सिर्फ तीन और विकेटों की जरूरत है. अश्विन 29 विकेट के साथ लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं.

4. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के वर्तमान सत्र में सबसे ज्यादा विकेट झटका

अश्विन के पास विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका भी है. उन्होंने अब तक इस चक्र में 48 विकेट लिए हैं. उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड हैं. चार और विकेट लेते ही अश्विन हेजलवुड को पीछे छोड़ देंगे.

5. टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल

अश्विन ने अब तक 37 बार टेस्ट में फाइव विकेट हॉल निकाले हैं. इस मामले में वह शेन वॉर्न की बराबरी पर हैं. कानपुर टेस्ट में एक और पारी में पांच विकेट लेते ही वह वॉर्न को पीछे छोड़ देंगे. तब उनसे आगे सिर्फ मुथैया मुरलीधरन होंगे, जिन्होंने टेस्ट में 67 फाइव विकेट लिए थे.

6. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

अश्विन को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन से आगे निकलने के लिए आठ और विकेटों की जरूरत है. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत 2019 में हुई थी और तब से लियोन ने 187 विकेट लिए हैं, जबकि अश्विन 180 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं. अश्विन लियोन को पीछे छोड़ सकते हैं.

7. टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

अगर अश्विन (522) कानपुर टेस्ट में आठ विकेट लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में लियोन (530) को पछाड़कर सातवां स्थान हासिल कर लेंगे. इस लिस्ट में उनसे ऊपर तब मुरलीधरन, वॉर्न, एंडरसन, कुंबले, ब्रॉड और मैक्ग्रा रह जाएंगे.

भारतीय टीम ने सीरीज पर 1-0 की बढ़त बनाई

कानपुर टेस्ट में विराट-रोहित की वापसी पर रहेंगी नजरें

खास बातें

- सीरीज का दूसरा मैच कानपुर में 27 सितंबर से
- कानपुर में पिच के मिजाज का कोइ भरोसा नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा. इससे पहले चेपॉक में हर पैमाने पर भारतीय टीम ने खुद को साबित किया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई. आर.अश्विन टॉप परफॉर्मर रहे जबकि ऋषभ पंत, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा ने भी अपनी छाप छोड़ी. वहीं, सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला खामोश रहा. कानपुर में पिच काली मिट्टी की होगी. इस पिच का मिजाज कब बदल जाए कुछ कहा नहीं जा सकता. चेपॉक में लाल मिट्टी वाली पिच पर स्पिनरों का दबदबा रहा.

कानपुर पहुंच चुकी है दोनों टीमें

लेकिन अब काफिला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम पहुंच चुका है. यहां हुए पिछले मुकाबलों को देखा जाए, तो अभी तक यहां अधिकतर हुए टेस्ट मुकाबलों में गेंद की उछाल कम आंकी गई है. लेकिन पिच का कायाकल्प होने के बाद तेज गेंदबाज भी हावी दिखे, जिसमें खतरनाक बाउंसर भी बल्लेबाजों के लिए परेशानी का सबब बन जाती है. यहां शुरुआत में स्पिन का बोलबाला रहेगा और यहां बल्लेबाजों को संभालने की जरूरत होगी क्योंकि दोनों टीमों में कई धुरंधर स्पिनर शामिल हैं. हालांकि, चेपॉक में भारतीय मिडिल ऑर्डर ने बल्लेबाजी का जिम्मा उठाया था लेकिन इस बार टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों जिसमें खास तौर पर रोहित शर्मा और विराट कोहली को अपने अनुभव और नाम के मुताबिक प्रदर्शन करना होगा. कानपुर में मौजूदा टीम इंडिया के अधिकतर खिलाड़ियों ने 1-1 टेस्ट मैच खेला है. विराट और रोहित के नाम यहां टेस्ट शतक भी है. ऐसे में टीम और फैंस की उम्मीदें उनसे बढ़ गई है.

ग्रीन पार्क की पिच अधिक सपाट होगी

ऐसा अनुमान है कि चेन्नई में सतह से मिली उछाल की तुलना में ग्रीन पार्क की पिच अधिक सपाट होगी और टेस्ट के आगे बढ़ने के साथ ही उछाल भी कम होती चली जाएगी. चेन्नई की लाल मिट्टी वाली पिच पर नियमित उछाल देखने को मिली थी और इसी वजह से दोनों टीमें तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनर के साथ मैदान में उतरी थीं. भले ही पिच पर अधिक टर्न नहीं मिल रही थी लेकिन स्पिनर्स के लिए उछाल पर्याप्त थी. रवींद्र जडेजा और आर अश्विन ने इसकी मिसाल भी पेश की और बांग्लादेश की दूसरी पारी में दोनों ने मिलकर नौ विकेट चटकाए. कानपुर की पिच के धीमा होने की संभावना को देखते हुए दोनों टीमें अपनी रणनीति और चयन में बदलाव ला सकती हैं. तीसरे तेज गेंदबाज की जगह एक अतिरिक्त स्पिनर ले सकता है. भारतीय टीम में कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक की जगह बन सकती है. एक तरफ भारत की नजर ये मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, जबकि मेहमान टीम हर हाल में कानपुर टेस्ट जीतकर सीरीज ड्रॉ कराना चाहेगी. सीरीज जीत के साथ रोहित ब्रिगेड के पास कई बड़े रिकॉर्ड बनाने का मौका है, जिसमें टीम और व्यक्तिगत रिकॉर्ड शामिल है.

दिल्ली में हॉकी पुनर्जीवित होगी: हरमनप्रीत

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा कि यह श्रृंखला राजधानी में हॉकी की भावना को पुनर्जीवित करेगी. दो मैचों की श्रृंखला 23 और 24 अक्टूबर को प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेली जाएगी. यह श्रृंखला एक दशक के बाद राजधानी में पुरुषों की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी को चिह्नित करेगी, जिसका अंतिम मैच जनवरी 2014 में हॉकी विश्व लीग फाइनल - पुरुष राउंड 4 के दौरान खेला गया था. आगामी श्रृंखला को लेकर हरमनप्रीत ने कहा, "इतने सालों के बाद दिल्ली में घरेलू प्रशंसकों के सामने खेलना एक टीम के रूप में हमारे लिए वास्तव में विशेष है. मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में बहुत सारे इतिहास और यादें हैं और यहां टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान होगा. अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने की ऊर्जा बेजोड़ है, और मुझे पता है कि प्रशंसक हमारा समर्थन करने के लिए बड़ी संख्या में आएंगे. उन्होंने आगे कहा, "जर्मनी विश्व हॉकी में शीर्ष टीमों में से एक है, और उनके खिलाफ खेलना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होगी. यह हमारी तैयारी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आगे आने वाले प्रमुख टूर्नामेंटों के लिए तैयार हैं. हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और यह श्रृंखला हमें एक बहुत मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने का अवसर देगी."

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी पर हरमनप्रीत ने कहा, "दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच की मेजबानी किए हुए एक दशक से अधिक समय हो गया है और हम इस खेल को राजधानी में वापस लाने के लिए उत्साहित हैं. यह श्रृंखला केवल दो टीमों के खेलने के बारे में नहीं है. यह दिल्ली में हॉकी की भावना को पुनर्जीवित करने के बारे में है. हमें उम्मीद है कि यह क्षेत्र के अधिक युवा खिलाड़ियों को खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी."

ग्लोबल शतरंज लीग प्रशंसकों के लिए शानदार टूर्नामेंट : निहाल

लंदन। ग्लोबल शतरंज लीग का दूसरा सीजन जल्द शुरू होने वाला है. इस बीच भारतीय ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन ने कहा कि खेल प्रशंसकों का ध्यान लीग की ओर खींचने के लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं. दूसरा सीजन 3 से 12 अक्टूबर के बीच लंदन में होगा और निहाल, जो इस वर्ष नवोदित खिलाड़ी के रूप में वापसी करेंगे, उनका मानना है कि वह टूर्नामेंट की प्रकृति का लुत्फ उठाते हैं. 20 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, "मैं टूर्नामेंट में वापसी को लेकर काफी उत्साहित हूं, खासकर यह देखते हुए कि पिछले साल सब कुछ कैसा रहा था. इस साल सभी शीर्ष खिलाड़ी भी खेल रहे हैं और इसलिए मैं इसके लिए उत्सुक हूं." अपने पहले सीजन में ग्लोबल शतरंज लीग ने काफी लोकप्रियता हासिल की.

टीम में तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी की वापसी

- इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पाक टीम घोषित

एजेंसी । फैसलाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान में 7-11 अक्टूबर तक होने वाले पहले टेस्ट के लिए स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी को वापस बुलाया है. चयनकर्ताओं ने मंगलवार को 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की, जिसमें चोटिल खुर्रम शहजाद की जगह बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली को शामिल किया गया है. बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद आफरीदी को टीम से बाहर कर दिया गया था. बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को शुरुआती टेस्ट में पाकिस्तान की हार का एक कारण माना जा रहा था, क्योंकि चुने गए चार तेज गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में विफल रहे थे. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया, "टीम की घोषणा के बाद और मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी की सिफारिश के आधार पर, चयनित खिलाड़ियों को चैंपियंस वन-डे कप प्लेऑफ से हटा दिया गया है, ताकि उन्हें सीरीज से पहले कुछ आराम मिल सके.

बेन स्टोक्स सफेद गेंद से वापसी के लिए तैयार

- मैकुलम ने इंग्लैंड में नए युग की शुरुआत की

एजेंसी । नई दिल्ली

इंग्लिश टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि अगर ब्रेंडन मैकुलम उन्हें इंग्लैंड की फिर से शुरू की गई व्हाइट-बॉल टीमों के लिए खेलने के लिए वापस आने के लिए कहते हैं, तो "निश्चित रूप से उनकी हाँ" होगी, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अभी तक ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है, क्योंकि उनका ध्यान अगले महीने पाकिस्तान के टेस्ट दौरे की अगुआई करने के लिए समय पर फ़िट होने पर है. 33 वर्षीय स्टोक्स ने 2019 में लॉर्ड्स और 2022 में मेलबर्न में इंग्लैंड की विश्व कप फाइनल जीत में से प्रत्येक में मैच जीतने वाली पारियाँ खेली थीं, लेकिन पिछले साल नवंबर में भारत में एकदिवसीय टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से उन्होंने व्हाइट-बॉल अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. हालाँकि, अगले प्रमुख आईसीसी इवेंट, चैंपियंस ट्रॉफी के साथ, जो फरवरी में तेज़ी से नज़दीक आ रहा है, इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में स्वीकार किया कि स्टोक्स और जो रूट दोनों पर विचार किया जा रहा है.

स्टोक्स ने पहले 2022 में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, क्योंकि उन्हें तेजी से बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में थकान महसूस हो रही थी.

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ रोका

एजेंसी। इंग्लैंड

हैरी ब्रूक (94 गेंदों पर नाबाद 110) ने अपना पहला वनडे शतक जड़ा, जिससे इंग्लैंड ने चेस्टर-ले-स्ट्रीट में तीसरे वनडे में डीएलएस पद्धति से 46 रनों की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के इस प्रारूप में लगातार 14 मैचों के जीत के सिलसिले को रोक दिया. इंग्लैंड 254-4 रन बनाकर जीत की ओर अग्रसर था, उसे 74 गेंदों पर 51 रनों की जरूरत थी, तभी चेस्टर-ले-स्ट्रीट में बारिश ने मैच को रोक दिया. इस परिणाम के साथ ही इंग्लैंड की इस प्रारूप में अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ लगातार सात मैचों की हार का सिलसिला भी खत्म हो गया. एलेक्स कैरी के नाबाद 77 रन और स्टीव स्मिथ (82 गेंदों पर 60 रन) की दमदार अर्धशतकीय पारी तथा कैमरून ग्रीन (49 गेंदों पर 42 रन) और आरोन हार्डी (26 गेंदों पर 44 रन) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 305 रनों का लक्ष्य रखा. आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार जवाब में, इंग्लैंड बैकफुट पर दिख रहा था क्योंकि उसने शुरुआती दो ओपनर फिल साल्ट और बेन डकेट को मिशेल स्टार्क के हाथों खो दिया था. लेकिन ब्रूक और विल जैक्स (84) के बीच 156 रनों की साझेदारी ने मेजबान टीम के लिए स्थिति बदल दी. इसके बाद ब्रूक के साथ लियाम लिविंगस्टोन भी शामिल हुए, जिन्होंने 20 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और मेजबान टीम को बारिश के कारण डीएलएस पार स्कोर से आगे निकलने में मदद की,

हैरी ने लगाया वनडे में पहला शतक

ऐलान

रणजी ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों पर गौतम का गंभीर असर

12 साल बाद विराट कोहली खेलेंगे रणजी ट्रॉफी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने अचानक दिल्ली टीम का ऐलान किया है. टीम में विराट कोहली की वापसी हुई है, जबकि सीनियर टेस्ट टीम में खेल रहे उनके साथी ऋषभ पंत का नाम भी है. दिल्ली टीम में कुल संभावित 84 खिलाड़ियों का नाम है, जिनमें से एक टीम चुनी जाएगी. हालांकि, विराट कोहली का लिस्ट में नाम होना हैरान करने वाला है. वह 2012 के बाद से दिल्ली के लिए नहीं खेले हैं.

विराट कोहली को आखिरी बार भुवी के बने थे शिकार : विराट कोहली ने आखिरी बार नवंबर 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था, जबकि 14 और 42 रन की पारी खेली थी. उन्हें दोनों ही पारियों में भुवनेश्वर कुमार ने आउट किया था. विराट कोहली ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 146 मैच खेलते हुए 49.86 के धांसू औसत से 36 सेंचुरी और 38 हाफ सेंचुरी ठोकते हुए 11,120 रन बनाए हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 254 रन है. बता दें कि विराट फिलहाल भारतीय टीम के साथ बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं. रणजी ट्रॉफी में दिल्ली को पहला मैच छत्तीसगढ़ के खिलाफ ग्रुप-डी में 11 अक्टूबर से खेलना है. यह मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ संभावित बेंगलुरु टेस्ट से कुछ ही दिन पहले है. कीवी टीम के खिलाफ भारत को 16 अक्टूबर से खेलना है. अब देखने वाली बात यह है कि क्या कोहली डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने उतरेंगे या नहीं!

विराट कोहली ही नहीं, ये बड़े नाम भी शामिल हैं

संभावित प्लेयर की लिस्ट में विराट कोहली के अलावा ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, आयुष बडोनी, अनुज रावत और यश ढुल जैसे खिलाड़ियों का नाम है. माना जा रहा है कि यह टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर का असर है. वह कोच बनने से पहले से ही इंटरनेशनल क्रिकेटरों के डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने पर जोर दिया करते थे .दूसरी ओर, राहुल द्रविड़ ने भी हेड कोच रहते इस बात पर जोर दिया था. यही वजह है कि ईशान किशन और श्रेयस अय्यर पर एक्शन भी लिया गया था. हालांकि, ईशांत शर्मा का नाम नजर नहीं आया.

अंतिम एटीपी फाइनल्स में खेलेंगे कार्लोस

एजेंसियां । नई दिल्ली

कार्लोस अल्काराज ने नवंबर में ट्यूरिन में होने वाले सत्र के अंतिम एटीपी फाइनल्स में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है, इसी के साथ वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर और दो बार के चैंपियन अलेक्जेंडर ज़ेवेरेव के साथ इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं.

21 वर्षीय अल्काराज ने इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीतकर अपने ग्रैंड स्लैम की संख्या चार कर ली है, इससे पहले उन्होंने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था.

स्पेन के तीसरे नंबर के खिलाड़ी, जिन्होंने इंडियन वेल्स का खिताब भी जीता है, ने लगातार तीसरे साल सीजन के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है और पिछले साल सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य रखेंगे.

पेट की चोट के कारण उन्हें 2022 के संस्करण से बाहर होना पड़ा. पिछले साल के उपविजेता सिनर ने मॉन्ट्रियल क्वार्टर फाइनल में अपनी दौड़ के दौरान अगस्त में क्वालीफाई किया, जबकि 2018 और 2021 के चैंपियन ज़ेवरेव ने इस महीने यू.एस. ओपन के अंतिम आठ में जगह बनाकर अपना स्थान अर्जित किया. एटीपी फ़ाइनल, जिसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आठ एकल खिलाड़ी और युगल टीमें शामिल हैं, जो अलग-अलग रेस टू ट्यूरिन रैंकिंग द्वारा निर्धारित की जाती हैं, 10-17 नवंबर तक चलेंगी.

ब्रीफ खबरें

सीतामढ़ी में शॉपिंग मॉल में लगी आग

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी के डुमरा रोड स्थित ट्रेड मार्ट शॉपिंग जंक्शन मॉल में बुधवार की सुबह करीब पांच बजे भीषण आग लग गई. आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी. सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई. कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक मॉल में रखी लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो चुकी थी. आग से हुई क्षति का अनुमान 50 लाख रुपये से अधिक है.

दुष्कर्म मामले में 20 साल की सजा

सहरसा । सहरसा जिले के सौरबाजार थानाक्षेत्र में दर्ज पॉक्सो अधिनियम के तहत कांड संख्या-131/22 में आरोपी भुवन यादव को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 50,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है. यह सजा अपर सत्र न्यायाधीश-06 सह विशेष न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम, कृष्ण कुमार चौधरी की अदालत ने मंगलवार को सुनाई. जानकारी के मुताबिक, आरोपी भुवन यादव सौरबाजार थानाक्षेत्र के धोघन पट्टी गांव का निवासी है. उस पर धारा 366ए और पॉक्सो के तहत मुकदमा चला. जिसमें अदालत ने 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी. साथ ही, 50,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया.

दीनदयाल जी की जयंती पर सीएम ने दी श्रद्धांजलि

पटना । मुख्यमंत्री कुमार ने स्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर राजेन्द्र नगर, रोड नम्बर-3 स्थित पार्क में आयोजित राजकीय समारोह में स्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता सह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार, प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल, मंत्री महेश्वर हजारी, गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान, विधायक अरूण सिन्हा, संजय सिंह उर्फ गांधीजी, प्रधान सचिव ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

रोहिणी ने सीएम पर कसा तंज, बोलीं- चाचा जी के यहां सिर-फुटव्वल जारी है, चहेते प्यादे का सवाल भारी है

पटना । मंत्री अशोक चौधरी की 'बढ़ती उम्र' कविता पर सियासी घमासान जारी है. अब रोहिणी आचार्या ने सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसा है. सोशल मीडिया पर रोहिणी ने सीएम को चाचा जी और मंत्री को चाचा जी के चहेते प्यादे कहकर संबोधित किया. इतना ही नहीं रोहणी ने लिखा कि सीएम की बेबसी और लाचारगी पर अफसोस है. चाचा जी के यहां सिर-फुटव्वल जारी है, विडंबना तो देखिए, अब तो चाचा जी की ही बढ़ती उम्र पर उनके ही चहेते प्यादे द्वारा उठाया गया सवाल बड़ा भारी है!! कहीं ऐसा तो नहीं कि जुगाड़ की मदद से खड़े किए गए चाचा जी के खेमे के अब बिखरने की बारी है!! जारी उठापटक पर चाचा जी की चुप्पी उनकी लाचारी दर्शाती है. रोहिणी का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

जितिया स्नान के दौरान औरंगाबाद में हुआ बड़ा हादसा

तालाब में डूबने से आठ बच्चों की मौत

संवाददाता । औरंगाबाद

औरंगाबाद में जितिया स्नान के दौरान बुधवार को एक बड़ी घटना घटी है. तालाब में स्नान करने के दौरान डूबने से 8 बच्चों की मौत हो गई जबकि एक बच्ची को ग्रामीणों ने बचा लिया. घटना के बाद बारुण और मदनपुर में शोक की लहर दौड़ गई है. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों की मदद से शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया जहां जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के निर्देश और एसडीएम संतन कुमार सिंह की उपस्थिति में शवों के पोस्टमार्टम किया जा रहा है.

मिली जानकारी के अनुसार बारुण प्रखंड के इठहट गांव में जितिया पर्व को लेकर पांच बच्चे तालाब में स्नान करने गए थे और स्नान के दौरान सभी एक-एककर फिसल गए. स्थानीय बच्चों के शोर मचाए जाने पर कई ग्रामीण तालाब में कूद पड़े, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका. मृतक बच्चों की पहचान गौतम सिंह की 9 वर्षीय पुत्री और 11 वर्षीय पुत्री, गुड्डू सिंह की 12 वर्षीय पुत्री, मनोज सिंह की 10 वर्षीय पुत्री शामिल है जबकि धीरज सिंह की 16 वर्षीय पुत्री को बचा लिया गया.

अस्पताल में लगी भीड़

वहीं, मदनपुर के तालाब में डूबने से उपेंद्र यादव के 10 वर्षीय पुत्र, वीरेंद्र यादव की 12 वर्षीय पुत्री, युगल किशोर की 13 वर्षीय पुत्री , सरोज कुमार यादव की 12 वर्षीय पुत्री शामिल है जबकि इस हादसे में जयपाल यादव की 13 वर्षीय पुत्री को ग्रामीणों ने बचा लिया.

वहीं, एसडीएम ने बताया कि मृतक के परिजनों को मुआवजा की राशि देने की कार्यवाही की जा रही है. इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया है. मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. भारी संख्या में गांव में पुलिस बल की तैनाती की गई है.

नदी में डूबने से किशोरी की मौत, मचा हड़कंप

नालंदा । नालंदा में नदी में डूबने से एक किशोरी की मौत हो गई. यह मामला मानपुर थानाक्षेत्र के जिरायन नदी से जुड़ा है. मृतका की पहचान मानपुर थानाक्षेत्र के इचौरा गांव निवासी बाबूलाल मांझी की बेटि स्मृति कुमारी (12) के रूप में की गई है. बुधवार की सुबह परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे. घटना को लेकर मृतका के परिजन ने बताया कि स्मृति मंगलवार को गांव की सहेलियों के साथ जिरायन नदी में नहाने गई थी. स्नान करने के दौरान स्मृति और उसकी अन्य सहेलियां गहरे पानी में चली गईं. किसी तरह से उसकी सहेलियों ने खुद की जान बचाई और गांव आकर घटना की जानकारी दी. नदी की तेज धार में स्मृति के बह जाने की सूचना पर ग्रामीण एकत्रित हुए और खोजबीन शुरू कर दी गई. इसके बाद एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया. चार-पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी स्मृति का कहीं अता-पता नहीं चल पाया.

गर्भवती महिला को लगे 70 टांके

सनकी पति ने पत्नी को पेचकस व छुरी से गोदकर किया अधमरा

- एक साल पहले ही उसकी शादी रवि के साथ हुई थी

संवाददाता । बक्सर

बक्सर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक निर्दयी पति ने अपनी पत्नी के साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं. शख्स ने अपनी गर्भवती पत्नी को पेचकस और पिलास से गोद कर अधमरा कर दिया. घटना के बाद मरणासन्न स्थिति में उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे 70 टांके लगाए गए. उधर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के पति रवि चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है. मामला मंगलवार की रात की है.

गर्भवती पत्नी पर किया जानलेवा हमला : जानकारी के मुताबिक जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेय पट्टी गांव में रवि चौधरी नाम के एक व्यक्ति ने अपनी गर्भवती पत्नी को आपसी विवाद की वजह से पेचकस, छुरी और पिलास से गोदकर अधमरा कर दिया. महिला की उम्र 23 साल है और एक साल पहले ही उसकी शादी रवि के साथ हुई थी. रवि चौधरी ने अपनी पत्नी को पहले कमरे में बंद किया और उसकी जमकर पिटाई की. उसके बाद उस पर धारदार सामान से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया.

बेरोजगार है पति रवि कुमार चौधरी : डॉक्टर ने बताया कि महिला गर्भवती है, अंतिम समय चल रहा है. देखने से नुकीले धारदार किसी चीज से इसे मारा गया है. वहीं इस मामले को लेकर पड़ोसी दिलीप कुमार ने बताया कि शोर शराबा सुनकर हम लोग वहां पहुंचे, तो देखा की अपनी पत्नी को रवि कुमार चौधरी ने पेचकस, छुरी और पिलास से मारा है. महिला को लेकर हमलोग सदर अस्पताल पहुंचे हैं. रवि कुमार चौधरी कमाता भी नहीं है. अस्पताल में डॉक्टरों ने कम से कम 70 टांके लगाए हैं. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

मिथिला यूनिवर्सिटी पर 20 करोड़ रुपये गबन का आरोप

भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची विजिलेंस की टीम

दरभंगा । दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विवि में प्रश्न पत्र की छपाई और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में करोड़ों की राशि गबन को लेकर दर्ज प्राथमिकी के मामले की जांच निगरानी की टीम डीएसपी सह निगरानी केस के अनुसंधानकर्ता चंद्रभूषण के नेतृत्व में कर रही है. बताया जा रहा है कि 20 करोड़ से अधिक को सरकारी गबन की प्राथमिकी तत्कालीन कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्तीय सलाहकार, वित्त पदाधिकारी सहित कई अन्य अधिकारियों के खिलाफ गबन की प्राथमिकी दर्ज की गई थी. बता दें कि तत्कालीन कुलपति डॉ. सुरेंद्र प्रताप सिंह और कुलसचिव प्रो मुश्ताक अहमद, वित्तीय सलाहकार कैलाश राम, वित्त पदाधिकारी फजले रहमान, कॉलेज निरीक्षक अशोक कुमार मेहता, भू-संपदा पदाधिकारी कामेश्वर पासवान, कनीय अभियंता केशव कुमार, एसएम इकबाल से निगरानी टीम बुधवार को पूछताछ होगी. बताया जाता है 2021 में रोहित कुमार ने सूचना के अधिकार के तहत निगरानी में ललित नारायण मिथिला विवि में भ्रष्टाचार कर सरकारी राशि के गबन किये जाने की शिकायत दर्ज कराई थी.

पिंडदान करने गया पहुंचे भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी

गया । गया धाम में इन दिनों पितरों का महापर्व चल रहा है. इसी क्रम में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी गया धाम पहुंचे. यहां दामोदर पाण्डेय के नेतृत्व में उनके परिजनों का पिंडदान कराया गया. इस मौके पर विष्णुपद मंदिर प्रांगण स्थित हनुमान मंदिर में और अक्षयवट में मोक्ष और उद्धार की कामना के साथ अपने पूर्वजों का पिंडदान किया है. दोनों स्थानों पर पिंडदान करने के बाद विष्णुपद मंदिर के गर्भ गृह में विशेष पूजा-अर्चना की.

बच्चों के सामने ही पति ने पीट कर पत्नी की हत्या कर दी

नवादा के बीघा गांव के कोनीबर टोले की घटना

संवाददाता । नवादा

नवादा में एक पति ने अपनी पत्नी की बुधवार को पीट-पीटकर हत्या कर दी. हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. बच्चों के रोने-चीखने की आवाज सुन जब पड़ोसी पहुंचे, तब हत्या का खुलासा हुआ. महिला तीन बच्चों की मां बताई जा रही है, जिसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है. ये घटना नवादा नगर थाने क्षेत्र के शिव नारायण बीघा गांव के कोनीबर टोले की बताई जाती है. ससुराल वालों द्वारा शव जलाने की सूचना पर मायके वालों ने डायल 112 को जानकारी दी, जिसकी सूचना मिलते ही थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को घर से बरामद किया. वहीं, पुलिस ने दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. मृतका 38 वर्षीय फूलवंती देवी शिवनारायण बीघा गांव के कोनीवर टोले के निवासी सुनील मंझी की पत्नी थी. वह दो बेटी और एक बेटे की मां बतायी जाती है. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ अनोज कुमार और नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से खून लगा बांस का एक डंडा भी बरामद किया है.

फॉरेंसिक टीम ने कई सैंपल एकत्रित किए

अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित लोगों और आसपास के लोगों से घटना के बारे में पूछताछ की है और तत्काल फॉरेंसिक टीम बुलायी है. इसके साथ ही कई सैंपल भी इकट्ठे किए गये हैं. मायके वालों द्वारा पति सुनील मांझी पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने का आरोप लगा है. घटना के बाद से आरोपी पति फरार है. उसके खिलाफ मामला दर्ज कर छापेमारी शुरू कर दी गई है.

कारोबार

एडीबी ने बुधवार को जारी अपने सितंबर एशियाई डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ) में कहा

आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7% पर रखा बरकरार

एजेंसी । नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है. एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को सात फीसदी पर बरकरार रखा है. एजेंसी ने कहा कि भारत की वृद्धि संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं. एडीबी ने बुधवार को जारी अपने सितंबर एशियाई डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ) में कहा कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी वृद्धि 7 फीसदी और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है. एडीबी के दोनों ही एडीओ अप्रैल 2024 के पूर्वानुमान के बराबर हैं. एडीबी के मुताबिक बेहतर कृषि उत्पादन तथा उच्च सरकारी व्यय से आने वाली तिमाहियों में भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है. एजेंसी ने कहा कि निर्यात पहले के अनुमान से अधिक रहेगा, जिसका श्रेय सेवाओं के निर्यात में वृद्धि को जाता है. हालांकि, एडीबी ने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु निर्यात वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रहेगी.

एजेंसी ने कहा कि निर्यात पहले के अनुमान से अधिक रहेगा, जिसका श्रेय सेवाओं के निर्यात में वृद्धि को जाता है.

उल्लेखनीय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है. एक दिन पहले एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की विकास दर अनुमान को 6.8 फीसदी पर रखा बरकरार है, जबकि मूडीज रेटिंग्स ने पिछले महीने कैलेंडर वर्ष 2024 में 7.2 फीसदी और कैलेंडर वर्ष 2025 में 6.6 फीसदी की दर से जीडीपी बढ़ने का अनुमान जताया था.

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले-

सिडनी में व्यापार संवर्धन कार्यालय खोलेगा भारत

- वाणिज्य मंत्री बोले-मेक इन इंडिया को मिली है शानदार सफलता

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में व्यापार संवर्धन के लिए एक कार्यालय खोलने की घोषणा की है. इस कार्यालय में इनवेस्ट इंडिया, एनआईसीडीसी, ईसीजीसी, व्यापार एवं पर्यटन से जुड़े अन्य अधिकारियों के साथ-साथ सीआईआई के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. गोयल ने कहा कि मेक इन इंडिया को शानदार सफलता मिली है. मंत्री ने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री महामहिम डॉन फैरेल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ये कार्यालय दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों के बीच सेतु का काम करेंगे. गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार, निवेश, पर्यटन और प्रौद्योगिकी में साझेदारी को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है.

गोयल ने कहा कि भारत आज 'मेक इन इंडिया' के 10 साल पूरा होने का जश्न मना रहा है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए संपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान किया है. इसमें बुनियादी ढांचे के लिए 'प्लग एंड प्ले', अनुमोदन के लिए एकल खिड़की प्रणाली, अनुपालन बोझ को कम करने, कानूनों को अपराधमुक्त करने, नए क्षेत्रों में एफडीआई खोलने और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के प्रावधान प्रदान किए गए हैं.

मनबा का आईपीओ दो दिनों में काफी बढ़ा

नयी दिल्ली । मनबा फाइनेंस लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ के लिए बोली लगाने का बुधवार को आखिरी दिन रहा. दो दिन में मनबा फाइनेंस का आईपीओ टोटल 73.65 गुना सब्सक्राइब हुआ. रिटेल कैटेगरी में यह इश्यू 71.01 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 4.15 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 172.49 गुना सब्सक्राइब हुआ. 30 सितंबर को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे. इस इश्यू के जरिए टोटल 150.84 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है.

जमशेदपुर में कंपनी ने उत्पादों का बढ़ावा दिया

जमशेदपुर । ब्यूटी गैराज प्रोफेशनल, मेड-इन-इंडिया ब्रांड, बहुप्रतीक्षित डीसी लाउंज और आईडी सैलून के सॉकर मैच के लिए अपने समर्थन की घोषणा करते हुए रोमांचित है. जमशेदपुर में होने वाला यह रोमांचक कार्यक्रम समुदाय, टीमवर्क और भारत में उभरते सैलून उद्योग का एक जीवंत उत्सव होने का वादा करता है. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनन्या मित्तल, डिप्टी कमिश्नर, पूर्वी सिंहभूम का स्वागत किया गया. उन्होंने कहा कि कंपनी में हम सहयोग और समुदाय की शक्ति में विश्वास करते हैं.

हुंडई मोटर्स इंडिया का आईपीओ बहुत जल्द

मुंबई । मार्केट रेगुलेटर सेबी से मंजूरी मिलने का बाद हुंडई मोटर्स इंडिया इंडियन मार्केट में अब तक का सबसे बड़ा इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अगले महीने अक्टूबर में आईपीओ ला सकती है. हुंडई ने आईपीओ लाने के लिए जून 2024 में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल किए थे. कंपनी आईपीओ के जरिए करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाने पर विचार कर रही है, जिसके लिए कंपनी एक भी नए शेयर इश्यू नहीं करेगी. कंपनी के मौजूदा निवेशक और प्रमोटर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए अपने शेयर बेचेंगे.

नवंबर में आ सकता है स्विगी का आईपीओ

नयी दिल्ली । मार्केट रेगुलेटर सेबी ने आखिरकार स्विगी के आईपीओ के लिए रास्ता साफ कर दिया है. सेबी ने फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी को आईपीओ के लिए मंगलवार को मंजूरी दे दी है. कंपनी का लगभग 11000 करोड़ रुपये का आईपीओ नवंबर में आ सकता है. सेबी ने स्विगी से कहा है कि उसे आईपीओ लाने से 21 दिन पहले दस्तावेज अपडेट करके देने होंगे. इसके साथ ही साल 2024 में एक और बड़े आईपीओ का आना लगभग तय हो चुका है. दी रिपोर्ट में कहा है कि स्विगी ने कॉन्फिडेंशिअल रूट से आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे. अभी इस आईपीओ की फाइनल डेट तय नहीं हुई है लेकिन, इसका नवंबर में आना लगभग तय माना जा रहा है. स्टॉक मार्केट पर विभिन्न कंपनियों के आईपीओ द्वारा किए जा रहे शानदार प्रदर्शन के चलते स्विगी इसमें देरी नहीं करना चाहेगी.

कच्चे हीरे की कमी से डायमंड इंडस्ट्री परेशान

कीमत में जोरदार तेजी की आशंका

नयी दिल्ली । ज्वेलरी पहनने के शौकीन लोगों को अब अपने शौक को सीमित करने पर मजबूर होना पड़ सकता है. वैश्विक तेजी के कारण सोना और चांदी की कीमत फिलहाल ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंची हुई है. अब हीरे की कीमत में भी जोरदार तेजी आने की आशंका जताई जा रही है. माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कच्चे हीरे की कीमत में करीब 40 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है. ऐसा होने पर फिनिश्ड हीरे और हीरे से बने जेवरात की कीमत में भी जोरदार उछाल सकता है. आपको बता दें कि दुनिया भर में फिलहाल हर साल 80 से 85 लाख कैरेट कच्चे हीरे की मांग है. लेकिन सप्लाई के मोर्चे पर फिलहाल 70 से 72 लाख कैरेट कच्चे हीरे की ही उपलब्धता हो पा रही है. ऐसी स्थिति में पिछले 6 महीने में ही कच्चे हीरे की कीमत में 35 प्रतिशत तक का इजाफा हो चुका है. माना जा रहा है कि पिछले 20 से 25 सालों के दौरान कच्चे हीरो के दोहन में काफी तेजी आई है, जिसकी वजह से जिन खदानों से पहले हीरे निकाले जाते थे, वहां से ज्यादातर हीरे निकाले जा चुके हैं. अब इन खदानों से हीरा निकाले में अधिक मेहनत और पैसा दोनों लग रहा है.

बाजार

बाजार 255 अंक चढ़कर 85,169 पर बंद, आईटी और एनर्जी शेयर्स में रही तेजी

सेंसेक्स ने 85,236 व निफ्टी ने 26,032 का हाई बनाया

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के दोनों ही प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स-निफ्टी फिर से नए ऑलटाइम हाई को छूने में कामयाब रहा है. बुधवार के कारोबारी सत्र में बीएसई सेंसेक्स 85,247.42 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 26032.80 अंकों के नए हाई पर जा पहुंचा. बाजार ने बुधवार के सत्र में निचले लेवल से रोजगार रिकवरी दिखाई. सेंसेक्स में निचले लेवल से 500 और निफ्टी में दिन के लो से 161 अंकों की रिकवरी देखी गई. बुधवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 256 अंकों के उछाल के साथ 85,170 और निफ्टी 64 अंकों के उछाल के साथ 26000 के ऊपर 26,004 के लेवल पर बंद हुआ है. ट्रेड में बैंकिंग, फार्मा, मेटल्स, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी, इंफ्रा सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि ऑटो,आईटी, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए. वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में रौनक नहीं आई है और निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स गिरकर बंद हुआ है. इंडिया वीआईएक्स 8.22 फीसदी की गिरावट के साथ 12.28 पर बंद हुआ है. सेंसेक्स निफ्टी के शानदार तेजी के साथ बंद होने के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते शेयर बाजार के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 475.24 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 476.07 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. यानि बुधवार के सेशन में मार्केट कैप में 81000 करोड़ रुपये की कमी आई है. वहीं पावर ग्रिड 3.91 फीसदी, एक्सिस बैंक 2.18 फीसदी, एनटीपीसी 1.94 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.10 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.91 फीसदी, टाटा स्टील 0.65 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.59 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले स्टॉक्स में टेक महिंद्रा 2.21 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.39 फीसदी, टाइटन 0.93 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.92 फीसदी, एसबीआई 0.68 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

केंद्र सरकार ने कसा शिकंजा

वित्त मंत्री ने एआईआईबी के अध्यक्ष लिकुन से की मुलाकात

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को समरकंद में एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं सालाना बैठक से पहले एआईआईबी के अध्यक्ष जिन लिकुन से मुलाकात की. वित्त मंत्री ने लिकुन को एआईआईबी का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने तथा नौ वर्षों की छोटी अवधि में ऋण परिचालन में तीव्र वृद्धि के लिए बधाई भी दी. केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने एआईआईबी के अध्यक्ष जिन लिकुन को सुझाव दिया कि बैंक को अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण को मजबूत करना जारी रखना चाहिए तथा सदस्य देशों, विशेष रूप से कम आय वाले देशों को तकनीकी सहायता तथा अन्य गैर-वित्तीय सेवाओं के माध्यम से वित्तीय संसाधन प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करनी चाहिए. उधर, एआईआईबी के अध्यक्ष ने भारत को दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक तथा सबसे बड़ा ग्राहक होने के नाते बैंक प्रशासन तथा समग्र विकास में भारत के योगदान की सराहना की तथा भारत के साथ संबंधों को और मजबूत किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

रूस का खारकीएव पर नए सिरे से वार

कीव। रूस ने यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी शहर खारकीएव में नए सिरे से हमला किया है. स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक़ इन हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और 31 लोग घायल हुए हैं. मंगलवार को शुरू हुए ये हमले गाइडेड ग्लाइड बम से किए गए. हमले चार जिलों में किए गए. राष्ट्रपति वोलोदोमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस ने अपार्टमेंट्स, बेकरी और स्टेडियम को निशाना बनाया है. साफ है उनके हमले का निशाना यूक्रेनी नागरिक हैं. देश के पूर्वी इलाके में यूक्रेनी सेना रूसी सेना के साथ भीषण युद्ध लड़ रही है. रूस ने शहर वुलेदार को घेर रखा है. मंगलवार के हमले के बाद जेंलेस्की ने उस अपार्टमेंट की तस्वीर शेयर करते हुए बयान जारी किया, जो रूसी हमले में बुरी तरह ध्वस्त हो गया था.

श्रीलंका में संसदीय चुनाव का ऐलान

कोलंबो। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद भंग कर दी है. देश में अब संसदीय चुनाव होंगे. सरकारी गज़ट में कहा गया है कि संसदीय चुनाव 14 नवंबर को होंगे. 225 वाली सीटों में दिसानायके की पार्टी नेशनल पीपल्स पावर गठबंधन की सिर्फ़ तीन सीटें हैं. इससे पहले दिसानायके ने हरिनी अमरासूर्या को देश की नई प्रधानमंत्री को चुना. श्रीलंका के इतिहास में यह तीसरी बार होगा जब कोई महिला प्रधानमंत्री के पद पर बैठेगी. श्रीलंका में इससे पहले अगस्त 2020 में आम चुनाव हुए थे.

टीएमसी सांसद हाजी इस्लाम का निधन

कोलकाता। टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की बशीरहाट लोकसभा सीट से सांसद हाजी एसके नुरूल इस्लाम का निधन हो गया है. उनके निधन पर पार्टी अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुःख जताया है. ममता ने एक्स पर लिखा कि मेरे साथी हाजी एसके नुरूल इस्लाम सुंदरबन इलाक़े के एक लगनशील सामाजिक कार्यकर्ता थे. उन्होंने ग़रीबों के उत्थान के लिए बहुत काम किया है. बशीरहाटवासी उनके नेतृत्व को बहुत याद करेंगे. मेरी संवेदना उनके परिवार और जानने वालों के साथ है.

डोनाल्ड ट्रंप को हत्या की गंभीर चेतावनी

नयी दिल्ली। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान से उनकी जान को होने वाले 'वास्तविक और विशिष्ट' खतरे के बारे में सूचित किया है, जिसका उद्देश्य देश में अराजकता फैलाना है. ट्रंप की चुनावी अभियान के संचार निदेशक स्टीवन च्यांग ने मंगलवार को यह जानकारी दी. हालांकि एजेंसियां डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नवंबर के चुनावों में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से बचने के लिए काम कर रही हैं. अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने जा रहे हैं.

मप्र में ट्रक-ऑटो की टक्कर में 9 की मौत

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिला अंतर्गत दमोह-कटनी स्टेट हाईवे पर ट्रक और ऑटो के बीच भीषण टक्कर में 9 लोगों की मौत हो चुकी है. मृतकों में 4 बच्चे, 2 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं. इस हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला का इलाज जबलपुर मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है, जबकि, इलाज के दौरान एक बच्चे ने बुधवार को दम तोड़ दिया. मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रेक ने सवारियों से भरी ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि सात लोगों की मौत हो गई थी.

गुजरात में सड़क हादसा, सात की मौत

साबरकांठा (गुजरात)। जिले में हिम्मतनगर के पास बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया. हादसे में 7 लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है. घायल व्यक्ति को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह दर्दनाक घटना मोडासा कड़वा पाटीदार समाजवाड़ी के सामने हुई, जहां एक ट्रक के पीछे तेज रफ्तार कार घुस गई. हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए. जानकारी के अनुसार, सभी मृतक अहमदाबाद के बताए जा रहे हैं.

सहकर्मी ने की महिला पुलिस की हत्या

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में एक महिला पुलिसकर्मी की उसके पुरुष सहकर्मी ने गोली मारकर हत्या कर दी. मृतका कांस्टेबल सोमन (27) लाहौर पुलिस की दंगा-रोधी शाखा में कार्यरत थी. उन्हें घातक हमले में तीन बार गोली मारी गई. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कथित हत्यारे पुलिसकर्मी की पहचान फारूक के रूप में हुई है. वह अपराध को अंजाम देने के बाद मौके से फरार गया. फारूक पीड़िता को प्रताड़ित कर रहा था, जिसके बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने हस्तक्षेप करके उसे काबू में कर लिया.

सीएम के ख़िलाफ़ जांच के दिए निर्देश

बेंगलुरू। जन प्रतिनिधि कोर्ट ने मैसूर की लोकायुक्त पुलिस को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी को ज़मीन आवंटित किए जाने के मामले में जांच शुरू करने का निर्देश दिया है. स्पेशल कोर्ट के जज संतोश गजानन भट ने स्वीमयी कृष्णा की शिकायत पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत जांच शुरू करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने आदेश दिया कि लोकायुक्त पुलिस एफआईआर दर्ज कर 24 दिसंबर 2024 तक जांच पूरी करेगी. स्पेशल कोर्ट का ये ऑर्डर कर्नाटक हाई कोर्ट के कल के निर्णय के बाद आया है.

वार-पलटवार : हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 300 रॉकेट दागे, आईडीएफ ने अधिकांश को मार गिराने का किया दावा

इजरायल ने लेबनान पर किए हवाई हमले, 25 लोगों की मौत; 6 घायल

एजेंसी। यरूशलम/बेरूत

इजरायल ने लेबनान पर हवाई हमला किया है, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई और 6 घायल हो गए. लेबनान के सैन्य और चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, इजरायली ने दक्षिणी लेबनान में घरों को निशाना बनाया है. हवाई हमले में मरने वालों में 15 लेबनानी नागरिक थे, जबकि अन्य 10 सीरियाई थे. वहीं इजरायल की सेना का कहना है कि हिजबुल्लाह ने 2006 के बाद लेबनान पर इजरायल के सबसे भारी हमलों के दूसरे दिन इजरायल पर लगभग 300 रॉकेट और अन्य प्रोजेक्टाइल दागे हैं.

सैन्य सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि सुबह के समय नमैरियेह गांव के मध्य में स्थित कई घरों पर इजरायल ने चार मिसाइलें दागीं हैं. हवाई हमले के बाद, लेबनान रेड क्रॉस और नागरिक सुरक्षा टीमों ने घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया है. सूत्रों ने बताया है कि घटना स्थल से बुलडोजरों और क्रेनों की

मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया, जिनका अधिकांश समय ध्वस्त मकानों का मलबा हटाने में लगा. इस दौरान मलबों से शवों को निकाला गया, जिनमें से अधिकांश क्षत-विक्षत अवस्था में थे. सैन्य सूत्रों के अनुसार, इज़रायली युद्धक विमानों और ड्रोनों ने दक्षिणी लेबनान के गांवों और कस्बों पर 15 हमले किए तथा पूर्वी लेबनान के कस्बों और गांवों पर 11 हमले किए. हिजबुल्लाह के मीडिया रिलेशन विभाग ने एक बयान जारी कर चेतावनी दी कि "जियोनिस्ट दुश्मन बेका क्षेत्र में बारकोड वाले पर्चे गिरा रहा है. बयान में कहा गया है कि बारकोड को न खोलें और न ही साझा करें, इसे तुरंत नष्ट कर दें क्योंकि यह खतरनाक है. यह आपकी सारी जानकारी निकाल सकता है और आपकी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है. लेबनान में यह ताजा हमले उस वक्त हुए हैं, जब इजरायल के सैन्य प्रमुख हर्ज़ी हलेवी ने दिन में लेबनान पर इजरायली हवाई हमले तेज करने की कसम खाई थी. उन्होंने एक बयान में कहा, हिजबुल्लाह को आराम नहीं करने देना चाहिए और पूरी ताकत से हमें काम करते रहना चाहिए.

पहली बार तटीय शहर अटलिट में विस्फोटक ड्रोन गिरा

इजरायल रक्षा बलों ने मंगलवार रात को बताया कि उत्तरी इजरायल के हाइफ़ा के दक्षिण में एक तटीय शहर अटलिट में एक विस्फोटक ड्रोन गिरा. यह पहली बार है जब हिजबुल्लाह का रॉकेट हमला इस क्षेत्र तक पहुंचा है. इस क्षेत्र की ओर दो अतिरिक्त ड्रोन लॉन्च किए गए, लेकिन उन्हें रोक दिया गया. ड्रोन से कोई हताहत नहीं हुआ. सेना ने कहा कि अधिकांश रॉकेटों को इजरायल की हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा रोक दिया गया. हिजबुल्लाह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने अटलिट बेस में इजरायल की विशेष नौसैनिक टास्क यूनिट शायेत 13 के मुख्यालय के खिलाफ हमलावर ड्रोन के एक स्क्वाड्रन के साथ एक हवाई अभियान शुरू किया, जिसमें उसके अधिकारियों व सैनिकों की स्थिति को निशाना बनाया गया.

लेबनान ने इसराइली हमलों को बताया जनसंहार

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय कहा है कि उनके देश में जो हो रहा है वो 'जनसंहार' है. लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर पिछले दो दिनों से जारी इसराइली हमलों के बाद से अस्पतालों में घायलों की बाढ़ आ गई है. इसराइल के स्वास्थ्य मंत्री फिरास अबैद ने बीबीसी से कहा कि अब ये 'साफ' हो चुका है कि इसराइली हमले में अब तक 550 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं. मंगलवार को इसराइल ने दावा किया था उसकी सेना ने हिज़बुल्लाह की रॉकेट फोर्सेज के प्रमुख को मार दिया है. इसराइली हमले के जवाब में हिज़बुल्लाह ने उसने देश के उत्तरी इलाके में 300 रॉकेट दागे हैं. इसराइली सेना के मुताबिक़ इसमें छह लोग घायल हो गए हैं.

ब्रिटेन ने कहा-फौरन लेबनान छोड़ें ब्रिटिश नागरिक

लंदन। इसराइल और हिज़्बुल्लाह के बीच हमले तेज़ हो गए हैं. इस दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने लेबनान में रह रहे ब्रिटिश नागरिकों को तुरंत लेबनान छोड़ने को कहा है. प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने कहा "बढ़ते आक्रमण की स्थिति को देखते हुए हम आगे की तैयारी कर रहे हैं." ब्रिटेन का रक्षा मंत्रालय 700 सैनिकों की फौज को ब्रिटिश नागरिकों को लेबनान से निकालने के लिए भेज रहा है. ब्रिटिश सरकार ने नागरिकों को लेबनान ना जाने की सलाह भी दी है. फिलहाल क़रीब 10,000 ब्रिटिश नागरिक लेबनान में रह रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जापान, सऊदी अरब, साउथ कोरिया और अमेरिका समेत कई अन्य देशों ने भी अपने नागरिकों को लेबनान से निकलने के लिए कहा है.

विधानसभा चुनाव : हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में प्रचार ने पकड़ी रफ्तार

मोदी सोनीपत, राहुल जम्मू में गरजे

पीएम ने कहा-जहां-जहां कांग्रेस ने पैर रखा वहां भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पक्का है

एजेंसियां। सोनीपत

हरियाणा के सोनीपत जिले के गोहाना में पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया. पीएम मोदी ने मंच से कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि इन्होंने प्रदेश को दलालों और दामादों के हवाले कर दिया था. मोदी ने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है और जब हाईकमान भ्रष्टाचारी होता है, तो नीचे लूट का खुला लाइसेंस मिल ही जाता है. याद कीजिए, 10 साल पहले जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी, तब कैसे प्रदेश को लूटा गया था. यहां किसानों की जमीनों को जम कर लूटा गया, प्रदेश को दलालों और दामादों के हवाले कर दिया गया था. दलालों और दामादों से बचना है तो कमल ही बचाएगा. किस-किस कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगे हैं, ये आप अच्छे से जानते हैं. उन्होंने कहा कि हरियाणा में 10 साल पहले एक भी ऐसी नौकरी नहीं थी, जिसमें खर्ची और पर्ची नहीं चलती हो. सरकारी ठेकों में जम कर भ्रष्टाचार होता था. हरियाणा को लूटकर खाने वाली ऐसी करप्ट कांग्रेस को राज्य की सरकार से दूर रखना है, तब जाकर हरियाणा बचेगा. आप पर तो मेरा हक है, मुझे भी तो हरियाणा का कर्ज चुकाना है. मुझे खुशी है कि हरियाणा के लोग इतने समझदार हैं कि केंद्र और राज्य की क्या ताकत होती है, जितना हरियाणा के लोग समझते हैं हिंदुस्तान में, उतना और कोई नहीं समझता है, इसलिए हरियाणा में उसकी ही सरकार बनती है, जिसकी दिल्ली में सरकार होती है.

सिस्टम में भ्रष्टाचार कांग्रेस ने पैदा किया

पीएम मोदी ने कहा कि आप भी जानते हैं, जहां भी कांग्रेस को मौका मिला, जहां-जहां कांग्रेस ने पैर रखा, वहां भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद पक्का है. भारत के सरकारी सिस्टम में भ्रष्टाचार पैदा करने वाली, पालने-पोसने वाली कांग्रेस है. कांग्रेस ने हमेशा ही एससी, एसटी और ओबीसी को भागीदारी से वंचित रखा है. ये तो बाबा साहेब अंबेडकर थे, जिन्होंने दलितों को आरक्षण दिया, वरना ओबीसी की तरह दलितों को भी आरक्षण के लिए कांग्रेस की हार का इंतजार करना पड़ता. जब-जब कांग्रेस सरकार से दूर रही है, तब-तब एससी, एसटी और ओबीसी को उनका हक मिला है. जब-जब कांग्रेस, सरकार में रही है, उसने दलितों-पिछड़ों का हक छीना है. उन्होंने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने किसानों से 24 फसलें एमएसपी पर खरीदने का फैसला लिया.

जम्मू और कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही स्टेटहुड दिलाएंगे : गांधी

एजेंसियां। जम्मू

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू में चुनावी जनसभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राज्य दर्जे, टैक्स और जीएसटी जैसे मुद्दों पर बात की. राहुल गांधी ने कहा, हिंदुस्तान के इतिहास में बहुत सारे केंद्र शासित प्रदेशों को पूर्ण राज्य बनाया गया, लेकिन पहली बार एक राज्य को यूनियन टेरिटरी बनाया गया है, ये जम्मू-कश्मीर के साथ हुआ है. ऐसा करना जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अन्याय है, आपका लोकतांत्रिक हक आपसे छीन लिया गया है. राहुल ने कहा कि हमने सोचा था कि चुनाव से पहले आपको स्टेटहुड वापस मिल जाएगा. सही तरीका वही था, लेकिन अब हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द आपको लोकतांत्रिक हक मिल जाए. हिंदुस्तान के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, ऐसा किसी के साथ होना भी नहीं चाहिए. जम्मू-कश्मीर में हमारी सरकार बनते ही आपको स्टेटहुड दिलाएंगे. उन्होंने आगे कहा, मैं आपको गारंटी देता हूं कि अगर भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस नहीं दिया, तो हम इंडिया गठबंधन के लोग पूरा दम आपको राज्य का दर्जा दिलाने में लगा देंगे. संसद का इस्तेमाल करेंगे, सड़कों पर उतरेंगे और आपका हक आपको वापस दिलाएंगे. अगर भाजपा ने किसी कारण से नहीं माना, तो हम जैसे ही इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, हम सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का काम करेंगे. ये आपका भविष्य है. इसके बिना आप लोग आगे नहीं बढ़

जीएसटी छोटे उद्योगों पर हमला करने का हथियार

राहुल गांधी ने कहा कि आज देश की सरकार अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए चलती है. जीएसटी एक हथियार है, जिससे जम्मू-कश्मीर के छोटे और मध्यम उद्योगों पर हमला किया गया. सच्चाई यही है कि नोटबंदी और गलत जीएसटी ने हिंदुस्तान के लाखों बिजनेस खत्म कर दिए. राहुल गांधी ने कहा, जम्मू यहां का सेंट्रल हब है, जो कश्मीर के बिजनेस और प्रोडक्शन को पूरे देश से जोड़ता है, लेकिन बीजेपी सरकार ने इसके रोल को खत्म कर, यहां की एमएसएमई और एंटरप्रेन्योर की रीढ़ तोड़ दी. जब तक एमएसएमई अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे, तब तक यहां रोजगार पैदा नहीं होगा.

सकते हैं. जब तक उप-राज्यपाल है, तब तक बाहर के लोगों को फायदा मिलेगा. सारे के सारे कॉन्ट्रैक्ट्स उनको जाएंगे और जम्मू-कश्मीर की जनता है, उनको परे कर दिया जाएगा.

आखिर आरोपी के सिर में गोली कैसे लगी?

बदलापुर एनकाउंटर

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस पर उठाए गंभीर सवाल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के बदलापुर एनकाउंटर में दुष्कर्म के आरोपी अक्षय शिंदे के मारे जाने को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र पुलिस से कई गंभीर सवाल पूछे. कोर्ट ने यह सवाल आरोपी के पिता की याचिका पर सुनवाई के दौरान पूछे.

कोर्ट ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा, "पुलिस को तो किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए विधिवत रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है. ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर आरोपी के सिर पर गोली कैसे लगी? पुलिस को तो बाकायदा ट्रेनिंग में यह सिखाया जाता है कि आरोपी के किस अंग पर गोली चलानी है. ऐसी स्थिति में पुलिस को आरोपी के पैर या हाथ पर गोली चलानी चाहिए थी." कोर्ट ने पूछा, "जब यह एनकाउंटर हुआ, तब पुलिसकर्मी वर्दी में नहीं थे. पिस्तौल बाईं तरफ थी. जब वह (मृतक) गाड़ी में था, तो बंदूक लॉक थी. आरोपी ने पुलिस से जब जबरन बंदूक छीनी, तब वह अनलॉक हो गई." कोर्ट ने कहा, "इस पूरी स्थिति पर यकीन कर पाना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि बंदूक को छीनने के लिए आरोपी के पास ताकत होनी जरूरी है. एक कमजोर आदमी गोली नहीं चला सकता है. इसके लिए ताकत की जरूरत होती है और रिवॉल्वर से गोली चलाना आसान नहीं है."

आरोपी अक्षय शिंदे के वकील ने क्या कहा : आरोपी अक्षय शिंदे के वकील अमित कटरनावारे ने कोर्ट में कहा, "घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी को सुरक्षित रखा जाए. जिस दिन यह घटनी हुई थी, उसी दिन आरोपी ने अपने माता-पिता से फोन पर बात की थी और पूछा था कि उसे जमानत मिलेगी. ऐसी स्थिति में पुलिस द्वारा दिए गए बयान पर शक पैदा होता है, क्योंकि आरोपी उस दिन इस मानसिक स्थिति में बिल्कुल भी नहीं था कि वह पुलिस से रिवॉल्वर छीनकर चला सके, जैसा कि पुलिस दावा कर रही है. उस दिन आरोपी ने फोन पर बात करते हुए अपने माता-पिता से 500 रुपए भी मांगे थे, ताकि कैंटिन की सुविधा प्राप्त कर सके. आरोपी ना ही भागने की स्थिति में था और ना ही पुलिस से रिवॉल्वर छीनने की स्थिति में था."

हरियाणा के लोगों को अरविंद केजरीवाल ने दी पांच गारंटी

महम। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव में महम विधानसभा से आप उम्मीदवार विकास नेहरा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया. इस दौरान केजरीवाल ने लोगों को पांच गारंटी दी. केजरीवाल ने कहा, यह केजरीवाल की गारंटी है, बाकी लोगों की तरह यह फर्जी नहीं है. पहली गारंटी यह है कि मैं आप लोगों के लिए बिजली फ्री कर दूंगा. 24 घंटे बिजली मिलेगी. पिछले सभी बिल माफ कर दिए जाएंगे. दूसरी गारंटी के रूप में दिल्ली की तरह यहां भी मोहल्ला क्लीनिक, शानदार अस्पताल बनाएंगे. यहां फ्री में इलाज की सुविधा मिलेगी. तीसरी गारंटी के तहत बच्चों के लिए शानदार सरकारी स्कूल बनाएंगे. हमारे स्कूल के सामने निजी स्कूल बंद हो जाएंगे. चौथी गारंटी हर महिलाओं को एक हजार रुपये दिए जाएंगे. दिल्ली में 12 लाख युवाओं को रोजगार दिया है, यहां भी युवाओं के लिए रोजगार का इंतजाम किया जाएगा. केजरीवाल ने कहा, यह गारंटी हम पूरी करके दिखाएंगे.

चुनाव देखने श्रीनगर पहुंचा विदेशी दल, उमर ने किया विरोध

- जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव : 20 लोगों के दल में भारत के विदेश मंत्रालय के भी चार प्रतिनिधि शामिल थे

एजेंसी। नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में बुधवार को दूसरे चरण की वोटिंग संपन्न हुई. 26 सीटों पर मतदान के बीच 16 विदेशी राजनयिकों का एक दल भी श्रीनगर पहुंचा. 20 लोगों के इस दल में भारत के विदेश मंत्रालय के भी चार प्रतिनिधि शामिल हैं. अलग-अलग देशों के राजनयिकों के इस दल ने मतदान केंद्रों पर जाकर वोटिंग का मुआयना किया. बुधवार की सुबह को उन्होंने चिनार बाग स्थित एसपी

कॉलेज में बने मतदान केंद्र का दौरा किया. ये चौथा मतदान केंद्र था,जिसका उन्होंने मुआयना किया. विदेशी राजनयिकों के इस दल में अमेरिका, मेक्सिको, गयाना, दक्षिण कोरिया, सोमालिया, पनामा, सिंगापुर, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, नॉर्वे, तंज़ानिया, रवांडा, अल्जीरिया और फिलिपींस के राजनयिक शामिल हैं.

चुनाव भारत का अंदरुनी मामला : उमर अब्दुल्ला

एनसी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा को देखने के लिए विदेशी राजनयिकों के दल को केंद्र के फैसले का विरोध किया है. उन्होंने कहा कि ये चुनाव भारत का अंदरुनी मामला है. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि विदेशियों को क्यों यहां चुनावों की जांच करनी चाहिए जबकि भारत का कहना है कि कश्मीर उसका अंदरुनी मामला है. अचानक उन्हें ऐसी क्या जरूरत पड़ी कि विदेश पर्यवेक्षक आकर यहां चुनाव देखें.

अच्छी पहल 'मिल कर चलें, प्रदूषण से लड़ें' थीम पर विंटर एक्शन प्लान काम करेगा : गोपाल राय

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में थमेगा प्रदूषण का कहर, ड्रोन से निगरानी

एजेंसी। नयी दिल्ली

सर्दियों के मौसम में दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से बचाने के लिए बुधवार को दिल्ली सरकार ने ''विंटर एक्शन प्लान'' साझा किया. दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में बताया कि सरकार ने आज से ही प्रदूषण के खिलाफ जंग छेड़ दी है. 'मिल कर चलें, प्रदूषण से लड़ें' थीम पर विंटर एक्शन प्लान काम करेगा. गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में हमने देखा है कि सर्दियों के समय में बाहरी राज्यों की वजह से प्रदूषण का स्तर बढ़ता है. हमें प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए केंद्र सरकार के सहयोग की

जरूरत होती है. सभी मिलकर प्रदूषण के खिलाफ लड़ेंगे, तभी प्रदूषण को कम किया जा सकता है.

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार के प्रयासों की वजह से ही आज दिल्ली में प्रदूषण कम हो रहा है. साल 2016 में प्रदूषित दिन की संख्या 243 थी. 2023 में यह संख्या घटकर 159 हुई. करीब 35 फीसदी प्रदूषण के स्तर में कमी आई है. दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए सभी एजेंसियों के साथ मिलकर पौधरोपण कार्यक्रम किए. ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने का काम किया, जिसका परिणाम यह है कि 34 फीसदी से अधिक प्रदूषण को कम करने में सफल हुए हैं. साल 2013 में 20 फीसदी ग्रीन बेल्ट था, जो कि साल 2022 तक 23.06 प्रतिशत हो गया है. पिछले चार साल में 2 करोड़ पौधे लगाए गए. गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला किया है. जो भी एजेंसी, निजी निर्माण एजेंसी, कंपनी, सरकारी कर्मचारी प्रदूषण को नियंत्रित करने में सबसे अच्छा काम करेगी, उसे प्रोत्साहित करने के लिए ''हरित रत्न पुरस्कार'' से सम्मानित किया जाएगा. खराब प्रदर्शन करने वालों को दंडित भी किया जाएगा. गोपाल राय ने कहा कि 21 प्वाइंट के विंटर एक्शन प्लान के तहत हम प्रदूषण के खिलाफ काम करेंगे. दिल्ली में पहली बार हॉट स्पॉट की ड्रोन से निगरानी करने का फैसला लिया गया है. इससे रियल टाइम में प्रदूषण की वजह का पता लगाया जा सकेगा. प्रदूषण की वजहों को रोकने के लिए 6 सदस्यीय एसटीएफ का गठन किया जाएगा.

'धूल विरोधी अभियान' 7 से शुरू

धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 7 अक्टूबर से ''धूल विरोधी अभियान'' शुरू होगा. सभी एजेंसियों, निजी और सरकारी कार्यालयों के पास 7 अक्टूबर तक का समय है, अगर वे तब तक मापदंडों को पूरा नहीं करती हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू होगी. उन्होंने बताया कि प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. 500 मीटर से अधिक सभी निर्माण स्थलों को पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा. 85 रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जाएंगी. पानी छिड़काव के लिए 500 मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा. 200 मोबाइल एंटी स्मॉग गन चलाई जाएंगी. नवंबर-दिसंबर में पानी का छिड़काव 3 गुना बढ़ाया जाएगा.

गाजियाबाद : महीनों से बेटी का रेप कर रहा था पिता, गिरफ्तार

- आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज

एजेंसी। गाजियाबाद

गाजियाबाद में एक पिता अपनी ही बेटी के साथ कई महीनों से दुष्कर्म कर रहा था. बच्ची इस घटना की वजह से लगातार डरी सहमी हुई थी. उसने काफी हिम्मत करके यह बात अपनी बुआ को बता दी. इसके बाद उसकी बुआ ने पुलिस को मामले की सूचना दी. पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

लोनी क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त सूर्यबली मौर्य ने बताया है कि 24 सितंबर को शाम करीब 6 बजे एक कॉलर ने डायल-112 पर सूचना दी कि राजकुमार नाम का व्यक्ति अपनी नाबालिग बेटी के साथ गलत काम करता है. इस सूचना पर तत्काल थाना लोनी की पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. पीड़ित लड़की से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके पिता उसके साथ पिछले कई महीने से दुष्कर्म कर रहे हैं. लड़की ने किसी तरह हिम्मत करके मंगलवार को ये बात अपनी बुआ को बताई. लड़की की बुआ ने ही डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को मामले की सूचना दी. थाना लोनी में राजकुमार के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)